शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

www.lagatar.in

शनिवार, 03 फरवरी 2024 ● माघ कृष्ण पक्ष 09, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 286

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	28.6	17.2
जमशेदपुर	29.0	17.4
डालटनगंज	28.0	12.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

जोहार,

झारखण्ड अलग राज्य होने के 20 वर्षों बाद, विषम परिस्थितियों में भी हेमन्त बाबू के कुशल नेतृत्व में जो कामकाज और योजनाएं यहां के आदिवासियों-मूलवासियों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने हेतु चलायी गयी हैं, यह गठबंधन सरकार, उस काम को और तेजी से आगे बढ़ाने का काम करेगी।

यहां के सभी वर्गों, जैसे युवा, बच्चे, बुजुर्गों, महिलाएं, किसानों और मजदूरों को हक-अधिकार देने तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि जैसे क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए जनहित में हम काम करेंगे।

झारखण्ड में जल-जंगल-जमीन को लेकर वर्षों से संघर्ष हुआ है। यहां के आदिवासियों-मूलवासियों के अस्तित्व और अस्मिता को संरक्षित करने का काम हमें करना है।

हमारा प्रयास रहेगा कि भगवान बिरसा मुंडा, सिदो- कान्हू और बाबा तिलका मांझी समेत सभी वीर शहीदों के आदर्शों को धरातल पर उतार कर, राज्यवासियों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव ला सके।

यह बहुत बड़ा दायित्व मुझे मिला है जिसे मैं पूरी लगन से निभाऊंगा।

जय हिन्द !

जय झारखण्ड !

चम्पई सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

अनुदान के लिए 75 प्रतिशत स्वीकृत शिक्षण पदों को भरना आवश्यक, यूजीसी ने जारी ड्राफ्ट पर 4 मार्च तक मांगी राय

विश्वविद्यालयों में आरक्षण नीति का पालन करना जरूरी

विशेष संवाददाता। रांची

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने केंद्र से अनुदान प्राप्त करने के लिए कई महत्वपूर्ण पॉलिसी बनाने का प्रस्ताव दिया है. नए दिशा निर्देशों में कॉलेजों को अनुदान प्राप्त करने के लिए एनएएसी या एनबीए कार्यक्रमों में भागीदारी, एनआईआरएफ रैंकिंग और 75 प्रतिशत स्वीकृत शिक्षण पदों को भरने का प्रस्ताव दिया गया है. यूजीसी ने जारी ड्राफ्ट पर 4 मार्च 2024 तक राय मांगी है. नए ड्राफ्ट को मंजूरी मिलती है, तो वह यूजीसी (अनुदान प्राप्त करने के लिए कॉलेजों की फिटनेस) नियम 2024, 1975 यूजीसी दिशा निर्देशों की जगह लेगा. जो आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त सभी संस्थानों को कवर करता है. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप नए नियम, यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 2 (एफ) के तहत केंद्रीय या राज्य अधिनियम के तहत स्थापित विश्वविद्यालयों से संबद्ध प्रत्येक कॉलेज पर लागू होंगे.

नीति के अनुसार वेतन भी देना होगा

ड्राफ्ट में कहा गया है कि कॉलेजों को कुल स्वीकृत शिक्षण पदों में से कम से कम 75 प्रतिशत पद भरने होंगे और आरक्षण नीति का विधिवत पालन करना होगा. सिर्फ नियुक्ति ही नहीं बल्कि शिक्षकों को यूजीसी या केंद्र या राज्य सरकार की नीति के अनुसार वेतन भी देना होगा. कॉलेज यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 12बी के तहत मान्यता के लिए विचार करने के लिए यूजीसी पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, जो उन्हें अनुदान प्राप्त करने के लिए पात्र बनाता है.

अब कॉलेजों की मान्यता होगी रद्द

संबद्ध विश्वविद्यालय इस आवेदन की जांच करने और 60 दिनों के भीतर मंजूरी के लिए यूजीसी को सिफारिश करने के लिए जिम्मेदार होंगे. ड्राफ्ट में कहा गया है कि अगर किसी भी बिंदु पर यूजीसी किसी कॉलेज को अपने नियम का उल्लंघन करते हुए पाता है, तो उनकी मान्यता वापस ली जा सकती है.

धारा 2 के तहत कॉलेजों को सूचीबद्ध कराना जरूरी

शैक्षणिक संस्थानों में गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने के लिए, यूजीसी ने कॉलेजों को धारा 2 (एफ) के तहत सूचीबद्ध करना अनिवार्य कर दिया है, जो सभी कॉलेजों में वैधानिक नियमों को लागू करने की अनुमति देता है. और कॉलेजों को यूजीसी के प्रति जवाबदेह बनाता है. साथ की कॉलेजों को अनुदान प्राप्त करने के लिए 12(बी) का पालन करना होगा.

दिशा-निर्देशों के दायरे में विस्तार

पहले के दिशा निर्देशों के दायरे का विस्तार करते हुए, यूजीसी ने प्रस्ताव दिया है कि विश्वविद्यालयों को या तो राष्ट्रीय मूल्यांकन और एनएएसी – उच्च शिक्षा संस्थानों के मूल्यांकन और मान्यता के लिए प्राथमिक निकाय द्वारा मान्यता प्राप्त होनी चाहिए. विश्वविद्यालयों में कम से कम 60% कार्यक्रम होने चाहिए. यदि कोई कॉलेज एनबीए द्वारा मान्यता प्राप्त तीन से अधिक कार्यक्रम पेश करता है, तो केवल मान्यता प्राप्त कार्यक्रम को ही वैध माना जाए.

विश्वसनीयता के लिए प्रमाण पत्र जरूरी

ड्राफ्ट में कहा गया है कि ऐसे कॉलेज जो न केवल केंद्र या राज्य सरकार के उपयुक्त प्राधिकारी द्वारा निर्धारित उचित शुल्क लेते हैं, बल्कि कैपिटेशन शुल्क या कोई अनधिकृत शुल्क भी नहीं लेते हैं, उन्हें अनुदान प्राप्त करने पर विचार किया जाएगा. फंडिंग प्राप्त करने की विश्वसनीयता के लिए विश्वविद्यालय द्वारा समर्थित प्रमाणपत्र का प्रमाण भी कॉलेज द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा.

देश के युवा बजट में ठगा हुआ महसूस कर रहे है : अमन अहमद

रांची। कांग्रेस छात्र संगठन (एनएसयूआइ) के छात्र नेता अमन अहमद ने शुक्रवार को कहा की संसद भवन से जो 24-25 का बजट केंद्र सरकार द्वारा पेश किया गया है वह काफी निराशाजनक है. बजट में ना कोई आशा की किरण है और ना ही कोई मार्गदर्शन है. बजट में छात्राओं, युवाओं एवं महिलाओं के रोजगार संबंधी एवं स्वास्थ संबंधी बात नही की गई है. गरीब एवं बेरोजगारों के लिए इस बजट में कुछ नही है. यह सिर्फ छलावा है. इसमें बेरोजगारी एवं महंगाई नियंत्रण का कोई उपाय नहीं बताया गया है. शिक्षा के क्षेत्र में कोई बड़ी योजना नही दी गई. नए रोजगार सृजित करने के लिए कोई योजना नही है.

झारखंड को विकास की राह पर ले जाएंगे

विपक्ष की साजिशों को बेनकाब करेंगे

सीएम चंपई सोरेन का संदेश

प्रमुख संवाददाता। रांची : मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद चंपई सोरेन ने 'एक्स' पर पोस्ट के जरिये राज्य की जनता को अपना संदेश दिया. उन्होंने लिखा-

राजभवन में पत्नी मानकी सोरेन के साथ सीएम चंपई सोरेन.

"जोहार !

आज झारखंड के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ग्रहण किया. दिशोम गुरु आदरणीय शिबू सोरेन जी के मार्गदर्शन में हमारी सरकार राज्य की आम जनता के हित में काम करती रहेगी. हमारे गठबंधन की सरकार ने माननीय हेमन्त सोरेन जी के नेतृत्व में जो बुनियादी शुरुआत की है, यहां के आदिवासियों, मूलवासियों व आम झारखंडियों का के सर्वांगीण विकास के लिए जो योजनाएं शुरू की गई हैं, हम उसे गति देने का काम करेंगे. झारखंड प्रदेश में विपक्ष की ओर से झूठे प्रचार के दम पर, जिस प्रकार अस्थिरता का माहौल बनाया जा रहा है उसे हमारे गठबंधन की एकता ने विफल कर दिया. पूरे देश ने देखा कि किस प्रकार एक आदिवासी सीएम हेमंत बाबू के खिलाफ साजिश कर के उन्हें अपदस्थ किया गया. इन साजिशों को बेनकाब कर के हम प्रदेश को विकास की राह में ले जाने का प्रयास करेंगे.

ये लड़ाई बरसों से है, इसका लंबा इतिहास है, जल जंगल जमीन के लिए हमारे पूर्वजों ने भी संघर्ष किया है. बाबा तिलका मांझी, सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो, भगवान बिरसा मुंडा, टाना भगत जैसे बहुत से आंदोलनकारी रहे हैं, जिन्होंने अस्तित्व की लड़ाई में अपने आत्मसम्मान से कभी समझौता नहीं किया. हमारा प्रयास रहेगा कि इन सभी शहीदों के आदर्शों को धरातल पर उतार कर राज्य के आदिवासियों, मूलवासियों, दलितों व आम नागरिकों के जीवन स्तर में बदलाव लाया जाये.

जय हिन्द ! जय झारखंड !!"

वस्तु और सेवाएं दोनों स्तरों पर निर्यात को बढ़ावा देना जरूरी है

रांची। फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज कार्यालय में शुक्रवार को भारतीय विदेश सेवा के बैच अधिकारी स्वाति संदीप ने इंडक्शन प्रोग्राम के तहत चैंबर के पदाधिकारियों संग बैठक की. इस बैठक में कर उद्योग, व्यापार, पर्यटन और प्रवासी मामलों पर चर्चा की गई. इस दौरान सदस्यों द्वारा कहा गया कि भारत में निर्धारित समयावधि में तीव्र गति से 5 ट्रिलियन अमरीकी डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल करने के लिए वस्तु और सेवाएं दोनों स्तरों पर निर्यात को बढ़ावा देना बेहद जरूरी है. ईज ऑफ डुइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए नीति, नियामक और परिचालन ढांचे से संबंधित घरेलू और विदेशी बाधाओं को भी व्यवस्थित तरीके से दूर करने की जरूरत है. झारखंड चैंबर द्वारा पिछले वर्ष श्रीलंका दौरे की जानकारी देते हुए चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने झारखंड से विदेशों में व्यापार के अवसर को बढ़ाने के लिए झारखंड चैंबर और अन्य देशों के बीच समन्वय बैठकों के आयोजन को भी जरूरी बताया. महासचिव परेश गट्टानी और कार्यकारिणी सदस्य रोहित पोद्दार ने संयुक्त रूप से कहा कि राज्य में डीजीएफटी कार्यालय की अनुपलब्धता और इपीसी से अपेक्षित सहयोग की कमी के कारण आयात/निर्यात व्यापार से जुड़े स्टेक होल्डर्स को अपना व्यापार सुचारू रूप से चलाने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है.

जापान की भाषा के साथ जापान की संस्कृति भी सीखेंगे छात्र : कुलपति

कार्यक्रम आयोजित

- छात्रों को गणित का सावल हल करना सिखाया गया
- रांची विश्वविद्यालय का जापान के साथ एमओयू

संवाददाता। रांची

रांची विश्वविद्यालय में जापानी फेस्ट का आयोजन किया गया. इसका आयोजन जापानी कंपनी तमाई ओवेटड्रम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने किया. इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर रांची विश्वविद्यालय कुलपति प्रो अजीत कुमार सिन्हा शामिल रहे. 12-13 फरवरी को फ्री जैपनीज लैंग्वेज डेमो क्लास होंगे. जापानी कंपनी के प्रतिनिधियों ने बताया कि जापानी भाषा सिख कर जापान में नौकरी पा सकते है. वहीं, जापान की सभ्यता, संस्कृत और अन्य चीजों से जुड़ सकते हैं. कार्यक्रम में गणित के कई विधियों के बारे में भी बताया गया साथ ही उपस्थित छात्रों को गणित सिखाया गया है.

जापानी भाषा का कोर्स विवि के लिए उपलब्धि की बात है: कुलपति रांची विश्वविद्यालय प्रो. डॉ. अजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि जापानी भाषा का कोर्स रांची विश्वविद्यालय में प्रारंभ हो रहा है. यहां हमारे लिये एक उपलब्धि की बात है. हमारे छात्र जापानी भाषा सीखने के साथ ही जापानी कार्य संस्कृति और अनुशासन भी सीखेंगे. यह कोर्स झारखंड के युवाओं के लिये बहुत ही रोजगारपरक साबित होगा है. भारतीयों का जापानी भाषा को सीखना हर लिहाज से करियर के लिये एक बेहतरीन चुनाव है. यही सोच कर रांची विश्वविद्यालय में जापा भाषा कोर्स की शुरूआत की जा रही है. इस कोर्स को प्रारंभ करने के लिये रांची विवि ने जापान के साथ एमओयू किया है.

भारत और जापान आपसी सहयोग से विश्वगुरु बनेंगे : सीईओ तमाई

जापानी टीम की सीईओ तमाई ने हिंदी में सबों को संबोधित किया और कहा कि हम इस फेस्ट के माध्यम से एक दुसरे की संस्कृति और रीति-रिवाजों को भी समझ सकते हैं. मैं आप सबों को जापानी भाषा को सीखने के लिये प्रोत्साहित करना चाहती हूं. मेरा मानना है कि भारत विश्व लीडर बनेगा और भारत जापान एक दूसरे का सहयोग करेंगे. उन्होंने कहा कि जापान की आबादी कम है, पर जापान प्रत्येक क्षेत्र में बहुत अच्छा काम कर रहा है. बुलेट ट्रेन हो या आईटी, इलेक्ट्रॉक्सि जापान प्रत्येक क्षेत्र में अग्रणी है. वहीं जापान से आये गणित के शिक्षक कुबुशान ने रोजमर्रा के जीवन में मैथ के उपयोग पर प्रस्तुति दी. जापान रोबोटिक्स आईटी इलेक्ट्रॉनिक्स तथा निर्माण में अग्रणी देश है. विभिन्न विभागों के प्राध्यापक, वोकेशलन की डिप्टी डायरेक्टर डॉ स्मृति सिंह समेत अन्य लोग शामिल रहे.

मौसम

5 फरवरी से उत्तरी इलाकों में हल्की बारिश के आसार

झारखंड में 3 डिग्री तक गिरेगा पारा

संवाददाता। रांची

झारखंड में बारिश के बाद ठंड बढ़ने वाली है. मौसम विभाग के अनुसार राज्य के दक्षिणी भागों में अगले 2 दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है. जबकि, अन्य भागों में कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है. इसके बाद राज्य में अगले 3 दिनों में इसमें धीरे-धीरे 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है. पिछले 24 घंटे में राज्य में कुछ स्थानों पर बहुत हल्की से हल्के दर्जे की वर्षा हुई. सबसे अधिक वर्षा 15 मिमी मांडर (रांची) तथा

मुर्हु (खूंटी) में दर्ज किया गया. राज्य के दक्षिणी एवं निकटवर्ती मध्य भाग में कहीं-कहीं मध्यम से घने दर्जे का कोहरा देखा गया. सबसे अधिक उच्चतम तापमान 26.4 डिग्री सेल्सियस डाल्टनगंज में जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 12.0 डिग्री सेल्सियस गिरिडीह में दर्ज किया गया.

विभिन्न शहरों का तापमान

राज्य	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	20.4	12.4
जमशेदपुर	21.8	17.4
डाल्टेनगंज	26.4	12.3
बोकारो थर्मल	21.5	13.6
चाईबासा	22.4	14.2
देवघर	23.7	13.0
गिरिडीह	21.0	12.0
गढ़वा	26.0	12.3
गोड्डा	25.5	12.2

आने वाले दो दिन मौसम साफ रहेगा

आने वाले दो दिन मौसम साफ रहेगा. सुबह में कोहरे के बाद धूप निकलने की संभावना है, जबकि, मौसम शुष्क रहेगा. वहीं, 5 फरवरी को राज्य के उत्तरी हिस्से में कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्की बारिश हो सकती है. जबकि, 6 फरवरी को राज्य के दक्षिणी, मध्य तथा उत्तर-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्की बारिश हो सकती है.

CLASSIFIED

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

शनिवार, 03 फरवरी 2024 ● माघ कृष्ण पक्ष 09, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 286

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

राज्यपाल ने शुक्रवार को दोपहर 12.15 बजे राजभवन में पद व गोपनीयता की शपथ दिलायी

चंपई ने ली शपथ

कहा-हेमंत का कार्यकाल रहा शानदार, उनके काम को आगे बढ़ाएंगे

राज्य के 12 वें सीएम बने चंपई, काम संभाला

- आलमगीर-भोक्ता ने भी साथ ली शपथ

कौशल आनंद/सत्याशरण मिश्रा। रांची

झामुमो के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री चंपई सोरेन झारखंड के 12वें मुख्यमंत्री बने. राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन शुक्रवार को दिन के 12.15 बजे राजभवन में उन्होंने पद व गोपनीयता की शपथ दिलायी. चंपई के साथ कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम और राजद विधायक सत्यानंद भोक्ता ने कैबिनेट मंत्री के तौर पर शपथ ली. शपथ ग्रहण के बाद राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने मुख्यमंत्री और मंत्रियों को गुलदस्ता देकर स्वागत किया. शपथ ग्रहण के दौरान राजभवन में कांग्रेस प्रभारी गुलाम मोहम्मद मीर, झामुमो विधायक सीता सोरेन, माले विधायक विनोद सिंह, पूर्व विधायक सरफराज अहमद, झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य, सांसद महुआ माजी, मुख्य सचिव एल ख्यांग्ते, राज्यपाल के प्रधान सचिव नितीन मदन कुलकर्णी, डीजीपी अजय कुमार सिंह सहित चंपई सोरेन के पत्नी समेत उनके अन्य परिजन मौजूद थे.

विधानसभा का विशेष सत्र 5-6 को, बहुमत हासिल करेगी सरकार : राज्य की नयी चंपई सोरेन सरकार 5 फरवरी को अपना बहुमत साबित करेगी. इसके लिए सरकार ने 5 व 6 को विशेष सत्र आहुत किया है. यह निर्णय चंपई सोरेन की सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट की बैठक में लिया. इस सत्र को लेकर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है. कैबिनेट की बैठक में पूर्व में विधानसभा का बजट सत्र जो 9 फरवरी से 29 फरवरी घेषित था. उसे विलोपित कर दिया गया. यानि की बजट सत्र आहुत करने को लेकर सरकार 6 फरवरी के बाद निर्णय लेगी.

- 5 को विश्वासमत हासिल करेगी चंपई सरकार, पहली कैबिनेट की बैठक में लिया गया निर्णय

37 विधायक पहुंचे हैदराबाद, 5 को सीधे लौटेंगे विधानसभा

- संसदीय कार्यों के संचालन के लिए आलमगीर आलम को संसदीय कार्य मंत्रालय का प्रभार मिला

आदिवासी-मूलवासियों की अस्मिता बचाना है : चंपई

शपथ ग्रहण के बाद चंपई सोरेन मोरहाबादी स्थित वीर सिदो-कान्हो और बिरसा चौक में भगवान बिरसा मुंडा को नमन किया. शपथ ग्रहण और कैबिनेट की बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि हेमंत सोरेन का कार्यकाल बहुत शानदार रहा. मैं उनके कार्यों को आगे बढ़ाएंगे. पिछली सरकार ने जो विकास कार्य शुरू किये थे, उन्हें और गति देने का काम करेंगे. उन्होंने कहा कि विपक्ष झारखंड को अस्थिर करने का प्रयास कर रहा है, लेकिन गठबंधन हमारी शक्ति है. हम सब राज्य को नयी दिशा देंगे. उनके बचे हुए काम को तेजी से पूरा करेंगे. हम नयी सरकार में हर वर्ग के लोगों को ध्यान में रखते हुए जनहित में सारे कामों को पूरा करेंगे.

विनय बने सीएम के प्रधान सचिव

आईएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे को मुख्यमंत्री चंपई सोरेन का प्रधान सचिव बनाया गया है. इसको लेकर कार्मिक विभाग ने मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण और पहली कैबिनेट के बाद जारी कर दिया. विनय चौबे ने पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद अपने सभी पद से इस्तीफा दे दिया था.

राजीव बने महाधिवक्ता

हेमंत सोरेन सरकार में महाधिवक्ता रहे राजीव रंजन को फिर से महाधिवक्ता बनाया गया है. शुक्रवार को हुई कैबिनेट की बैठक में इसकी मंजूरी दी गयी. शाम को ही नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया.

सत्ताधारी दल के विधायक हैदराबाद पहुंचे, चंपई ने कहा- यह मेरी रणनीति

झारखंड में चंपई सोरेन के नेतृत्व में नयी सरकार के गठन के ठीक बाद सत्तारूढ़ गठबंधन के 37 विधायक करीब एक बजे चार्टर्ड प्लेन से हैदराबाद पहुंच गए है. जिस वक्त नयी सरकार का शपथ ग्रहण चल रहा था, उसी वक्त विधायक बस पर सवार होकर रांची एयरपोर्ट पहुंचे. सभी फ्लोर टेस्ट के ठीक पहले वापस आएंगे. विधायकों ने मीडिया से बातचीत में कहा कि राज्य को संवैधानिक संकट से बचाने के लिए हमने एक साथ एक जगह सुरक्षित जगह पर रहने का निर्णय लिया है.

हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के खिलाफ सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

भाषा। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मनी लांड्रिंग मामले में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की याचिका पर हस्तक्षेप करने से शुक्रवार को इनकार कर दिया. सोरेन ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा की गई उनकी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी. न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति एमएम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी की पीठ ने सोरेन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ताओं कपिल सिब्बल और अभिषेक सिंघवी से राहत के लिए हाईकोर्ट जाने को कहा. अपनी गिरफ्तारी की आशंका के कारण झारखंड के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले झामुमो नेता हेमंत सोरेन ने शीर्ष अदालत के समक्ष अपनी याचिका में ईडी पर उन्हें सुनियोजित साजिश के तहत गिरफ्तार करने का आरोप लगाया था. उन्होंने याचिका में कहा था कि अब से कुछ महीनों बाद होने वाले लोकसभा चुनावों से पहले केंद्र के निर्देश पर यह कार्रवाई की गयी.

पीएमएलए कोर्ट ने हेमंत को 5 दिन के लिए ईडी की हिरासत में भेजा

रांची। झारखंड में एक विशेष पीएमएलए (धन शोधन निवारण अधिनियम) अदालत ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को शुक्रवार को पांच दिन के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेज दिया. सोरेन को भूखंड के अवैध कब्जे और भूमि माफिया के साथ कथित संबंध से जुड़े धन शोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा सात घंटे तक पूछताछ किए जाने के बाद बुधवार रात गिरफ्तार किया गया था. विशेष पीएमएलए अदालत ने झामुमो नेता को गुरुवार को एक दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था.

हेमंत सरकार की फोटो कॉपी न बने चंपई सोरेन सरकार : अमर बाउरी

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड के बदले हुए राजनीतिक हालात के बीच प्रदेश की प्रमुख विपक्षी पार्टी भाजपा ने विधायक दल की बैठक बुलाई. प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की अध्यक्षता में हुई बैठक में भाजपा विधायक दल के नेता अमर बाउरी समेत कई विधायक मौजूद थे. विधायकों ने राज्य के वर्तमान राजनीतिक हालात पर चर्चा की और चंपई सरकार को घेरने की रणनीति बनाई. बैठक के बाद अमर बाउरी ने कहा कि परिवारवाद के खिलाफ भाजपा की लड़ाई की वजह से चंपई सोरेन को आज मुख्यमंत्री बनने का मौका मिला. उन्हें इस अवसर का उपयोग राज्य की जनता की सेवा के लिए करना चाहिए, चंपई सोरेन सरकार को हेमंत सरकार की फोटो कॉपी नहीं बनना चाहिए.

पिछलग्गू न बने चंपई सरकार : बाउरी ने कहा कि मुख्यमंत्री चंपई सोरेन को अविलंब ईडी द्वारा भेजे गए भ्रष्ट अधिकारियों के

- भाजपा ने की विधायक दल की बैठक बदले सियासी हालत पर बनाई रणनीति

खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश देना चाहिए. हाल ही में रद्द की गई जेएसएससी परीक्षा की सीबीआई जांच की अनुशंसा करनी चाहिए. चंपई सरकार पिछलग्गू नहीं बने बल्कि अपनी स्वतंत्र पहचान बनाए. अमर बाउरी ने कहा कि कांग्रेस का पुराना इतिहास है कि वह सहयोगी दलों की सरकार को फंसाकर खुद को बचाना चाहती है. इसलिए चंपई सोरेन को उनसे सतर्क रहना चाहिए.

विपक्ष का विरोध हेमंत की गिरफ्तारी के खिलाफ विपक्षी दलों ने दिखाई एकजुटता

झारखंड मुद्दे पर विपक्ष मुखर, किया वॉकआउट

एजेंसी। नयी दिल्ली

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेता हेमंत सोरेन के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद राज्यपाल द्वारा झारखंड में शासन के लिए अंतरिम व्यवस्था नहीं किये जाने को लेकर कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दलों ने शुक्रवार को राज्यसभा से वॉकआउट किया. उच्च सदन में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने झारखंड के घटनाक्रम की तुलना पड़ोसी राज्य बिहार में हाल में हुए घटनाक्रम से की और कहा कि जब नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था, तब उनका इस्तीफा तुरंत स्वीकार कर लिया गया

और उन्हें नयी सरकार बनने तक पद पर बने रहने के लिए कहा गया था.

खड़गे ने कहा कि नीतीश कुमार को कुछ ही घंटे में फिर से मुख्यमंत्री के रूप में शपथ दिलाई गयी और सब कुछ 12 घंटे में संपन्न हो गया. उन्होंने कहा लेकिन झारखंड में जब सोरेन ने बुधवार को इस्तीफा दिया तो कोई अंतरिम व्यवस्था नहीं की गयी. खरगे ने कहा कि सोरेन के इस्तीफे के बाद 81 सदस्यीय विधानसभा में समर्थन देने वाले 43 विधायकों के हस्ताक्षर के साथ उनके उत्तराधिकारी का नाम भी राज्यपाल को सौंपा गया. उन्होंने कहा कि समर्थन करने चार अन्य विधायक भी थे, जो राज्य से बाहर थे और अपने हस्ताक्षर नहीं कर सके. खड़गे ने कहा कि संविधान में प्रावधान है कि मुख्यमंत्री के इस्तीफा देने की स्थिति में सरकार बनी रहेगी और राज्यपाल वैकल्पिक व्यवस्था होने तक इस्तीफा देने वाले मुख्यमंत्री या किसी अन्य व्यक्ति के पद पर बने रहने की अंतरिम व्यवस्था करते हैं.

झारखंड में बड़ा भूमि घोटाला हुआ है : पीयूष गोयल

सदन के नेता और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि झारखंड में एक बड़ा भूमि घोटाला हुआ है जिसके कारण सोरेन को इस्तीफा देना पड़ा. उन्होंने कहा, इतने बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार साबित हुआ है. कैसे मुख्यमंत्री ने जमीन घोटाला किया. इसके बावजूद कांग्रेस उस मुख्यमंत्री का बचाव कर रही है. उस मुख्यमंत्री के आचरण पर कोई स्पष्टीकरण नहीं है. वह भ्रष्टाचार के बारे में बात ही नहीं कर रही है. इससे यह बात फिर से साबित होती है कि भ्रष्टाचार कांग्रेस के डीएनए में ही है. कांग्रेस भ्रष्टाचार स्वीकार करती है.

बंगाल से होते हुए राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पाकुड़ पहुंची, जनसभा को किया संबोधित, कहा

झारखंड की जनता ने लोकतंत्र को बचा लिया

पाकुड़ के नासीपुर मोड़ मैदान में आयोजित जनसभा में राहुल गांधी के साथ सीएम चंपई सोरेन व अन्य नेतागण.

विशेष संवाददाता। रांची/पाकुड़

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुक्रवार को बंगाल से नासीपुर मोड़ से झारखंड के पाकुड़ जिला में प्रवेश किया. पाकुड़ के नासीपुर मोड़ मैदान में एक जनसभा को संबोधित किया. उन्होंने एक जनसभा को संबोधित किया. उन्होंने उपस्थित जनसमुह को संबोधित करते हुए सबसे पहले झारखंड वासियों को बधाई दी और कहा कि आपलोगों ने लोकतंत्र को बचा लिया. उन्होंने कहा कि आपने देखा कि आपने जो सरकार चुनी थी, वोट डालकर जो सरकार चुनी थी. उस सरकार को भाजपा ने चोरी करने की कोशिश की, उसे उखाड़ने की कोशिश की. मुझे इस बात की खुशी है कि उनकी जो साजिश थी, उसके खिलाफ हम सब खड़े हो गएं और आज यहां हमारे चीफ मिनस्टर साहब बनकर आए हैं. यह लड़ाई विचारधारा की है. जिसके पास धन है. सारी की सारी एजेंसीज है. जितना दबाव डालने की कोशिश करना है करें, हमे कोई फर्क नहीं पड़ता है.हम भाजपा और आरएसस से डरने वाले नहीं हैं. मैं झारखंड की जनता को बधाई देना चाहते हैं कि आप न डरे न पीछे हटें.

हम आपकी मन की बात सुनने आये हैं : राहुल गांधी ने कहा कि देश के किसानों, युवाओं, मजदूरों से, आदिवासी भाई बहनों की बात हम छह सात घंटे सुनेंगे. आज 15-20 मिनट की बात हम केवल कहेंगे. हम आपकी मन की बात सुनना चाहते हैं, हम अपनी मन की बात नहीं कहना चाहते हैं. एक साल पहले मैंने कन्याकुमारी से भारत जोड़ो यात्रा आरंभ की. इसका उद्देश्य भाजपा और आरएसएस द्वारा जो हिंसा देश में फैला चुकी है, उसके खिलाफ खड़ा होना. इसका उद्देश्य मोहब्बत और भाईचारे को वापस लाना था, जो इस देश की आत्मा रही है. यात्रा में एक लाइन में एक नारे में पूरी सोच बदल दी. जहां नफरत की बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलनी है. जहां भी यह नफरत की बाजार खोलते हैं, वहां कांग्रेस व हमारे एलायंस पार्टनर मोहब्बत की दुकान खोल देते हैं.

'सारी एजेसियां इनके पास, पर हम डरने वाले नहीं, चुनी सरकार को गिराने का प्रयास किया'

- झारखंड की जनता को बधाई, न डरे न हटे, हम किसी से डरने वाले नहीं
- नोटबंदी व जीएसटी ने छोटे-खुदरा व्यापारियों को खत्म कर दिया

देश में लोगों के साथ अन्याय हो रहा है

राहुल गांधी ने कहा कि इस यात्रा में हमने न्याय शब्द भी जोड़ा. पिछले साल बहुत सारे लोगों ने कहा कि कन्याकुमारी से कश्मीर आप चल लिए. बंगाल, मनिपुर, नगालैंड, अरुणाचल, झारखंड, छत्तीसगढ़ और उड़ीसा प्रदेशों को क्या होगा. बहुत सारे लोगों ने कहा कि आपको इन प्रदेशों में भी जाना चाहिए. बंगाल, उड़ीसा बाकी स्टेट में निकलनी चाहिए. इसलिए मैंने दूसरी यात्रा आरंभ की. जैसा कि मैंने पहले कहा इसमें हमने न्याय शब्द जोड़ दिया, क्योंकि हिंदुस्तान में करोड़ों लोगों के साथ अन्याय हो रहा है.

जीएसटी ने छोटे व्यापारियों को खत्म कर दिया है

राहुल गांधी ने कहा कि हमारे देश में हजारों युवा हैं, आप चाहो तो भी नरेंद्र मोदी के हिंदुस्तान में सबको रोजगार नहीं मिल सकता है. क्योंकि नरेंद्र मोदी नोटबंदी की. गलत जीएसटी लागू की. छोटे व्यापरियों, स्मॉल बिजनेश मैन को नोटबंदी से, जीएसटी से उनको खत्म कर दिया. हमारे रोजगार की रीढ़ की हड्डी को नरेंद्र मोदी, भाजपा ने तोड़ दिया. आज इतनी बेरोजगारी इस देश में व्याप्त हो गयी है.

दो-चार अरबपति सारा धन उठा कर ले जाएंगे

राहुल गांधी ने कहा कि नरेंद्र मोदी चाहते हैं युवाओं को रोजगार मिले और हिंदुस्तान के दो-चार अरबपति इस देश का धन उठा लेकर ले जाएं. तो हमने आर्थिक अन्याय, सामाजिक न्याय, किसानों के खिलाफ अन्याय, आदिवासियों के खिलाफ अन्याय इन चीजों के बारे में हम यात्रा आपसे बातचीत करना चाहते हैं. जो आपके दिल में दर्द है, इस यात्रा के माध्यम से हम देश के सामने इसे रखना चाहते हैं.

हेमंत सोरेन को झूठे मुकदमे फंसाया गया : चंपई

इस मौके पर मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने कहा कि भाजपा-आरएसएस ने आपके द्वारा चुने हुए हमारे लोकप्रिय नेता हेमंत सोरेन को जिस तरह से झूठे मुकदमों में फंसा कर गिरफ्तार कराया. यहां की सरकार गिराने की साजिश की थी. वह पूरी तरह से विफल हो गई. कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव जयराम रमेश, प्रदेश प्रभारी गुलाम मोहम्मद मीर, राजेश ठाकुर, आलमगीर आलम, लालजी देसाई, बी श्रीनिवास, अधीर रंजन चौधरी, प्रदीप बालमुचू, सुबोध कांत सहाय, सुखदेव भगत व अन्य मौजूद रहे.

मानगो में गैंगवार

वारदात

दिनदहाड़े गोली मार कर एक की हत्या

- प्रदीप की हत्या का बदला लेने के लिए राजा को मार डाला
- जांच के दौरान पुलिस ने मौके से दो खोखा बरामद किया

रोहित कुमार। जमशेदपुर

जमशेदपुर में एक बार फिर गैंगवार की शुरुआत हो चुकी है. गुरुवार को सीतारामडेरा थाना क्षेत्र में टकलू लोहर की हत्या के बाद शुक्रवार को मानगो के पोस्ट ऑफिस रोड में राजा सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गयी. बाइक सवार अपराधियों ने दिनदहाड़े राजा को उस वक्त गोली मारी जब वह अपने घर से मेन रोड की तरफ जा रहा था. रास्ते में बाइक सवार दो अपराधियों ने उसे रोका. अपराधियों को देख राजा अपनी जान बचाने के लिए पास ही एक गिफ्ट शॉप में घुस गया और दुकान में मौजूद एक बच्चे को ढाल बना लिया, पर अपराधियों ने उसे गोली मार दी और फरार हो गए. घटना के बाद राजा को इलाज के लिए टीएमएच ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. इधर, सूचना पाकर सिटी एसपी मुकेश कुमार लुणायत, मानगो थाना प्रभारी विनय कुमार पहुंचे और जांच शुरू की.

गणेश गिरोह के लिए काम करता था राजा और टकलू

सीतारामडेरा फायरिंग में मारे गये टकलू लोहार और राजा शहर के गणेश सिंह गिरोह से जुड़ से जुड़े थे. राजा 13 फरवरी 2023 को अमरनाथ गिरोह के प्रदीप सिंह की हत्या में शामिल बबिता सिंह का पति था. बबिता को पुलिस ने प्रदीप सिंह की हत्या में शामिल होने के आरोप में जेल भेजा था. प्रदीप हत्याकांड में गणेश सिंह का भी नाम सामने आया था. इधर, सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जिन अपराधियों ने गुरुवार को टकलू की हत्या की उन्हीं अपराधियों ने राजा को भी मौत के घाट उतार दिया. प्रदीप की हत्या का बदला लेने के लिए उसके भाई छोटू, राहुल राय, अंकित, राहुल सिंह और अर्जुन बच्चा समेत अन्य लोगों ने राजा की हत्या की. इन्ही आरोपियों ने टकलू की भी हत्या की है. एक ही गिरोह के दो सदस्यों की मौत के बाद फिर शहर में गैंगवार की शुरुआत होती नजर आ रही है.

मृतक की फाइल फोटो

साथी के साथ बाल कटवाने घर से निकला था राजा : राजा अपने साथी अमन के साथ घर से बाल कटवाने के लिए घर से निकला था. अमन ने बताया कि रास्ते में बाइक पर सवार छोटू, राहुल राय समेत अन्य ने रोका. दोनों को देख राजा जान बचाने के लिए पास ही एक दुकान में जा घुसा. इसी बीच आरोपियों ने उसके सिर पर गोली मार दी और फरार हो गए. अमन के अनुसार अपराधियों ने पांच से छह राउंड फायरिंग की.

गोंदलपुरा कोल खनन परियोजना से सरकार को हर साल मिलेगा 600 करोड़ रुपये का राजस्व

ग्रामसभा में प्रोजेक्ट को लेकर ग्रामीणों के बीच उभरे मतभेद

संवाददाता। रांची

अडाणी इंटरप्राइजेज लिमिटेड को कोयला मंत्रालय द्वारा आवंटित गोंदलपुरा कोल खनन परियोजना के लिए शुक्रवार को हजारीबाग जिला प्रशासन ने महुगाई कला पंचायत में ग्रामसभा का आयोजन किया. इस दौरान वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में सेंटर फॉर एडवांसिंग एंड लॉन्चिंग एंटरप्राइजेज (क्रेडल) के सलाहकारों ने परियोजना के भू-अर्जन के कारण होने वाले संभावित विस्थापन और परिवारों के लिए बनी पुनर्वास योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी. खान विभाग के अधिकारियों ने कहा कि अदाणी इंटरप्राइजेज के गोंदलपुरा खनन परियोजना के शुरू होने से राज्य सरकार को करीब 600 करोड़ रुपये का राजस्व हर साल मिलेगा. इसके अलावा हजारीबाग जिले में पांच से दस हजार लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर भी मिलेंगे.

यहां कोयला खनन शुरू होने से अवैध कोयले की तस्करी पर भी लगाम लगेगी. इस बातों का कुछ ग्रामीणों ने समर्थन किया तो कुछ ने इसका विरोध शुरू कर दिया. कंपनी और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे.

दी जानकारी

- परियोजना के पक्ष में बोल रहे थे अधिकतर ग्रामीण
- कोयला खनन शुरू होने से तस्करी पर लगेगी लगाम
- पांच से दस हजार लोगों को प्रत्यक्ष रूप से मिलेगा रोजगार

कुछ ने किया विरोध तो कुछ ने समर्थन : ग्राम सभा के दौरान भारी संख्या में ग्रामीण महिला-पुरुष मौजूद थे, जिनमें से ज्यादातर ग्रामीण महिला-पुरुष ने विरोध में नारेबाजी की. वहीं कुछ लोगों के द्वारा परियोजना के समर्थन में नारे भी लगाए गए. मौके पर दंडाधिकारी दीपक कुमार दुबे, अंचल अधिकारी बालेश्वर राम, सीआई अनुज कुमार, राजस्व कर्मी आशीष कुमार, जितेंद्र कुमार और थाना प्रभारी विनोद तिर्की, अभय कुमार आदि मौजूद थे. सभी ने ग्रामीणों को समझाने की कोशिश की, मगर नाराज ग्रामीण मानने को तैयार नहीं हुये.

कंपनी समर्थक और ग्रामीण उलझे

इसी बीच कुछ ग्रामीणों ने कोल खनन परियोजना गोंदलपुरा आवंटन रद्द करो और 2 फरवरी 2024 को महुगाई कला पंचायत भवन में होने वाले लोक सुनवाई रद्द करो के नारे लगाने लगे. इसी बीच कंपनी के समर्थकों और ग्रामीणों के बीच मारपीट हो गई. इसमें कंपनी के समर्थक प्रभादेवी पति अनिल महतो, कुंती देवी पति नेत्र लाल भैया, रेणु देवी पति मिथिलेश महतो और अनिल महतो पिता सुरेश महतो गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों को बड़कागांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए हजारीबाग रेफर कर दिया गया. इस संबंध में कंपनी की ओर से मामला दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है.

ब्रीफ खबरें

जस्टिस अरुण कुमार राय पांच को लेंगे शपथ

रांची। झारखंड हाईकोर्ट को अगले दो दिन में एक और जज मिल जाएंगे.

सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त रहे अरुण कुमार राय पांच फरवरी हाईकोर्ट के जज के रूप में शपथ ग्रहण करेंगे. उन्हें झारखंड हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस एस चंद्रशेखर सोमवार सुबह 10 बजे शपथ दिलाएंगे. शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन धुर्वा स्थित झारखंड हाईकोर्ट भवन के ग्राउंड फ्लोर पर होगा. राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद झारखंड के राज्यपाल के पास उनका वारंट पहुंच गया है. अरुण कुमार राय की नियुक्ति पांच मई 2021 को सीधे जिला जज के पद पर हुई थी. वे रांची के अलावा हजारीबाग के जिला एवं सत्र न्यायाधीश, झालसा के सदस्य सचिव, बोकारो के फैमिली कोर्ट जज, रांची में ही सीबीआई जज भी रह चुके हैं. पांच नवंबर 2021 को उन्हें रांची सिविल कोर्ट का प्रधान न्यायायुक्त नियुक्त किया गया था. मूल रूप से बिहार के पूर्णिया जिला के रहनेवाले राय का जन्म 26 जनवरी 1970 को हुआ था.

निलय बने भारत तिब्बत सहयोग मंच के प्रचार प्रमुख

रांची। भारत तिब्बत सहयोग मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष स्वामी दिव्यानंद

जी महाराज ने झारखंड में वरिष्ठ पत्रकार निलय सिंह को भारत तिब्बत सहयोग मंच, झारखंड प्रांत का प्रचार प्रमुख और सरदार जगदीश सिंह को सह प्रचार प्रमुख बनाया है. बता दें कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक डॉ. इंद्रेश कुमार के मार्गदर्शन और राष्ट्रीय महामंत्री पंकज गोयल के नेतृत्व में पिछले 25 वर्षों से भारत तिब्बत सहयोग मंच सफलतापूर्वक कार्य करता आ रहा है.

एचईसी : आंदोलनकारी मजदूरों ने काम पर वापसी की अपील पर उठाया सवाल

एक हजार करोड़ का कार्यादेश होने के बावजूद आज एचईसी विपन्न क्यों

संवाददाता। रांची

एचईसी बचाओ मजदूर जन संघर्ष समिति ने औद्योगिक शांति की अपील करनेवालों से सवाल किया है कि हजार करोड़ के कार्यादेश के बावजूद एचईसी विपन्न क्यों है. एचईसी प्रबंधन के नाम पर आंदोलनकारी मजदूरों से काम पर वापसी लौटने की अपील की गयी है, जो वायरल हो चुकी है. वह अपील प्रबंधन की है भी कि नहीं, इसमें संदेह है, क्योंकि वह बिना किसी लेटर हेड और मोहर तथा सिग्नेचर के जारी की गयी है. समिति ने उक्त अपील का जवाब देते हुए कहा है कि एचईसी में कार्यरत मजदूर, कर्मचारी, ऑफिसर एचईसी की परिस्थिति से भली भांति परिचित हैं, बल्कि यह कहना ज्यादा उचित होगा कि विशेष कर पिछले दस वर्षों में केंद्र सरकार और प्रबंधन की उदासीनता के धीमे जहर से देश का मातृ उद्योग एचईसी आज मरणासन्न स्थिति में है और उसके मजदूर, कर्मचारी, ऑफिसर पिछले 20 माह से वेतन न मिलने के कारण भुखमरी में जी रहे हैं. फीस न चुकाने के कारण उनके बच्चों के नाम स्कूलों से कट रहे हैं, बाजार में सन्नाटा है, क्वार्टर खंडहर में तब्दील हो रहा है.

समिति का कहना है कि 2047 तक विकसित भारत बनाने का सपना दिखाने वाली मोदी सरकार देश के औद्योगीकरण मैप पर चुप है. क्या बड़े उद्योगों के जाल के बिना भारत विकसित देश बन सकता है? क्या बड़े उद्योग के बिना एचईसी जैसे मातृ उद्योग की मदद के बन सकते हैं? कतई नहीं. अगर बने तो इससे निजी उद्योग भारी मुनाफा वसूलेंगे और विदेशी कंपनियां मालामाल होंगी. इसकी भरपाई आम जनता से करों की वसूली कर की जाएगी. पिछले पांच वर्षों से ज्यादा समय से एचईसी में स्थाई सीएमडी की नियुक्ति नहीं की गई है.

डेपुटेशन पर निदेशक हैं. प्लांट के आधुनिकीकरण पर चुप्पी है. कार्यशील पूंजी के लिए उपलब्ध बैंक गारंटी वापिस ले ली गई है. हजार करोड़ के कार्यादेश के बावजूद उत्पादन ठप्प है. कैंटीन आदि सुविधाएं बंद हैं, मजदूर चंदे से अपनी कैंटीन चला रहे हैं. केंद्र सरकार और राज्य सरकार एचईसी की जमीन पर गिद्ध नजर लगाये हुए है. केंद्र सरकार स्मार्ट सिटी और सीआरपीएफ, सीआईएसएफ आदि के नाम पर जमीन लूट रही है तो राज्य सरकार प्रोजेक्ट बिल्डिंग, विधान सभा, हाईकोर्ट, स्टेडियम आदि के नाम पर. एचईसी क्वार्टरों में दो दुनिया है.एक खंडहर में तब्दील होते क्वार्टर और दूसरा महलनुमा विधायक, सांसदों, मंत्रियों के क्वार्टर. एचईसी की जमीन पर बने बड़े निजी स्कूल ही एचईसी कर्मियों के बच्चों का नाम काट रहे हैं. ऐसे में एचईसी प्रबंधन की औद्योगिक शांति की अपील के पीछे आखिर मंशा क्या है?

राहुल गांधी की आम सभा के तैयारी को लेकर बैठक

शुक्रवार को हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियन की बैठक यूनियन परिसर में हुई, जिसमें राहुल गांधी के 5 फरवरी को शहीद मैदान में होने वाली आम सभा के बारे में विस्तार से चर्चा हुई. बैठक को संबोधित करते हुए लीलाधर सिंह ने कहा कि, इन्टक के सदस्य होने के नाते हम लोगों की जिम्मेदारी ज्यादा है. नेहरू जी ने एचईसी को बनाया था उन्हीं के प्रपौत्र राहुल गांधी बचायेंगे. अगर एचईसी को कोई बचा सकता है तो वह राहुल गांधी और कांग्रेस है. मोदी जी सार्वजनिक उपक्रम को बंद करने या बेचने वाले हैं और भाजपा सांसद, मंत्री की हिम्मत नहीं कि मोदी जी से कोई अनुरोध करें. बैठक में कर्ण सिंह राठौड़, गिरीश कुमार चौहान, भोला साव, दिलीप, सुनील मांझी, जगन्नाथ राम, मुन्तकीम अंसारी आदि मौजूद थे.

एचईसी में व्यक्ति विशेष की नहीं मानवता की लड़ाई : अविनाश सिंह

रांची। वार्ड 39 के भावी पार्षद प्रत्याशी समाजसेवी अविनाश सिंह शुक्रवार को एचईसी कर्मचारियों द्वारा जारी अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन में शामिल हुए तथा उनके साथ भोजन किया. इतना ही नहीं, उन्होंने कैंटीन में खाद्य सामग्री और आर्थिक सहयोग भी दिया. उन्होंने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि दो वर्ष से अधिक हो गये. यहां काम कर रहे लोगों को वेतन नहीं मिला. एचईसी ने संपूर्ण देश को अपनी कार्य क्षमता की बदौलत गौरवान्वित किया है. यहां के कर्मचारी, मजदूर और इंजीनियर अगर अपनी तनख़्वाह के लिए धरना दे रहे हैं तो यह शर्मनाक के साथ मानवाधिकार का हनन है और उनकी यह लड़ाई किसी व्यक्ति विशेष की नहीं संपूर्ण मानवता का है और हम सब आप सभी के साथ है.

लोकतंत्र बचाओ अभियान ने राहुल गांधी से मिलने का समय मांगा

विशेष संवाददाता। रांची

विभिन्न सामाजिक संगठनों का साझा मंच लोकतंत्र बचाओ 2024 अभियान ने राहुल गांधी को पत्र लिखा है. संगठन ने राहुल गांधी से मिलने का समय देने की मांग की है, ताकि राज्य के विभिन्न ज़मीनी मुद्दों व संघर्ष एवं 2024 चुनाव में कांग्रेस पार्टी की भूमिका पर विस्तार से चर्चा हो सके. मंच ने कहा कि अभियान ने 2 फरवरी 2024 को राहुल गांधी को पत्र लिख कर भारत जोड़ो न्याय यात्रा के झारखंड दौरे के दौरान राज्य के ज़मीनी मुद्दों व संघर्ष पर चर्चा करने के लिए समय की मांग की है. अभियान ने कहा है कि अभियान झारखंड के कई जन संगठनों व सामाजिक कार्यकर्ताओं का 2024 में लोकतंत्र व संविधान को बचाने का साझा प्रयास है.

अभियान के अंतर्गत राज्य के सभी 14 लोकसभा क्षेत्रों में जन जागरण कार्यक्रमों जैसे जन सभा, कार्यशाला, वॉलंटियर प्रशिक्षणों, यात्राओं आदि का आयोजन किया जा रहा है.

मोदी सरकार लोकतंत्र की अवधारणा को खत्म कर रही है : अभियान ने पत्र में कहा है कि भारत के संविधान के अनुसार देश आजादी, बराबरी, न्याय और बंधुत्व के मूल्यों पर आधारित विविधताओं से भरा लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष देश है. लेकिन 2014 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आई भाजपा की सरकार देश की इस अवधारणा को खत्म कर रही है. देश के लोकतांत्रिक संघीय ढ़ांचे को ख़तम करके धर्म आधारित तानाशाही स्थापित कर रही है. देश व लोकतंत्र के भविष्य के लिए 2024 का लोकसभा चुनाव अत्यंत महत्वपूर्ण है. इस दिशा में हम भारत जोड़ो न्याय यात्रा की प्रशंसा करते हैं. लोकतंत्र बचाओ 2024 अभियान से जुड़े विभिन्न संगठन झारखंड में अपने-अपने क्षेत्र में यात्रा में जुड़ेंगे.

कल्याण विभाग की संस्थाओं के व्यय पर पैनी नजर रखने का निर्देश

संवाददाता। रांची

समाज कल्याण विभाग के नेतृत्व में संचालित ओल्ड एज होम, बाल संरक्षण इकाई एवं नारी निकेतन के संचालन व्यवस्था के संबंध में समीक्षा करते हुए राजेश्वरी बी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पूर्व से चल रही योजनाओं की सतत निगरानी करते रहें. उन्होंने कहा कि कुशल वित्तीय प्रबंधन और प्रशासनिक सुधार की पहल करते हुए व्यय पर पैनी नजर रखें.

राजेश्वरी बी ने सभी संस्थानों से उनके द्वारा बच्चों के बौद्धिक विकास के संबंध में किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी ली. उन्होंने निर्देश दिया कि बाल संरक्षण इकाई के बच्चों को अन्य विद्यालय के बच्चों से मिलवाने और उनके साथ खेलने आदि की भी व्यवस्था करें.

जिन स्थानों पर बच्चों को रखा जाता है, वहां मानसिक एवं बौद्धिक क्षमता के विकास करने हेतु खेल सामग्री उपलब्ध कराने का निर्देश दिया. बैठक में उपसचिव विकास कुमार, डीसीपीओ की टीम सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे.

खास बातें

- ओल्ड एज होम, नारी निकेतन के संचालन व्यवस्था की समीक्षा
- पूर्व से चल रही योजनाओं की सतत निगरानी का निर्देश

सेवानिवृत्त सैनिक सम्मानित किए गए

संवाददाता। रांची

भारतीय सेना से सेवानिवृत्त होकर रांची लौटे आदिवासी सैनिकों को आदिवासी सेना के केंद्रीय अध्यक्ष अजय कच्छप की अगुवाई में रांची रेलवे स्टेशन में सभी लोगों को माला पहनाकर स्वागत किया गया एवं उन्हें सम्मान दिया गया.सेवानिवृत्त भारतीय सेना के जवानों ने कहा कि देश सेवा के बाद अब सामाजिक कार्य से जुड़ेंगें और ईमानदारी पूर्वक लोगों की सेवा करेंगे.

हर दुःख-तकलीफ में उनके साथ खड़ा रहेंगे. उन्होंने कहा कि देश सेवा के लिए सैनिक में ज्यादा से ज्यादा युवा जुडें. इसके लिए वे लोगों को मार्गदर्शन करते रहेंगे. इस मौके पर आदिवासी सेना के केन्द्रीय महासचिव रामा महली, केन्द्रीय संगठन सचिव राजेश लिण्डा, केन्द्रीय संगठन सचिव विश्वा तिर्की, केन्द्रीय सदस्य सत्यम कच्छप, लक्ष्मी कुमारी, जयराम तिर्की, सुख मंगल कुजुर, मिडिया प्रभारी संजय लोहरा समेत अन्य शामिल थे.

भाजपा लोकतंत्र का गला घोंट रही है : अफजल

रांची। यूनाटेड मिल्ली फोरम के जेनरल सेक्रेटरी अफजल अनीस ने कहा कि झारखंड हमेशा से 5 सी अर्थात साम्प्रदायिकता, भ्रष्टाचार, अपराधीकरण, जातिवाद,वैश्विक पूंजीवाद का विरोध करता रहा है. वहीं भाजपा शुरू से ही भारत में लोकतंत्र का गला घोंटने का काम कर रही है और चुनाव जीतने के लिए विपक्ष को परेशान करती रही है.

346 इंस्पेक्टरों का तबादला

रांची। 3 साल से एक ही जिले में पदस्थापित 346 इंस्पेक्टर स्तर के पदाधिकारियों का पुलिस मुख्यालय ने तबादला किया है. इससे संबंधित अधिसूचना शुक्रवार को जारी कर दी गई है. जारी आदेश में कहा गया है कि यह तबादला चुनाव आयोग के निर्देश पर किया गया है.

पलामू के ओरनार में सजेगा बाबा बागेश्वर का दरबार

संवाददाता। रांची

सत्य परेशान हो सकता है, पराजय नहीं. बागेश्वर धाम के महंत पंडित धीरेंद्र शास्त्री के कार्यक्रम को लेकर यह बात एक बार फिर सिद्ध हुई. लंबे इंतजार और अदालती जदो-जहद के बाद आखिरकार हाईकोर्ट के आदेश से प्रशासन को बैकफुट पर आना पड़ा. कोर्ट ने जिला प्रशासन के आदेश को अवैध माना और महंत पंडित धीरेंद्र शास्त्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को हरी झंडी दे दी. इससे पूरे क्षेत्र में तो हर्ष की लहर है ही, राज्यभर में भी बाबा के कार्यक्रम को लेकर सनातनी उत्साहित हैं. हनुमत कथा आयोजन समिति के आनंद शंकर ने बताया कि पंडित जी के कार्यक्रम में स्थानीय सहित बाहर से आये लाखों भक्तों के हिस्सा लेने का अनुमान है. इसके मद्देनजर आयोजन

समिति ने जोर-शोर से तैयारी शुरू कर दी है. पलामू के चैनपुर प्रखंड के ओरनार गांव में कई एकड़ परती जमीन पर बाबा बागेश्वर का दरबार सजेगा. उन्होंने बताया कि अदालत के आदेश को ध्यान में रख यहां श्रद्धालुओं के बैठने, एंबुलेंस, भोजन, शौचालय, फायर सेफ्टी और सीसीटीवी आदि की समुचित व्यवस्था की जा रही है. आनंद शंकर ने बताया कि इस बार पलामू और गढ़वा के बीच कार्यक्रम के लिए स्थल का चयन किया गया है, ताकि दोनों तरफ के लोग असानी से गंतव्य तक पहुंच सकें.

आनंद शंकर ने कहा- तैयारी के लिए चाहिए और समय : बागेश्वर धाम के महंत पंडित धीरेंद्र शास्त्री के कार्यक्रम को लेकर हनुमत कथा आयोजन समिति की बैठक आयोजक सह पूर्व मेयर अरुणा शंकर की अध्यक्षता में हुई. इसमें कार्यक्रम की रूपरेखा और तैयारियों को लेकर विचार-विमर्श किया गया. साथ ही आयोजन स्थल पर चल रही तैयारियों का निरीक्षण भी समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने किया. बाद में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि लाखों भक्त बाबा के दरबार में हाजिरी लगायेंगे. ऐसे में सप्ताह-दस दिन के अंदर सारी तैयारी कर लेना मुश्किल प्रतीत हो रहा है. कुछ और समय की दरकार है. सुविधानुसार बाबा से इसी माह 20 फरवरी के बाद का समय मांगा जायेगा. आनंद शंकर ने बताया कि कोर्ट से अनुमति तो मिल गयी है, लेकिन प्रशासन की ओर से अभी तक एनओसी नहीं दिया गया है. इसमें भी दो-दिन का समय लगेगा. इस स्थति में तय तिथि में कार्यक्रम आयोजित करना संभव नहीं लग रहा, इसी कारण तय तिथि को स्थगित कर सुविधानुसार बाबा के कार्यक्रम के लिए आगे की तिथि तय की जायेगी.

खास बातचीत मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के बेटे बाबूलाल सोरेन ने इस प्रकार किया इजहारे हाल

पिता के सीएम बनने की खुशी, हेमंत के जेल का जाने का गम

कौशल कुमार। रांची

राज्य के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने के बाद सीएम चंपई सोरेन के आवास पर बधाई देने के लिए लोगों का ताता लगा हुआ है. मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के पुराने आवास में उनके परिवार के सदस्यों को लोग बधाई दे रहे हैं. चंपई सोरेन के बेटे बबलू सोरेन और बाबूलाल सोरेन लोगों से मिलकर एक दूसरे के बीच खुशियां बांट रहे हैं.

राज्य के 12वें नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के बेटे बाबूलाल सोरेन से खास बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से पिता के मुख्यमंत्री बनने की खुशी है, लेकिन इसके साथ ही इस बात का गम भी है कि उनके पूर्व मुख्यमंत्री और आदिवासियों के युवा चेहरा को गलत तरीके से जेल भेज दिया गया है. मुख्यमंत्री के बेटे ने कहा कि निश्चित रूप से जनता आज खुशी मना रही है, लेकिन यदि 72 घंटे के अंदर उनके सीएम हेमंत सोरेन को नहीं छोड़ा जाता तो आने वाले समय में पूरे राज्य की जनता सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेगी. इसको लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा के सभी कार्यकर्ता योजना बनाने में जुट गए हैं.उन्होंने कहा कि जब भारतीय जनता पार्टी के तरफ से गलत आरोप लगाकर सरकार को गिराने की कोशिश की गई तो उनके इस साजिश को नाकामयाब बनाने के लिए उनके पिता को कमान संभालना पड़ा. लेकिन वह चाहेंगे कि आने वाले समय में राज्य के युवा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन फिर से राज्य का कार्यभार संभालें. वहीं मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के पदभार ग्रहण करते ही दुमका और पाकुड़ रवाना को लेकर उनके पुत्र बाबूलाल सोरेन ने कहा कि उनके पिता शुरुआत के दिनों से ही काम के प्रति गंभीर रहे हैं.

जब वे कार्यकर्ता थे तो पार्टी की तरफ से उन्हें जो भी जिम्मेदारी दी जाती थी, उसे समय पर पूरा करते थे, उसी प्रकार जब आज राज्य की जिम्मेदारी उन्हें दी गई है तो उसे समय पर पूरा करने के लिए अभी से ही सजग और गंभीर हैं.

> जनता आज खुशी मना रही है, लेकिन यदि 72 घंटे के अंदर उनके सीएम हेमंत सोरेन को नहीं छोड़ा जाता तो आने वाले समय में पूरे राज्य की जनता सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेगी. इसको लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा के सभी कार्यकर्ता योजना बनाने में जुट गए हैं.

मनरेगा की स्थिति अत्यंत दयनीय : बलराम

संवाददाता। रांची

18वें मनरेगा दिवस पर शुक्रवार को रांची के करमटोली स्थित प्रेस क्लब में झारखंड नरेगा वाच की ओर से प्रेस वार्ता की गई. बलराम ने कहा कि एक लंबे संघर्ष का दिन है. आज मनरेगा की स्थिति अत्यंत दयनीय है. मनरेगा मजदूर को खत्म करने की साजिश की जा रही है. अनस्किल्ड लेबर को उलझा दिया गया है. टेक्नोलॉजी को जो फायदा मिलता है वह सारा फायदा कॉरपोरेट को जाता है. आज जो मजदूर मजदूरी करते हैं उन्हें 300 रुपये भी मजदूरी नहीं मिलती है. पर टेक्नोलॉजी पर पूरा खर्च किया जा रहा है. झारखंड नरेगा वाच संस्था के संयोजक जेम्स ने कहा कि इस वित्तीय वर्ष में केन्द्रीय सरकार ने 2022-23 में किए गए संशोधित बजट सहित खर्च के मुकाबले 33 फीसदी की कटौती करते हुए महज 60 हजार करोड़ रुपये ही की थी. वर्तमान वित्त वर्ष में 19 दिसंबर तक 79,770 हजार करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं.

जिसमें से केंद्र सरकार ने अतिरिक्त प्रथम सप्लीमेंटरी डिमांड के जरिए 14,520 करोड़ आवंटित कर चुकी है. ऐसे में अभी वित्त वर्ष समाप्त होने को लगभग 58 दिन शेष हैं, जिसमें मनरेगा पर सरकार का वास्तविक खर्च काफी ज्यादा रह सकता है. इस प्रेस वार्ता प्रमुख रूप से सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व राज्य सलाहकार सदस्य, बलराम, नरेगा वाच की तरमणि साहू, अर्पणा बाड़ा, मनोज भूईया, शनीयरों उरांव, माहेश्वरी देवी आदि उपस्थित थे. इस कार्यक्रम में मजदूर एवं झारखंड नरेगा वाच संस्था के संयोजक जेम्स एवं उनकी पूरी टीम उपस्थित थी.

एक राज्य - एक अखबार

शुभम संदेश

www.lagatar.in ● शनिवार, 03 फरवरी 2024 ● माघ कृष्ण पक्ष 09, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~8~~ ● वर्ष : 1, अंक : 286 ● आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

अंदर शपथ ग्रहण, बाहर मना जश्न, हेमंत की गिरफ्तारी का गम भी दिखा

रांची। शुक्रवार को झारखंड को फिर से नया मुख्यमंत्री मिल गया. 12वें सीएम के रूप में चंपई सोरेन को राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने शपथ दिलायी. राजभवन में कार्यक्रम आयोजित हुआ. अंदर चंपई शपथ ले रहे थे, तो बाहर झामुमो और गठबंधन के कार्यकर्ता जश्न मना रहे थे. हालांकि उन्हें हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी का गम भी था, मगर एक दिन के सियासी सस्पेंस के खत्म होने की खुशी अधिक थी. शपथ लेने के बाद नये सीएम ने भगवान बिरसा मुंडा व वीर शहीद सिदो-कान्हो को श्रद्धांजलि दी. इसके बाद कैबिनेट की बैठक भी की. फिर अपनी सियासी रणनीति के तहत 37 विधायकों को हैदराबाद भी भेजा. सीएम के दफ्तर से एयरपोर्ट तक नये मुख्यमंत्री की सक्रियता नजर आयी. नेतागण और कार्यकर्ता भी उत्साहित दिखे. इसके बाद वे पाकुड़ भी गए और कांग्रेस की न्याय यात्रा में शामिल हुए.

-फोटो : सैयद जावेद रमीज

ब्रीफ खबरें

अंतर विवि महिला हॉकी : आरयू फाइनल में

रांची। अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय महिला हॉकी प्रतियोगिता में आरयू की टीम ने फाइनल में प्रवेश किया. आरयू के खिलाड़ियों ने शानदार खेल और तालमेल का परिचय देते हुए सेमीफाइनल में संबलपुर विविको 3-0 से पराजित किया. फाइनल में आरयू का मुकाबला शनिवार को ग्वालियर विवि से होगा. पुणे में सावित्रीबाई विवि के तत्वावधान में खेली जा रही प्रतियोगिता में रांची विवि के इस जीत में रेशमा सोरेन, सबीला तिर्की और एलीना डुंगडुंग का विशेष योगदान रहा.

पूर्व मंत्री देव कुमार धान ने किया सरेंडर

रांची। पूर्व मंत्री देवकुमार धान ने शुक्रवार को कोर्ट में सरेंडर कर दिया. सरेंडर के बाद कोर्ट ने उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया. बता दें कि उनपर रोड जाम कर सरकारी काम में बाधा पहुंचाने समेत कई कई आरोप हैं. जानकारी के अनुसार 2021 के सितंबर में चान्हो थाना क्षेत्र स्थित सिलागाई में होने वाले एकलव्य विद्यालय के निर्माण के विरोध में आंदोलन किया गया था. इस आंदोलन का नेतृत्व करने का आरोप देवकुमार धान पर है. इस दौरान बिजुपाड़ा-खलारी रोड जाम को जाम किया गया था. धान ने इसका नेतृत्व किया था.

रिम्स में इलाज के दौरान कैदी की मौत

रांची। रिम्स में इलाज के दौरान शुक्रवार को एक कैदी की मौत हो गई. मृतक कैदी का नाम रवि स्वर्णकार बताया जा रहा है. 22 दिसंबर को रवि को रिम्स में लाया गया था. मिली जानकारी के अनुसार इलाजरत रवि विचाराधीन बंदी था. जिसके पिता का नाम रति स्वर्णकार है. मृतक पर साहिबगंज के राजमहल थाने में मामला दर्ज था.

बढ़ा आक्रोश : सीजीएल रद्द होने से अभ्यर्थियों में गुस्सा

नौकरी की आस ही नहीं टूटी, डूब गए 65 करोड़

जेएससी कंबाइंड ग्रेजुएट लेवल परीक्षा (सीजीएल) रद्द कर दी गई है. अभ्यर्थी गुस्से में हैं. सरकार और जेएससी अध्यक्ष नीरज सिन्हा निशाने पर हैं. विपक्ष हमलावर है. जांच की मांग हो रही है. इन सबके बीच दो अहम सवाल गायब हो गए हैं. पहली यह कि छात्रों के साथ धोखे के लिए आखिर जिम्मेदार कौन है? दूसरी यह कि परीक्षा रद्द होने से छात्रों जो करोड़ों रुपये डूब गये हैं, आखिर उसे कौन लौटाएगा ...

स्वेता/रजनीश । रांची

सीजीएल के लिए दो तारीखों की घोषणा हुई थी. पहली परीक्षा 28 जनवरी को हुई. इसमें करीब 3 लाख से ज्यादा अभ्यर्थी शामिल हुए. दूसरे चरण की परीक्षा की तारीख 4 फरवरी तय थी. अब दूसरे चरण की परीक्षा भी रद्द कर दी गयी है. 28 जनवरी को हुई परीक्षा का पेपर लीक हो गया. परीक्षा तीन पालियों में हुई थी. हर पाली की परीक्षा 2 घंटे की थी. पहली और दूसरी पाली की परीक्षा के बाद एक-एक घंटे का ब्रेक दिया गया था. दूसरी पाली के बाद अभ्यर्थियों को केंद्र से बाहर निकलने की अनुमति दी गयी थी. पहली पाली की परीक्षा सुबह 8.30 बजे से ही शुरू हो गयी थी. इसके लिए परीक्षा केंद्र पर 7 बजे ही रिपोर्टिंग का समय रखा गया था. सवाल यह उठ रहा है कि अभ्यर्थियों का जो समय बर्बाद हुआ, उनके पैसों का जो नुकसान हुआ, उसे कौन लौटाएगा. परीक्षा में शामिल छात्रों की संख्या अधिक होने की वजह से शहर के अलावा दूर-दराज के इलाकों में भी सेंटर बनाए गए थे. छात्रों को 100-200 किमी दूर जाकर परीक्षा देनी पड़ी. छात्र बस, ट्रेन, ऑटो, कार रिजर्व कर जैसे-तैसे सेंटर तक पहुंचे. स्टेशन पर या सड़क के किनारे ठंड में रात बितायी. इन सब में प्रति अभ्यर्थी कम से कम 2000 रुपये खर्च हुए. आंकड़े के मुताबिक, करीब तीन लाख अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए. इस तरह आने-जाने, खाने व ठहरने में अभ्यर्थियों के करीब 65 करोड़ रुपये पानी में चले गये. जिन अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, उनमें अधिकांश गरीब परिवार से आते हैं. बहुत से छात्रों के अभिभावकों ने कर्ज लेकर परीक्षा में शामिल होने के लिए भेजा था.

क्या कहते हैं अभ्यर्थी

भागलपुर निवासी अभ्यर्थी नीलिमा का सेंटर धनबाद में पड़ा था. उसके माता-पिता नहीं हैं. उसके मुताबिक वह पड़ोसी से कर्ज लेकर इस परीक्षा में शामिल हुई थी. ऊपर से स्टेशन पर रात गुजारने का कष्ट अलग से हुआ. क्योंकि होटल के लिए पैसे नहीं थे. नीलिमा ने बताया कि परीक्षा बढ़िया गया, पर परिणाम तो जीरो ही हुआ. अब चिंता इस बात की है कि पड़ोसी के पैसे तुरंत कैसे लौटा पाएगी.

पाकुड़ के अभ्यर्थी सूरज ने बताया कि एक तो सीजीएल कई सालों के बाद आयोजित हुई. फिर परीक्षा होकर रद्द कर दी गयी. सूरज ने बताया कि परीक्षा के दिन सुबह से शाम तक भूखा रहा. सेंटर भी इतने इंटीरियर इलाके में दे दिया गया था कि आने-जाने में ही सारे करम हो गये. आने-जाने में उनके काफी रुपये खर्च हो गए.

कोडरमा के एक अभ्यर्थी ने बताया कि उसने बड़ी उम्मीद से परीक्षा दी थी. ठंड में रातभर स्टेशन पर रहा. उसे बुखार हो गया था. फिर भी सुबह 5 बजते ही वह परीक्षा केंद्र पर पहुंचा, क्योंकि सेंटर काफी इंटीरियर में था. उसने बताया कि उसकी स्थिति ऐसी हो गयी थी कि घर लौटने के लिए उसके पास सिर्फ 100 रुपये ही बचे थे. इससे वह या तो खाना खा सकता था या किराया दे सकता था. इसलिए भूख से बिलबिलाते हुए ही वह धनबाद से कोडरमा पहुंचा.

कब क्या हुआ

- 2015 में आवेदन लिया.
- 21.08.2016 में परीक्षा होनी थी, नहीं हुई.
- 2017 में फिर निकला विज्ञापन.
- मार्च 2017 में परीक्षा होनी थी, नहीं हुई.
- 2019 में नवंबर-दिसंबर में यह परीक्षा लेनी थी, लेकिन नहीं ली जा सकी.
- 2021 में उिप से आवेदन लिया गया.
- 2021 में परीक्षा नहीं हुई
- 21.08.2022 को होने वाली परीक्षा भी स्थगित कर दिया गया.
- 2023 में आवेदन ली गई
- अगस्त 2023 में परीक्षा तिथि की घोषणा की गयी, लेकिन परीक्षा नहीं हुई.
- 16-17 दिसंबर 2023 को भी परीक्षा तिथि तय की गयी थी, लेकिन स्थगित कर दी गयी.
- छात्रों के विरोध को देखते हुए आयोग ने 21 व 28 जनवरी 2024 को परीक्षा की नयी तिथि की घोषणा की.
- 28 और 4 को परीक्षा की तिथि की घोषणा हुई.

28
जनवरी को परीक्षा हुई और अब रद्द हो गई

सीएम चंपई कल धनबाद में रहेंगे, होगी आम सभा

संवाददाता। रांची

झारखंड मुक्ति मोर्चा के 52वें स्थापना दिवस पर 4 फरवरी को धनबाद के रणधीर वर्मा स्टेडियम (गोल्फ ग्राउंड) में आयोजित होने वाली आम सभा में मुख्यमंत्री चंपई सोरेन शामिल होंगे. आम सभा को लेकर झामुमो धनबाद जिला समिति द्वारा जिला कार्यालय कुर्मीडीह में प्रेसवार्ता हुई. इसमें केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य अमितेश सहाय ने कहा कि झामुमो का 52वां स्थापना दिवस हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हम सभी कार्यकर्ता पूरे जोश के साथ मनाएंगे. हम सभी को इस बात मलाल रहेगा कि उक्त कार्यक्रम में संगठन के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शामिल नहीं हो पाएंगे. राज्य के साथ देश ने देखा कि किस तरह केंद्र सरकार केंद्रीय एजेंसियों का दुरूपयोग कर रही हैं. राज्य और देश की सजग जनता के विरोध के आगे राजभवन को भी झुकना पड़ा.

कार्यक्रम में 50 हजार से अधिक कार्यकर्ता व आम लोगों कार्यक्रम में भाग लेंगे. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय अध्यक्ष सह राज्य सभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन, मुख्यमंत्री चंपई सोरेन, राज्य सभा सांसद महुआ माझी, राजमहल सांसद विजय हांसदा, विधायक बसंत सोरेन, पूर्व मंत्री बेबी देवी, गिरिडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू व अन्य शामिल होंगे.

खास बात

- झामुमो के 52वें स्थापना दिवस पर होगा कार्यक्रम

संताल में कोई नेता योग्य नहीं था क्या : लोबिन हेंब्रम

संवाददाता। रांची/गोड्डा

संताल परगना में सीएम बनने की योग्यता रखने वाला कोई आदिवासी नेता नहीं था क्या, जो कोल्हान क्षेत्र से लाकर थोप दिया गया. जबकि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का संथाल परगना ही कार्यक्षेत्र रहा है. संताल परगना से ही उनकी पहचान बनी है और संथाल क्षेत्र से ही वह चुन कर एमपी-एमएलए बने हैं. चाहे वह शिबू सोरेन हो या उनके पुत्र निवर्तमान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, संताल परगना के आदिवासी भाई-बहनों ने ही इस सोरेन परिवार को आगे बढ़ाया है, लेकिन जब भी कुछ देने की बात आती है तो यह सोरेन परिवार संथाल परगना की उपेक्षा कर देता है. उक्त बातें झारखंड मुक्ति मोर्चा के बोरिया विधायक लोबिन हेम्ब्रम शुक्रवार को अपने विधानसभा क्षेत्र में मीडिया से बात करते हुए कही. उन्होंने कहा कि मैंने कई बार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलकर कहा था कि इन बाहरी लोगों के चक्कर में नहीं फंसो, मगर उल्टे हम ही को कहते हैं आप उल्टा पुल्टा बयान देकर सरकार की छवि खराब करते हैं.

लोबिन ने सरकार को घेरा कहा- संताल की उपेक्षा हुई

- बाहरी नेता झामुमो में सर्वेसर्वा बने हुए हैं
- बिहार के लोग यहां बन रहे मंत्री, नहीं कर रहे विकास

चंपई सोरेन को झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन का हनुमान भी कहा जाता है

झारखंड आंदोलन से उभरे टाइगर तीन बार रहे सूबे के मंत्री और अब बने मुख्यमंत्री

शुभम संदेश टीम। रांची

झारखंड के 12 वें मुख्यमंत्री चंपई सोरेन झारखंड आंदोलन से उभरकर निकले नेता हैं. टाइगर नाम से मशहूर चंपई सोरेन साधारण आदिवासी परिवार से आते हैं. उनके पिता सिमल सोरेन खेती बाड़ी करते थे. चंपई की कम उम्र में शादी हो गई, लेकिन राजनीति में आये और फिर उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा. चंपई को झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन का हनुमान भी कहा जाता है. ये शिबू सोरेन परिवार के काफी करीबी रहे हैं. चंपई सोरेन ने पहली बार 1991 में सरायकेला सीट पर हुए उपचुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में जीत दर्ज की थी. फिर झामुमो में शामिल हो गये. 1991 से 2019 के बीच हुए विधानसभा चुनाव में अबतक उन्होंने 6 बार जीत दर्ज की है. सिर्फ एक बार 2000 में चुनाव हारे थे. चंपई 2005 से 2019 तक लगातार सरायकेला विधानसभा सीट से चुनाव जीतते रहे. चंपई पहली बार भाजपा और झामुमो की संयुक्त सरकार में 11 सितंबर 2010 के मंत्री बने थे. 18 जनवरी 2013 तक वे मंत्री पद पर रहे थे. इसके बाद दोबारा 13 जुलाई 2013 को वो फिर से कैबिनेट मंत्री बने. उन्हें हेमंत कैबिनेट में खाद्य आपूर्ति और परिवहन मंत्रालय मिला. 28 दिसंबर 2014 तक वे मंत्री पद पर रहे. 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद फिर से हेमंत सरकार बनी और उन्हें परिवहन और अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग का मंत्रालय मिला.

आलमगीर आलम दूसरी बार बने मंत्री

आलमगीर आलम दूसरी बार मंत्री पद की शपथ ली. मंत्री आलमगीर ने 1974 में भागलपुर विश्वविद्यालय के साहिबगंज कॉलेज से बीएससी की है. पाकुड़ विधानसभा से कांग्रेस के चार बार विधायक रहे. कांग्रेस विधायक दल के नेता इससे पहले 20 अक्टूबर 2006 से 12 दिसंबर 2009 तक झारखंड विधानसभा अध्यक्ष पद पर आसीन थे. आलमगीर आलम झारखंड में पहली बार 29 दिसंबर 2019 को हेमंत सोरेन की सरकार में मंत्री पद की शपथ ली थी. मंत्री आलमगीर आलम पाकुड़ विधानसभा से वर्ष 2000, 2005, 2014 व 2019 चार बार कांग्रेस से विधायक चुने गये. वहीं, वर्ष 1995 व 2009 के विधानसभा चुनाव में हार का भी सामना करना पड़ा.

राजनीतिक परिवार से ताल्लुक रहा

आलमगीर आलम के चाचा हाजी एनुल हक कांग्रेस से विधायक रहे थे. राजनीति में बढ़ती सक्रियता के कारण उनके चाचा हाजी एनुल हक ने पाकुड़ विधानसभा का उत्तराधिकारी सौंपते हुए 1995 में आलमगीर आलम को कांग्रेस का प्रत्याशी बनाया. लेकिन चुनाव हार गए. हारने के बाद भी आलमगीर आलम क्षेत्र में लगातार सक्रिय रहे और 2000 में पाकुड़ विस से बेनी गुप्ता को हरा कर पहली बार विधायक बने. इनका जन्म 1954 में हुआ था.

चौथी बार मंत्री बने हैं सत्यानंद भोक्ता

चंपई सरकार में मंत्री पद की शपथ लेने वाले सत्यानंद भोक्ता चौथी बार राज्य सरकार में मंत्री बने हैं. चतरा विस सीट से चुनाव जीतने वाले सत्यानंद भोक्ता इससे पहले दो बार अर्जुन मुंडा सरकार में मंत्री रहे हैं. फिर हेमंत सरकार में मंत्री बने. अब चंपई सरकार में मंत्री बने हैं. भोक्ता ने राजनीतिक सफर भाजपा से शुरू किया था. 2000 और 2004 के विधानसभा चुनाव में वे भाजपा की टिकट पर चुनाव जीतकर विधायक बने थे. 2009 के भोक्ता सिमरिया सीट से चुनाव हार गये थे. 2014 में भाजपा ने चतरा से उनका टिकट काट दिया, जिसके बाद झाविमो का दामन थाम लिया, पर चुनाव हार गये. 2019 के चुनाव से पहले उन्होंने झाविमो छोड़ राजद का दामन थाम लिया और राजद से चुनाव जीते.

पहले भी तीन बार मंत्री रह चुके हैं

सत्यानंद भोक्ता पहली बार 2004 में मंत्री बने थे. तात्कालीन अर्जुन मुंडा सरकार में भोक्ता को पेयजल एवं स्वच्छता विभाग का मंत्री बनाया गया था. करीब 4 महीने तक वे मंत्री पद पर रहे. इसी बीच विधानसभा चुनाव की घोषणा हो गई। 2004 में फिर से वे चुनाव जीते. दूसरी बार भी अर्जुन मुंडा की सरकार बनी और सत्यानंद भोक्ता को फिर से मुंडा कैबिनेट में जगह मिली. इस बार उन्हें कृषि मंत्री बनाया गया था. 2019 में वे हेमंत कैबिनेट में शामिल हुए और उन्हें श्रम मंत्रालय का जिम्मा दिया गया.

ब्रीफ खबरें

21 एकड़ में लगी पोस्ते की फसल को किया नष्ट

तमाड़। सशस्त्र सीमा बल 26 वी वाहनी जी कंपनी तमाड़ और थाना पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर करीब 21 एकड़ में लगे अफीम की फसल को नष्ट कर दिया . इस अभियान में एस एस बी के सहायक कमांडेंट अजीत कुमार उपाध्याय,सहायक उप निरीक्षक वांगरोई वांगनो पूजन खवास मुख्य आरक्षी राजू कुमार रवानी थाना के सहायक उपनिरीक्षक परमेश्वर शर्मा अजय प्रताप सहित अन्य जवान शामिल थे .

प्रदीप वर्मा फाउंडेशन ने कंबल का वितरण किया

खलारी। बीजेपी झारखंड प्रदेश महामंत्री प्रदीप वर्मा फाउंडेशन के तत्वावधान में खलारी प्रखण्ड अन्तर्गत लपरा पंचायत के चट्टी नदी के लरबेधवा,मल्हार टोली और हेसालोंग में गरीब और जरूरत लोगों के बीच कंबल वितरित किया गया . इस कार्य को सफल बनाने में जिला महामंत्री प्रीतम साहू ,मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र शर्मा,विधायक प्रतिनिधि श्याम सुंदर सिंह, वरिष्ठ नेता अरविंद सिंह,शशि प्रसाद साहू ,एसटी मोर्चा अध्यक्ष रवींद्र मुंडा, रामधारी गंझु , सुबोध रजक, जितेंद्र भारतीय, कुलदीप साहू, पवन साहू,तथा अन्य लोग उपस्थित रहे.

आदिवासी महासम्मेलन के आयोजन को ले बैठक

इटकी। शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी के अनुसूचित जनजाति मोर्चा का आगामी 11 फरवरी को होने वाले आदिवासी महासम्मेलन का सफल आयोजन को लेकर एक बैठक अनुसूचित जनजाति मोर्चा के मंडल अध्यक्ष अनिल लकड़ा के अध्यक्षता इटकी मोड़ में किया गया. बैठक में निर्णय लिया गया की सभी मंडल के अधिकारी अपने क्षेत्र से अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम में ले जाए. मौके पर संगठन प्रभारी बैजनाथ मुंडा, मंडल अध्यक्ष राजकुमार तिर्की, गंगाराम महली, बिमल केरकेट्टा, और मंडल अध्यक्ष व अनुसूचित जनजाति मोर्चा के अध्यक्ष व पदाधिकारी सहित कार्यकर्ता शामिल थे.

शिविर में 95 महिलाओं का हुआ बंध्याकरण

सिल्ली/मुरी। सिल्ली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शुक्रवार को शिविर का आयोजन कर प्रखंड के विभिन्न गांव से पहुंची 95 महिलाओं का बंध्याकरण किया गया. प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ मुकेश कुमार ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि ऑपरेशन के पूर्व महिलाओं के विभिन्न तरह के जांच कराया गया. जांच में सही पाई गई महिलाओं का ही ऑपरेशन किया गया. ऑपरेशन डॉ मुकेश कुमार, डॉ बंदिता , डॉ शिल्पा, डॉ बैजनाथ,अस्पताल के एएनएम एवं चिकित्सा कर्मी शामिल थे.

आरवीएम के केन्द्रीय उपाध्यक्ष को मातृशोक

पिपरवार। रैयत विस्थापित मोर्चा के केन्द्रीय उपाध्यक्ष इकबाल हुसैन की मां आशिया खातून का शुक्रवार की सुबह निधन हो गया. वें पिछले कई दिनों से बीमार थी और रांची के सैम्फोर्ड अस्पताल मे इलाज चल रहा था,जहां शुक्रवार सुबह 4 बजे उनका निधन हो गया. शुक्रवार को जुम्मे की नमाज के बाद पिपरवार के बहेरा कब्रिस्तान में उन्हें सुपूर्द ऐ खाक किया गया. उनके निधन पर दुःख प्रकट करने वालो में इस्लाम अंसारी, अब्दुल कूदूस,मो ताज, मो असलम, कासिम ,सलीम जावेद, अब्दुल अंसारी सहित कई लोग शामिल है .

सेवानिवृत्त कामगार को विदाई दी गई

डकरा। क्षेत्रीय कर्मशाला डकरा से सेवानिवृत्त हुए जगदीश चौहान को सहकर्मियों ने शुक्रवार को कर्मशाला में सम्मान समारोह आयोजित कर विदाई दी. इस दौरान परियोजना पदाधिकारी अजीत कुमार सिंह, अधिकारी, कर्मचारियों ने चौहान को पुष्पगुच्छ और साल ओढाकर सम्मानित किया. मौके पर वक्ताओं ने कहा कि जगदीश चौहान एक अनुभव कामगार व लगनशील के साथ कंपनी को लंबी सेवा दी. इस मौके पर प्रत्युष प्रताप, बाबू लाल गंझू, एरिया के सिस्टा अध्यक्ष देवपाल मुंडा,कन्हाई पासी,विनोद महतो,जगदीश सतनामी, मुनेश्ववर मुंडा, जीतवाहन गंझू, रामदेव मांझी,जगलाल मांझी, लक्ष्मण पासी,आजाद लोहरा, संतोष विश्वकर्मा, रीना देवी, सुनिता देवी,रूखमणी बाई साव,लक्ष्मी देवी आदि शामिल थे.

हाथी से परेशान ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन, सड़क जाम की

संवाददाता। सोनाहातू

तमाड़ वन क्षेत्र अंतर्गत सोनाहातू प्रखंड के पूर्वी क्षेत्र में पिछले कई दिनों से लगातार जंगली हाथियों ने तांडव मचाया हुआ है, जिससे ग्रामीण काफी परेशान हो गए हैं. इस आक्रोश में तिलाईपिड़ी के ग्रामीणों ने सुबह 8 बजे से लेकर 2 बजे तक सिल्ली-टाटा मुख्य मार्ग को तिलाईपिड़ी मोड़ के समीप जाम कर दिया है. काफी संख्या में महिलाएं एवं पुरुष वहीं धरने पर बैठ गए.

ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग की लापरवाही के कारण ऐसा हो रहा है. लगातार हाथियों के झुंड ने फसलों को नष्ट कर रहे हैं, वन विभाग की ओर से कोई ठोस कदम नहीं जा रहा है. इससे किसान वर्ग के लोग हाथियों के झुंड से परेशान हैं.

खेतों में लगे हुए फसल को नष्ट करने से आए दिन नुकसान का सामना करना पड़ रहा है, जिसका ना तो सही मुआवजा वन विभाग से दिया जा रहा है और ना कोई सुधि लेने वाला है. थक हार कर सुबह 8 बजे से 2 बजे तक सभी ग्रामीणों ने सड़क जाम रखा.

खास बातें

- 6 घंटे ग्रामीणों ने की सड़क जाम, 5 किमी लंबा लगा जाम
- सीओ और थाना प्रभारी ने हटवाया सड़क जाम

वाहनों की लगी लंबी कतार : ग्रामीणों का कहना है कि जब तक वन विभाग के वरीय पदाधिकारी मामले की संज्ञाम नहीं लेते हैं तब तक नहीं हटेंगे. हालांकि रोड के दोनों छोर पर 5 किलोमीटर वाहनों की लंबी कतार लग गई है. आवाजाही करने वाले यात्री काफी परेशान हो रहे हैं. सड़क जाम की सूचना मिलते ही प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी खगेश कुमार, थाना प्रभारी सतीश वर्णवाल, एसआई दलगोबिंद महतो, अभिमन्यु कुमार पूरी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को काफी मशक्कत के बाद समझा बुझाकर सड़क जाम को हटवाया. समाचार लिखे जाने तक वनविभाग के कोई भी पदाधिकारी ग्रामीणों के बीच नहीं पहुंचे.

हाथियों का झुंड गांव पहुंचा, ग्रामीण दहशत में

सिल्ली/मुरी। प्रखंड के गेड़बीर आसपास के क्षेत्रों में बिते रात हांथियों के क्षुंड पहुंचने से ग्रामीण दहशत में हैं. जानकारी के मुताबिक भांजियों ने गेड़ेबीर निवासी फणिभूषण करमाली, भद्रु करमाली, भूषण करमाली, विक्रम बेदिया के पक्का मकान को क्षतिग्रस्त कर दिया. हाथी करीब 18 की संख्या में हैं. छह बच्चे भी हैं. बीते रात करीब 9 बजे हाथियों का झुंड सरग डीह प्रर्वांदु पहाड़ के जंगल से स्वर्णरेखा नदी पार करके गांव प्रवेश कर गए. लोग सोने ही जा रहें थे इतने में हाथियों का बच्चा फनी भूषण के घर में घुस के घर में ही बैठ गया. तब घर वाले निकालने लगे नहीं निकल रहा था .

रेल पटरी पार करने पर एक हजार जुर्माना, पर ठेकेदार-कर्मियों को छूट

रेलवे के नियम को ठेंगा दिखा रहे ठेकेदार-कर्मी

संवाददाता। धनबाद

भारतीय रेलवे में धनबाद हो या फिर देश का कोई भी अन्य स्टेशन, वहां एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म पर जाने को लेकर नियम बने हैं. कोई रेलवे ट्रैक पार कर करता है या फिर घर जाने के लिए रेलवे पटरी को क्रॉस कर शॉर्टकट रास्ता अपनाता है तो उनसे टीटीई और आरपीएफ के पदाधिकारी व जवान पकड़ कर एक हजार जुर्माना वसूलते हैं. जुर्माना नहीं भरने पर रेलवे एक्ट के तहत धारा 147 में मामला दर्ज कर आरोपी को जेल भेजा जाता है. इसमें 6 महीने की सजा का भी प्रावधान है. रेलवे का नियम व कानून सिर्फ आम यात्रियों पर ही लागू होता है, ठेकेदारों व खास लोगों पर इसका कोई फर्क नहीं पड़ता है. रेलनीर के ठेकेदार अपने कर्मियों से रोजाना आठ नंबर प्लेटफॉर्म से रेलवे ट्रैक के माध्यम से सात, छह-पांच-चार-तीन-दो व एक नंबर प्लेटफॉर्म पर सैकड़ों पेटियां सुबह से शाम तक विभिन्न दुकानों तक पहुंचाते हैं. प्लेटफॉर्म पर भी जहां-तहां स्टॉक कर रखता है.

दुकानों और ट्रेनों में करते हैं रेलनीर की सप्लाई

- रोजाना रेलनीर की सैकड़ों पेटियां लेकर रेलवे ट्रैक से करते हैं आर-पार
- आरपीएफ-टीटीई बेटिकट व ट्रैक पार करने वालों को पकड़ वसूलते हैं जुर्माना

सूत्रों के अनुसार ठेकेदार प्लेटफॉर्म की दुकानों के साथ-साथ राजधानी, शताब्दी, दुरंतो, पूर्वा आदि कई ट्रेनों की पेंट्री कार में भी रेलनीर की सप्लाई करता है. ठेकेदार की सेटिंग आरपीएफ-टीटीई से लेकर रेलवे के कई कतिपय अधिकारियों से है, जिसे मोटी रकम देकर अपना कारोबार बेखौफ सालोंभर करता है. ऐसा नहीं है कि टीटीई या आरपीएफ के पदाधिकारी की नजर ठेकेदार की करतूत पर नहीं है, लेकिन वे लोग देखकर भी अनदेखी कर लेते हैं.

ट्रक से रोज आती हैं पेटियां, 8 नंबर प्लेटफॉर्म को बना दिया है गोदाम

सूत्रों के अनुसार रेलनीर की सैकड़ों पेटियां रोजाना ट्रक से धनबाद स्टेशन के साउथ साइड भवन के सामने आती हैं और वहां से मजदूर उतार कर आठ नंबर प्लेटफॉर्म पर लाकर रखते हैं. ठेकेदार की दो दुकानें हैं, जिनमें रेलनीर की पेटियां रखी जाती हैं. बाकी पेटियों को प्लेटफॉर्म पर ही रखते हैं. इससे यात्रियों को दिक्कत होती है. यही वजह है कि ठेकेदार व उनके कर्मियों का मनोबल दिनोंदिन बढ़ता ही जा रहा है.

क्षेत्रीय प्रतिभा दर्शन महोत्सव का हुआ रंगारंग समापन

सोनाहातू। प्रखंड क्षेत्र के लांदुपडीह स्कूल मैदान में दो दिवसीय क्षेत्रीय प्रतिभा दर्शन महोत्सव का समापन शुक्रवार देर शाम को हो गया है. समापन के अवसर पर विधायक सुदेश महतो उपस्थित होकर सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया. पंचायत की टीम को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया. उन्होंने कहा कि प्रतिभाओं को उचित प्रशिक्षण और मंच देने की उद्देश्य को लेकर गांव स्तर में प्रतिभा दर्शन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है. जिसमें गांव के खिलाड़ी अपनी रुचि के अनुसार खेल हिस्सा लिया.

रैयत विस्थापित ग्रामीण का कल पिपरवार बंद

पिपरवार । सीसीएल पिपरवार द्वारा भूस्वामियों की अधिग्रहित किए जाने वाले जमीन के बदले नौकरी मुआवजा देने में सीसीएल प्रबंधन के द्वारा विलंब किए जाने से आक्रोशित क्षेत्र के ग्रामीणों विस्थापितों ने पिपरवार कोयला परियोजना व अशोका परियोजना में कोयला उत्पादन उत्खनन , संप्रेषण और ट्रांसपोर्टिंग के कार्य को चार फरवरी से बंदी की घोषणा की हैं. बेंती, मंगरदाहा, सिदालु राजधर, किचटो गांव के विस्थापित रैयतों ग्रामीणों ने बेमियादी बंद करने की घोषणा की हैं. विगत कई वर्षों से जमीन के बदले नौकरी को लेकर सीसीएल के कार्यालय का चक्कर काटते थक चुके रैयतों ने यह निर्णय लिया हैं.

ओरमांझी में नवचंडी महायज्ञ के चौथे दिन

माता सीता का हरण का मंचन देख भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

संवाददाता। ओरमांझी

यज्ञ समिति ओरमांझी द्वारा आयोजित नवचंडी महायज्ञ के चौथे दिन दुर्गा महादेव मंदिर स्थल पर श्री राम कथा में कथा वाचिका देवी रौशनी शास्त्री ने भगवान श्री राम की कथा कहते हुए लक्ष्मण द्वारा सूर्पनखा का नाक काटने से लेकर रावण द्वारा माता सीता का हरण का सुंदर वर्णन किया. वही वृंदावन से आए कलाकारों द्वारा माता सीता का हरण का आकर्षक झांकी प्रस्तुत की गई. सीता हरण का दृश्य देखकर श्रद्धालु भाव - विभोर हो गए. झांकी देख रहे महिलाओं का आंसू आ गया. इस अवसर पर यज्ञ समिति ओरमांझी के अध्यक्ष राज गौरव तिवारी, युवा दस्तक के अध्यक्ष सह सचिव आशीष कुमार साहू, कोषाध्यक्ष किशोर महतो, सांसद प्रतिनिधि राजेश गुप्ता मुखिया दीपक बड़ाईक, पंचायत समिति सदस्या ललित मेहता, उपमुखिया संतोष गुप्ता, समाजसेवी सतीश बड़ाईक, रामकुमार महतो, संतोष कुशवाहा,नीरज नायक, अमर साहू गुड्डू, सिद्धार्थ कुमार साहू, अनूप कुमार महतो बिट्टू साहू, शुभम साहू, कैलाश साहू, आनंद महतो, शशि मेहता, दीपा चौरसिया, बसंती देवी ,उषा देवी, अनीता देवी, अंजू देवी, छाया देवी, राधिका देवी सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे.

खास बातें

- श्री राम कथा सुनने के लिए उमड़ रही ग्रामीणों की भीड़
- महायज्ञ स्थल पर मेले जैसा नजारा, भक्तिमय माहौल

वार्ता के बाद हड़ताल हुई स्थगित

चापापुर कोलियरी में आज के बंद को लेकर बीसीकेयू ने की सभा

- क्षेत्रीय श्रमायुक्त धनबाद द्वारा हस्तक्षेप करते हुए एक फरवरी को त्रिपक्षीय बैठक बुलाई गई थी

संवाददाता। निरसा

बीसीकेयू द्वारा इसीएल मुगमा क्षेत्र के चापापुर कोलियरी में 3 फरवरी को आहुत बंदी को 4 मार्च तक स्थगित कर दिया गया है. इस निमित शुक्रवार को चापापुर कोलियरी कार्यालय के समक्ष यूनियन द्वारा एक सभा की गई. सभा के दौरान आगे की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया. बैठक के दौरान यूनियन के केंद्रीय सचिव सह क्षेत्रीय अध्यक्ष आगम राम ने बंदी ओर प्रकाश डालते हुए बताया कि हड़ताल की पुरजोर तैयारी की गई थी. एक फरवरी को धनबाद क्षेत्रीय श्रमायुक्त के समक्ष त्रिपक्षीय वार्ता के बाद हड़ताल 4 मार्च तक स्थगित कर दी गई.

चापापुर कोलियरी की कालीमाटी खदान को बंद करने तथा अभियंता कार्यालय और धौड़ा हटाने के प्रबंधन के निर्णय के विरोध में बिहार कोलियरी कामगार यूनियन द्वारा चापापुर कोलियरी और दोनों आउटसोर्सिंग कंपनी में 2 और 3 फरवरी को हड़ताल की सूचना 15 दिन पूर्व में दी गई थी. क्षेत्रीय श्रमायुक्त धनबाद द्वारा हस्तक्षेप करते हुए 1 फरवरी को त्रिपक्षीय बैठक बुलाई गई थी.

कोलियरी प्रबंधन ने सहमति जतायी

बैठक में यूनियन द्वारा खदान बंदी के साथ-साथ कार्यालय और धौड़ा हटाने का विरोध किया गया. प्रबंधन द्वारा बताया गया कि काली माटी खदान को बंद कर मजदूरों को हरिया जाम 27 नंबर ट्रांसफर करने की योजना है. जिस पर यूनियन सहमत नहीं हुआ तथा कोलियरी को चालू रखते हुए चापापुर में ही भूगर्भ खदान खोलने की संभावना तलाशने का आग्रह किया गया. 22 सूत्री मांग पत्र में बाकी मांगों पर प्रबंधन द्वारा सहमति जतायी गयी. जिसमें मजदूरों का नियमितीकरण, पदोन्नति, शुद्ध पेयजल की व्यवस्था के लिए आरओ प्लांट लगाने आदि मांगें शामिल हैं.

4 मार्च को होगी पुनः वार्ता, होगा मंथन

समझौता नहीं होने की स्थिति में केंद्रीय श्रमायुक्त द्वारा 4 मार्च को पुनः वार्ता की तिथि निर्धारित की गई है. इस बीच प्रबंधन द्वारा न तो खदान बंद की जाएगी न ही किसी मजदूर को ट्रांसफर किया जाएगा व कार्यालय भी यथावत चालू रहेगा. उक्त तिथि यदि समझौता नहीं होता है तो 5 और 6 मार्च को चापापुर चपापुर में दो दिनों की हड़ताल होगी. त्रिपक्षीय वार्ता में प्रबंधन की ओर से इसीएल मुख्यालय के प्रतिनिधि के रूप में क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक रति मोहन शर्मा तथा चापापुर कोलियरी के उपकार्मिक प्रबंधक सतीश सिंह, सचिव सह क्षेत्रीय अध्यक्ष आगम राम आदि उपस्थित थे.

आदित्यपुर के ऑटो क्लस्टर परिसर में तीन दिनों तक चलेगा एक्सपो, उपकरणों की बुकिंग पर डिस्काउंट

इंडोमैक-2024 का रंगारंग आगाज, देशभर से आएंगे प्रतिनिधि

संजीव मेहता। आदित्यपुर

आदित्यपुर स्थित ऑटो क्लस्टर परिसर में इंडोमैक बिजनेस सॉल्युशन्स द्वारा ऑटो क्लस्टर एवं एसिया के सहयोग से तीन दिवसीय (2 से 4 फरवरी) बी 2 बी इंडस्ट्रियल मशीनरी एंड इंजीनियरींग एक्सपो (इंडोमैक जमशेदपुर) का शुभारंभ हुआ. इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि जिले के डीसी रवि शंकर शुक्ला, आईएएस व विशिष्ट अतिथि के रूप में जियाडा आदित्यपुर के रिजनल डायरेक्टर प्रेम रंजन, आदित्यपुर ऑटो क्लस्टर के प्रबंध निदेशक एस एन ठाकुर, एसिया के अध्यक्ष इंदर अग्रवाल द्वारा संयुक्त रूप से हुआ. अतिथियों के अलावा एशिया के अन्य मेंबरों एवं जाने-माने उद्यमियों की उपस्थिति में एक्सपो के बारे में

डीसी रवि शंकर शुक्ला ने कहा कि चूंकि आदित्यपुर इंडस्ट्रियल एरिया देश का एक महत्त्वपूर्ण एवं एशिया का सबसे बड़ा लघु उद्योग है. जहां बड़ी संख्या में छोटे, मझौले एवं बड़े उद्योग स्थापित हैं. इस तरह के इंडस्ट्रियल एक्सपो के आयोजन से देश-विदेश में इंडस्ट्री के क्षेत्र में नवीनतम बदलाव एवं नये-नये तकनीक से यहां के उद्योगपति रूबरू होंगे व टेक्निकल जानकारी से एक दूसरे से अवगत होंगे. साथ ही जियाडा आदित्यपुर के रिजनल डायरेक्टर प्रेम रंजन, एसएन. ठाकुर एवं इंदर अग्रवाल ने संयुक्त रूप से कहा कि इंडोमैक एक्सपो का आयोजन पिछले कई वर्षों से हम सभी के सहयोग से होता आ रहा है और इस तरह के आयोजन की समय-समय पर और अधिक आयोजन की आवश्यकता है.

हम यथासंभव इस तरह के आयोजनकर्ताओं को हर संभव मदद करेंगे ताकि यहां के उद्योगों का और अधिक विकास हो सके एवं तकनीकी रूप से न केवल जमशेदपुर बल्कि झारखंड के सभी उद्योगपति इसका लाभ उठा सकें.

एक्सपो सभी लघु एवं मध्यम उद्योगों को अवसर प्रदान करेगा : उद्घाटन के अवसर पर इंडएक्सपो के निदेशकों ने कहा कि इस एक्सपो में देशभर से करीब 20000 विजिटर्स आने की संभावना है. करीब 600 करोड़ से भी अधिक के व्यवसाय की आशा है. यह एक्सपो शहर के सभी लघु व मध्यम उद्योगों के लिए अनेक अवसर प्रदान करेगा.

सभी विजिटर्स के लिए प्रवेश निःशुल्क है

इंडस्ट्रियल व इंजीनियरिंग एक्सपो में देश विदेश की 150 से भी अधिक नामी कंपनियां अपने प्रोडक्टस एवं सर्विसेस का प्रदर्शन कर रही है. इस एक्सपो के आयोजन से जमशेदपुर शहर में एक जगह ही उद्योगों की आवश्यकता के लिए अनेक मशीनें व टेक्नोलॉजी मिल सकेगी. सभी विजिटर्स के लिये प्रवेश निःशुल्क रखी गयी है. विजिट करने का समय 11 बजे से शाम 7 बजे तक का समय रखा गया है. इंडोमैक बिजनेस सोल्यूशन्स द्वारा भारत के अन्य शहरों नागपुर, हैदराबाद एवं चेन्नई में भी इंडोमैक इंडस्ट्रियल एक्सपो का आयोजन किया जाने वाला है.

न्यूज अपडेट

छापर बालू घाट से अवैध बालू की तस्करी जारी

बुढ़मू। अवैध बालू की तस्करी जारी है,छापर व चूरूगड्डा बालू घाट से सैकड़ों ट्रैक्टरों से बालू ढोया जा रहा है , शाम 5 बजे से लेकर सुबह 6 बजे तक सैकड़ो ट्रैक्टरों से बालू ढोने का नजारा सहज ही देखने को मिल जायेगा.बालू की तस्करी को लेकर थोड़ी बहुत कार्रवाई कर खाना पूर्ति भले ही कर दी जाती रही है, परन्तु कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है. बुढ़मू के निवर्तमान थाना प्रभारी का तबादला हो चुका है,अब नए थाना प्रभारी रामजी कुमार ने गुरुवार शाम में चार्ज ले चुके है,अब देखना है कि इस तस्करी पर किस प्रकार से विराम लगाते है. यहीं नहीं छापर व चूरूगड्डा से ट्रबो, ट्रैक्टरों, दुपहिया वाहनों मे भर भर कर कोयले की भी तस्करी की जा रही है. तस्करी को लेकर रात भर रेकी भी करते है. जिससे वह पुलिस की पकड़ में आने से बच सके.मामला बालू व कोयले तक यहां सिमित नहीं है .

आजसू प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

बुण्डु। अनुमंडल पदाधिकारी बुंडू एवं टोल प्लाजा प्रबंधक को अलग अलग आजसू पार्टी के रांची जिला समिति के वरीय उपाध्यक्ष राजकिशोर कुशवाहा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त रांची के नाम एक ज्ञापन सौपा.जिसमें कहा है कि कांची पुल को एक तरफ बंद करने के कारण आए दिनों हो रहे दुर्घटना पर अभिलंब संज्ञान ले और 15दिनों के अंदर दूसरे तरफ के पुल को खोले. साथ ही चेतावनी दिया है कि 15 दिनों के बाद उक्त पुल के डायवर्सन को ग्रामीणों के सहयोग से आजसू पार्टी द्वारा हटाकर बंद पुल को चालू कर दिया जाएगा. इस बीच अगर पुल पर कोई दुर्घटना होती है तो उसकी संवैधानिक जिम्मेदारी सरकार की होगी.

भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर कांग्रेस की बैठक संपन्न

ओरमांझी। भारत जोड़ो न्याय यात्रा कार्यक्रम में शामिल होने को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एक बैठक बूटी मोड़ स्थित आर्शीवाद बैंक्विट हाल में प्रदेश प्रवक्ता डॉक्टर बिरसा उरांव के अध्यक्षता में किया गया. मौके पर मुख्य रूप से झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सुरेश कुमार बैठा उपस्थित थे. जिसमे डॉ बिरसा उरांव ने कहा कि राहुल गांधी झारखंड की पवित्र भूमि पर पांच फरवरी को ओरमांझी के चुट्टूपालू स्थित शहीद स्थल से नेवेरी चौक पर आ रहे हैं. उनका स्वागत झारखंडी सांस्कृतिक परंपरा के अनुसार ढोल नगाड़े के साथ जोरदार ढंग से स्वागत करेंगे. धुर्वा के शहीद मैदान में राहुल गांधी की सभा में अधिक से अधिक लोगों को शामिल होने एवं उनके विचारों को सुनने के लिए शामिल होना चाहिए. मौके पर मुख्य रूप से अनिल लिंडा, मनोज महतो, हेमंत ओहदार, नकुल गोप, नसीम अंसारी, शाबान हुसैन, बसंती कुजूर, जेना कच्छप, ललित उरांव, जितेंद्र तिर्की, शंभूनाथ प्रसाद, राजू राम, जाकिर अंसारी, विनय कुमार, विजय कुमार महली आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे.

विद्यार्थियों का दल शैक्षणिक भ्रमण के लिए हुआ रवाना

पिपरवार। पिपरवार महाविद्यालय कारो से छात्र-छात्राओं का एक दल शुक्रवार को शैक्षणिक भ्रमण के लिए रवाना हुआ.कॉलेज के सभी छात्र-छात्राए,शिक्षक और महाविद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य बस में सवार होकर एक साथ शैक्षणिक भ्रमण के लिए रवाना हुए.इस संबंध में कॉलेज के सचिव बसंत नारायण महतो ने बताया कि छात्र-छात्राओं का यह शैक्षणिक दल हजारीबाग जिला के बड़कागांव स्थित बुढ़वा महादेव पहुंचा,जहां प्राचीन कलाकृति एवं अगल-बगल के पहाड़ियों के ऐतिहासिक धरोहरों का भ्रमण किया गया. इस मौके पर सचिव बसंत नारायण महतो, रामचंद्र उरांव, टिकेश्वर महतो, प्रीतम महतो, रमेश मुंडा, मुखिया रेखा देवी, विजयलक्ष्मी देवी, रीता कुमारी, दिलीप महतो, चेतलाल महतो, रतन महतो सहित कॉलेज के सभी छात्र, अभिभावक,शिक्षक और प्रबंध समिति के लोग शामिल थे.

महिला वुशू खिलाड़ियों को डकरा में स्वागत किया गया

डकरा। केन्द्रीय विद्यालय डकरा के खेल मैदान में गोवा राज्य में अयोजित पश्चिमी जोन महिला वुशू प्रतियोगिता से पदक जीत कर लौटे खिलाड़ियों को बेंती पंचायत के मुखिया सरिता देवी के अगुवाई में जोरदार स्वागत किया गया. इस दौरान सभी विजेता खिलाड़ियों को पुष्प गुच्छ एवं माला पहनाकर सम्मानित किया गया. स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ी में रौशनी कुमारी, शितल कुमारी, प्राची कुमारी, व रजत पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ी हैं वाणी कुमारी, अनिशा कुमारी, सुमो कुमारी, और कास्य पदक प्राप्त करने वालो मे हैं कशिश राज, श्रुती कुमारी का नाम शामिल है. इस मौके पर पूर्व वुशु खिलाड़ी गणेश भुईंया,और पूर्व के कराटे मे ब्लैक बेल्ट खिलाड़ी जगदीश गंझु चतरा जिला वुशू संघ के सचिव और कोच रजी अहमद के अलावे खिलाड़ियों के अभिभावक मौजूद थे.

हितजारा में एफसी हजारीबाग बना लखटकिया चैंपियंस

राहे। हितजारा गांव में आयोजित 53 वां मिलन महोत्सव फुटबॉल टूर्नामेंट में एफसी हजारीबाग की टीम ने 1 लाख 21हजार की राशि जीत कर चैंपियंस बना. फाइनल मुकाबले में मास्टर इलेवन जयपुर की टीम को ट्राब्रेकर से हरा कर 1 लाख 21 हजार की राशि पर कब्जा किया. विधायक सुदेश महतो, क्षेत्र मोहन महतो ,जगत महतो और गदाधर महतो ने संयुक्त रूप में विजेता टीम को पुरस्कार की राशि दिये. उप विजेता टीम को 81हजार दिया गया.तीसरे और चौथे स्थान के टीम को 25-25 हजार रुपये दिये गये. मौके पर अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी दिनेश महतो, संजय महतो, क्षेत्र मोहन महतो,लोवाहातु मुखिया रम्भवती देवी सोनाहातू मुखिया विकास सिंह मुंडा, दिनेश कुमार महतो, मनोरंजन महतो, उमेश महतो,उपानन्द यादव,हरेन्द्र महतो, करननाथ, कृष्णा महतो ,जगदीश महतो, केदारनाथ महतो,धीरज यादव, महेंद्र महतो,मुकुन्द अहीर,कमिटि के सभी सदस्य उपस्थित थे. संचालन धनु नाग के द्वारा किया गया. इस अवसर में चौड़ल प्रदर्शनी में फुलवार की टीम प्रथम स्थान में रहा.

मजदूरों ने बचरा साइडिंग बंद करने को लेकर की गेट मीटिंग

पिपरवार। कोयलांचल क्षेत्र स्थित बचरा साइडिंग में असंगठित मजदूरों का बचरा साइडिंग बंदी किए जाने को लेकर यूनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन के नेतृत्व में असंगठित मजदूरों ने गेट मीटिंग का आयोजन किया. इस गेट मीटिंग में असंगठित मजदूरों की विभिन्न मांगों को लेकर आगामी 16 फरवरी से बचरा साईडिंग में होने वाले हड़ताल को सफल बनाने को लेकर विचार विमर्श किया गया.बैठक के दौरान सभी असंगठित मजदूरों ने एक स्वर में इस हड़ताल को सफल बनाने का आह्वान किया.बैठक मे हड़ताल को सफल बनाने को लेकर मजदूरों ने आगे की रणनीति बनायी.इस बैठक में मुख्य रूप से मुंशी महतो, भोला महतो,टीकू कुमार, विशेश्वर गंझु,मनकु महतो, कोलेश्वर ठाकुर, जयशंकर चौधरी,चमन महतो,जितेंद्र महतो,कमला महतो,बुटन महतो सहित काफी संख्या में असंगठित मजदूर उपस्थित थे.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष समय सामान्य है. किये गए कार्य का लाभ होगा. जीवनसाथी से विवाद हो सकता है. पर पारिवारिक मेलजोल के लिए अच्छा दिन है. कार्यक्षेत्र में व्यर्थ की चिंताएं न करें. काम अपनी गति से चल रहा है और समय से समाप्त हो जाएगा.

वृषभ ऋण लेने से बचें. आमदनी बढ़ेगी और आर्थिक लाभ प्राप्त करने के नए रास्ते भी मिलेंगे. भाई-बहनों और बड़ों के साथ संबंध प्रेमपूर्ण रहेंगे. कुछ सरकारी कार्य अटक सकते हैं. कुछ लोग आपका विरोध कर सकते हैं.

मिथुन करियर लाइन बदलने के लिए उचित समय है. किसी नए रिश्ते की शुरुआत हो सकती है. यदि नया व्यापार आरम्भ करने का सोच रहे हैं तो लाभ होगा. दांपत्य जीवन में कुछ खुशी के पल आएंगे. शारीरिक परेशानी घेर सकती हैं. आलस त्यागे.

कर्क रिश्तों से संबंधित कोई परेशानी होगी. काम में पूरा फोकस बनाए रखें. व्यवसाय के लिए दिन बहुत लाभकारी रहेगा. इसका पूरा फायदा उठाएं. खर्चों में बढ़ोतरी होने से आर्थिक स्थिति थोड़ी कमजोर रहेगी. प्रियजनों के साथ संयम भरा व्यवहार रखें.

सिंह आपके जीवन में नई ऊर्जा का संचार होगा. नए बिजनेस की शुरुआत करने के लिए आज का दिन शुभ है. किसी पुराने दोस्त से मुलाकात भी हो सकती है. प् किसी बात पर झगड़ा हो सकता है. फिजूल के खर्च को कम करने का प्रयास करेंगे.

कन्या समय बहुत ही शुभ है. अचानक धन-प्राप्ति हो सकती है. कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति बेहतर रहेगी. सहकर्मियों का सहयोग प्राप्त होगा. समय पर चीजों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करना होगा. जल्दबाजी में निर्णय न लें.

तुला सेहत से जुड़ी परेशानियां दूर होंगी. पुराने रुके हुए काम बनेंगे. सरकारी नौकरी से जुड़े लोगों की पदोन्नति हो सकती है. परिवार में अच्छा माहौल रहेगा. प्रियजनों के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा. कोई भी निर्णय किसी बड़े की सलाह से लें.

वृश्चिक कार्यक्षेत्र में पदोन्नति मिलने के आसार हैं. अपने वेतन और अपनी प्रतिष्ठा को लेकर कोई समझौता न करें. नौकरी में तरक्की के योग हैं. अविवाहितों के लिए दिन अच्छा है. स्वास्थ्य सामान्य रहेगा. पेट से संबंधित कुछ कठिनाई हो सकती है.

धनु किसी दूर के रिश्तेदार से मुलाकात हो सकती है.इंजीनियर्स के लिए दिन फायदेमंद रहेगा. दिन स्टूडेंट्स के लिए अच्छा रहेगा. आपके आर्थिक पक्ष में स्थिरता रहेगी. यदि करियर लाइन बदलना चाहते हैं तो यह उचित समय है.

मकर पिता के नक्शे कदम पर चलें. नए और बड़े निवेश से बचें. वैवाहिक जीवन में कुछ परेशानियां उत्पन्न हो सकती है. प्रेम संबंधों के लिए यह समय उपयुक्त नहीं है. स्वविवेक से काम लें और क्रोध में आकर संबंधों को खराब ना करें.

कुंभ भाग्य का साथ अच्छा मिलेगा. लवमेट के लिए दिन अच्छा रहेगा. अविवाहितों को आज विवाह के प्रस्ताव आ सकते हैं. अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल होंगे. कारोबार में आकर्षक डील मिल सकती है. सूर्य को अर्घ दें.

मीन सामाजिक मेलजोल में दिन बीतेगा. व्यवसाय में नए अवसर मिलेंगे. उन्नति और तरक्की के योग हैं. धन लाभ के अवसर मिलेंगे. कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिलेंगे. जल्दबाजी में कोई कार्य न करें. बेरोजगार लोगों को अच्छी जॉब मिल सकती है.

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में कार्यशाला का आयोजन

सोशल साइंस में शोध पर अब मिलेंगे 3 लाख रुपये : गरिमा

शिक्षा व उद्योग जगत के बीच संबंध विकसित हो

संवाददाता। रांची

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (एसपीयू) में झारखंड के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के ओर से आयोजित कार्यशाला के दूसरे दिन समापन में निदेशक गरिमा सिंह ने कहा कि झारखंड काउंसिल ऑन साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन (जेसीएसटीआई) को विभिन्न गतिविधियों पर परामर्श देने के लिए राज्य विज्ञान सलाहकार बोर्ड (एसएसएबी) का गठन किया गया है. राज्य में विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने, राज्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी नीति तैयार करने और राज्य की विज्ञान और प्रौद्योगिकी आवश्यकताओं की पहचान करने के लिए यह बोर्ड कार्य करेगा. उच्च और तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव इस बोर्ड के अध्यक्ष होंगे.

गरिमा सिंह डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में उच्च और तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा झारखंड के उच्च और तकनीकी शिक्षा संस्थानों के बीच विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए आयोजित राज्य स्तरीय संवादात्मक कार्यशाला के समापन दिवस के प्रारम्भिक सत्र को सम्बोधित कर रही थीं. उन्होंने कहा कि अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची में सेंट्रल इंस्ट्रुमेंटेशन सुविधा केन्द्र स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है. यह केंद्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान कार्य को बढ़ावा देगा. उन्होंने कहा कि उच्च और तकनीकी शिक्षा विभाग विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शिक्षकों को शोधकार्य के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है. विज्ञान में अनुसंधान सहायता की राशि अधिकतम पांच लाख रु. तक हो सकती है. इसी प्रकार मानविकी, सामाजिक विज्ञान, भाषा, साहित्य, कला, कानून और संबद्ध विषयों में अनुसंधान परियोजना के लिए वित्तीय सहायता की अधिकतम राशि तीन लाख तक हो सकती है.

झारखंड तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो दिनेश कुमार सिंह ने कहा कि आज के समय में शिक्षा जगत और उद्योग जगत के बीच मजबूत संबंध विकसित करने की बहुत जरूरत है. उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम तैयार करते समय वर्तमान जरूरतों पर ध्यान दिया जाना चाहिए. उन्होंने आगे कहा कि इंटर्नशिप को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए.

आईपीआर रचनात्मकता की रक्षा करते हैं

सीएसआईआर-टीकेडीएल के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि आईपीआर किसी की रचनात्मकता और आविष्कारों की रक्षा करते हैं. भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के बारे में बात करते हुए उन्होंने पारंपरिक ज्ञान डिजिटल लाइब्रेरी (टीकेडीएल) के बारे में जानकारी दी, जो वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) और आयुष मंत्रालय के संयुक्त सहयोग के तहत एक अग्रणी पहल है. इसका उद्देश्य शोषण को रोकना और दुनिया भर के पेटेंट कार्यालयों में भारतीय पारंपरिक ज्ञान की रक्षा करना है.

आपदा प्रबंधन पर भी हुई बात

टेक्समिन के सीईओ सूरज प्रकाश ने कहा कि आईआईटी-आईएसएम धनबाद ने 'तकनीकी शिक्षा संस्थानों में अत्याधुनिक उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के तरीके' विषय पर एक सत्र लिया. उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) द्वारा आपदा प्रबंधन के बारे में भी बात की. कार्यक्रम में डीएसपीएमयू के कुलपति प्रो. तपन कुमार शांडिल्या, उमेश कुमार शर्मा,डॉ. प्रवाकर मोहंती, डॉ. प्रियांक कुमार,डॉ. अंजना देवा,राजेंद्र मूथा,सैय्यद रियाज़ अहमद समेत अन्य वैज्ञानिक, शोधकर्ता व अन्य शिक्षाविद शामिल थे.

अनुसंधान पार्क पर बात

आईआईटी मद्रास के मुख्य परिचालन अधिकारी, राजेंद्र मूथा ने कहा कि उद्योगों के सहयोग से अंतःविषय सहयोग को सुविधाजनक बनाने और वास्तविक दुनिया की चुनौतियों पर केंद्रित अनुसंधान केंद्र स्थापित करने पर ध्यान दिया जाना चाहिए. उन्होंने छात्रों को उद्यमिता और स्टार्टअप के लिए प्रेरित करने वाले अनुसंधान पार्कों के बारे में भी बात की. इसे परिचालन अधिकारी ने जरुरी बताया.

प्रदेश मोमिन कॉन्फ्रेंस के जिला अध्यक्षों के नामों की हुई घोषणा

शमीम अख्तर आज़ाद बने रांची जिला अध्यक्ष

संवाददाता। रांची

झारखंड प्रदेश मोमिन कॉन्फ्रेंस के प्रदेश अध्यक्ष आबिद अली अंसारी ने शुक्रवार को राज्य के सभी 24 जिलों में मोमिन कॉन्फ्रेंस के जिला अध्यक्षों के नाम की घोषणा कर दी गई है और शमीम अख्तर आजाद को दुबारा रांची जिला का मोमिन कॉन्फ्रेंस का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया है.

मौके पर हाजी मंजूर अहमद अंसारी, अनवार अहमद अंसारी, सगीर अंसारी, इदरीस अंसारी, शहादत हुसैन, अनवर हुसैन, मंजूर अंसारी, कासिम अंसारी, अब्दुल करीम अंसारी मौजूद थे.

इन्हें जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया

- हाजी सिकंदर अंसारी, लोहरदगा
- शाहजहां अंसारी, गुमला
- मकसूद अंसारी , सिमडेगा
- सयूम अंसारी , खूंटी
- नसीम अंसारी, पूर्वी सिंहभूम
- मुअज्जम बिहारी, पश्चिमी सिंहभूम
- शाकिर अंसारी, सरायकेला खरसावां
- मोहम्मद काजिम अंसारी, हजारीबाग
- नुरुल्लाह अंसारी, रामगढ़
- शम्स तबरेज अंसारी, बोकारो
- हसनैन अंसारी, धनबाद
- मुफ्ती सईद आलम, गिरिडीह
- अबू फैयाज कैसर , कोडरमा
- हाजी जैनुल आबेदीन, चतरा
- इसराफिल अंसारी, लातेहार
- सिराजुद्दीन अंसारी, पलामू
- मोइन अली, गढ़वा
- शाहिद अंसारी, दुमका
- आजाद अंसारी, गोड्डा
- मोहम्मद अजहरुद्दीन, जामताड़ा
- सलीम बेचन, साहिबगंज
- मोहम्मद कलीम अंसारी, पाकुड़
- मो परवेज अंसारी को देवघर जिला अध्यक्ष बनाया गया है.

3 मार्च को होगा श्रीमहावीर मंडल का चुनाव

रांची । श्रीमहावीर मंडल रांची का चुनाव तीन मार्च को कराया जा सकता है. चुनाव को लेकर मंडल के सदस्यों और राम भक्तों ने सरगर्मी तेज कर दी है. शुक्रवार को शाम चार बजे इसको लेकर कैलाश यादव की अध्यक्षता में बैठक हुई. इसमें इस बार के पदाधिकारियों और सदस्यों के चुनाव को लेकर विचार-विमर्श किया गया. साथ ही जल्द ही इसे मूर्त रूप देने पर आम सहमति बनी. राजकुमार गुप्ता, प्रमोद श्रीवास्तव, विंदुल वर्मा, शंकर प्रसाद, शंकर साहू, राजू यादव, जगदीश साव, रोशन अग्रवाल आदि बैठक में मुख्य रूप से शामिल थे.

बीआईटी के पूर्व खेल निदेशक का निधन

रांची। बीआईटी के पूर्व खेल निदेशक आरएस यादव का 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया. शुक्रवार को उन्होंने अंतिम सांस ली. उनके बड़े बेटे बीआईटी के ही खेल इंचार्ज महेंद्र कुमार ने मुखाग्नि दी. 87 वर्षीय यादव ने बनारस के बीएचयू से साइकोलॉजी में डिग्री हासिल की र . उसके बाद रामपुर यूपी से बीपीएड की डिग्री ली. उन्होंने 1963 में पटियाला से एनएसएनआईएस से एथलेटिक्स में डिप्लोमा ली. 1964 में बीआईटी में योगदान दिया. उन्होंने खेल डिपार्टमेंट में शारीरिक शिक्षा विभाग में योगदान दिया. वे अखिल भारतीय इंडियन यूनिवर्सिटी में तीन बार सदस्य रहे थे.

रांची महिला कॉलेज में शिविर का आयोजन

रांची। रांची महिला कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने विशेष शिविर का आयोजन किया. यह आयोजन रांची की नगरा टोली बस्ती में किया गया. यह शिविर सात दिवसीय है. इसका नेतृत्व प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. कुमारी उर्वशी ने की. इस शिविर में स्थानीय समुदाय की भागीदारी के साथ गांवों या शहरी झुग्गियों में 7 दिन का शिविर आयोजित है. उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के तौर पर वार्ड पार्षद रोशनी खलखो उपस्थिति रहीं. रोशनी खलखो ने कहा कि युवाओं के लिए विशेष अपील है क्योंकि यह छात्रों को समूह में रहने, सामूहिक अनुभव साझा करने और समुदाय के साथ निरंतर बातचीत के लिए अद्वितीय अवसर मिला है इसका समुचित उपयोग आप लोग करें.

झॉलीवुड के एक्टर बंटी सिंह को श्रद्धांजलि

रांची। झॉलीवुड के एक्टर स्व बंटी सिंह को झारखंड के कलाकार, गायक व लेखक समेत सैकड़ों लोगों ने उनके फोटो पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. साथ ही दो मिनट का मौन धारण कर उन्हें याद किया. लोगों ने उनके गाये हुए गानों को याद कर गुनगुनाया. मौके पर फिल्म इंडस्ट्री के अध्यक्ष बीटु जी, मोनु राज, पवन राय, राज मौर्या, सुरज मुंडा, सनि सिंह, वर्षा ऋतु, चांदनी बड़ाईक, रंजु मिंज, विजत प्रभाकर, राजु तिर्की, रवि लोहरा, किरण बड़ाईक, अंकिता भेंगरा, मनिता राज, रमण गुप्ता, पवन डीजे, मनिष तिर्की, प्रकाश, कैलाश जैक्सन, सबलु मुंडा मौजूद थे.

सिस्टर जोनिता बनी सीसीबीआई के कमीशन इकोलॉजी की सचिव

संवाददाता। रांची

सिस्टर जोनिता डुंगडुंग को सीसीबीआई के कमीशन फॉर इकोलॉजी के सचिव के रूप में बंगलुरु फ़रवरी 02, 2024 (सीसीबीआई) सीसीबीआई के कमीशन फॉर इकोलॉजी, जिसके अध्यक्ष डाल्टनगंज के बिशप थेयोदोर मस्कारेन्हास नियुक्त हैं, उसी कमीशन में उरुसुलाइन धर्मसमाज, रांची प्रोविंस की सिस्टर जोनिता डुंगडुंग (38) को सचिव के रूप में नियुक्त किया गया. यह नियुक्ति बंगलुरु में 30 जनवरी 2024 को सीसीबीआई के एक्सीक्यूटिव मीटिंग के दौरान की गयी. सिस्टर जोनिता डुंगडुंग का जन्म 19 अगस्त 1986 को जैडेगा नवाटोली, ओडिशा में हुआ था. उन्होंने अपनी प्राथमिक शिक्षा की शुरुआत झुन्मुर उच्च विद्यालय, ओडिशा से करने के पश्चात 8 दिसम्बर 2007 को पहला मन्नत के साथ अपना सम्पूर्ण जीवन उरुसुलाइन धर्मसमाज, रांची प्रोविंस को समर्पित किया. सितम्बर 09, 2015 को अंतिम मन्नत पूरी कर अपने इस बुलाहट जीवन को मजबूती दी. नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ सोशल वर्क एंड सोशल साइंस से सामाजिक कार्य में मास्टर्स की डिग्री प्राप्त कर अपने ज्ञान और कार्यानुभव द्वारा समाज में बदलाव लेन में प्रयासरत हैं. पूर्णिया, बिहार में 2013-2016 तक विकलांग बच्चों के बीच सफलतापूर्वक कार्य, 2016-2018 तक घरेलु कार्यकर्ताओं के प्रभारी की जिम्मेदारी उनके कार्य की यात्रा में शामिल है. जोनिता 2018 से आशा किरण शेल्टर होम, खूंटी के निर्देशक के रूप में सामाजिक कार्य, असहाय लोगों की भलाई और कल्याणकारी कार्यों में अपनी उच्च क्षमता का प्रदर्शन भलीभांति करती रही हैं.

हेसल गांव का जदुरा जतरा महोत्सव आज

रांची। हेसल गांव का जदुरा जतरा शनिवार को परंपरागत तरीके से हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा. इसकी सारी तैयारी पूरी कर ली गयी है. जतरा स्थल सज-धज कर तैयार है. चार स्वागत द्वार के साथ पूरे इलाके में छोटा-बड़ा पताका लहरा रहा है. रंग-बिरंगी विद्युत सज्जा मन मोह रही है. अध्यक्ष जीतू तिर्की ने बताया कि सुबह से देर रात तक छोटानागपुरी संस्कृति की सतरंगी छटा छायी रहेगी. पूजा-अर्चना, शोभायात्रा सहित गीत-संगीत के विविध कार्यक्रम होंगे. शुरुआत सुबह आठ बजे पहान सोहराई मुंडा, सोमरा, भूनु, जोगेंद्र पहान द्वारा पूजा-अर्चना से होगी. पहानों की टोली नेम-निष्ठ से परंपरागत रूप से पूजन-अनुष्ठान संपन्न करायेंगे. गांव देवता को मनाने के लिए जतरा मैदान, सतयारी शिव मंदिर और अखरा में मूर्गी बलि पूजा की जायेगी.

मोरहाबादी मैदान में हुई भेलवाफाड़ी पूजा

विशेष संवाददाता । रांची

झारखंड जनाधिकार मंच द्वारा 4 फरवरी को रांची के मोरहाबादी मैदान में आदिवासी एकता महारैली का आयोजन किया गया है. इस रैली की तैयारी जोरों पर है. आदिवासी एकता महारैली की सफलता और शुभकामनाओं को लेकर आदिवासी समुदाय की परंपरागत पूजा पद्धति भेलवाफाड़ी पाहन बहादुर मुंडा के द्वारा मोरहाबादी मैदान स्थल में किया गया. इस अवसर पर पाहन बहादुर मुंडा ने कहा कि आदिवासी परंपरा में यह अनुष्ठान सिर्फ आदिवासी समुदाय के लिए अपितु संपूर्ण मानवजाति और प्रकृति की सकुशलता की कामना के लिए होता है. महारैली आयोजन समिति के संयोजक लक्ष्मी नारायण मुंडा ने कहा कि यह रैली भाजपा-आरएसएस की आदिवासी विरोधी नीतियां आदिवासी समुदाय को आपस में लड़ाने और आदिवासियों के संवैधानिक हक-अधिकारों को हाशिए में ले जाने का षडयंत्र के खिलाफ आयोजित है. इस महारैली में आदिवासी समुदाय के सभी जाति, धर्मों, सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक कार्यकर्ताओं को आमंत्रित किया गया है, जो भाजपा-आरएसएस की ब्राह्मणवादी, सामंती, मनुवादी विचारधारा के खिलाफ है. जो भाजपा आरएसएस की आदिवासी विरोधी नीतियां और आदिवासियों को आपस में लड़ाने के खिलाफ है. केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की ने कहा कि रैली ऐतिहासिक होगी और आदिवासी मुद्दों को जोर-शोर उठाया जाएगा. आदिवासी जन परिषद के अध्यक्ष प्रेमशाही मुंडा ने कहा कि यह रैली आदिवासियों की दशा और दिशा तय करेगी. केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के अध्यक्ष शिवा कच्छप ने कहा कि राज्य भर के आदिवासी इस महारैली में शामिल होंगे. इस मौके पर पाहन बहादुर मुंडा, शिवरतन मुंडा, सुनील होरो, संजय मुंडा आदि लोग मौजूद थे.

छात्र नहीं भर पा रहे हैं स्कॉलरशिप फॉर्म, धर्म के कॉलम में कन्फ्यूजन

जयंती कच्छप । रांची

झारखंड प्रदेश में कुल 32 जनजातियां निवास करती हैं. जिनमें मुंडा, उरांव, संथाली एवं हो सहित अन्य हैं. प्रदेश में आदिवासी समुदाय के ज्यादतर बच्चे स्कॉलरशिप से मिलने वाले पैसों से ही अपनी पढाई पूरी करते हैं. मगर वर्तमान में लाखों आदिवासी छात्र स्कॉलरशिप फार्म नहीं भर पा रहे हैं. छात्रों को फार्म में धर्म के कॉलम को लेकर कन्फ्यूजन उत्पन्न हो गया है.

ऐसे में छात्रों का कहना है कि ई- कल्याण (स्कॉलरशिप) के सत्र 2024-2025 के फार्म में रिलिजन (धर्म) वाले कॉलम ने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है. छात्रों का पता ही नही चल रहा है कि धर्म वाले कॉलम में क्या भरा जाए. बताया जाता है कि झारखंड ई-कल्याण (स्कॉलरशिप) सत्र 2023 के फार्म में धर्म के कुल छहः विकल्प थे. जिनमें हिंदू, मुस्लिम, सिख , ईसाई, जैन एवं अन्य का कॉलम था. छात्र अपने धार्मिक आस्था के अनुसार अपना कॉलम भरते थे. जिनमें आदिवासी समुदाय के लाखों विद्यार्थी अपने फार्म के कॉलम में अन्य वाले घेरे में टिक करते थे. मगर अब नए फार्मेट के तहत 2024 के आए स्कॉलरशिप फार्म में धर्म के 6 विकल्प से घटाकर 5 कर दिया गया है. जिनमें अब हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई व जैन तक ही सीमित कर दिया गया है. फार्म का नया फार्मेट आने के बाद आदिवासी समाज के बच्चों के लिए बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो गई है. वे फार्म भरे तो किस विकल्प पर सही करें, अन्य का विकल्प हटने के कारण आदिवासी विद्यार्थियों को मजबूरन हिंदू या फिर ईसाई वाले विकल्प पर अपनी सहमति देनी पड़ रही है.

सिरोमटोली सरना स्थल में तेजी से तैयार हो रहा पांच मंजिला भवन

संवाददाता। रांची

आदिवासियों के धार्मिक स्थल सिरमटोली सरना स्थल में पांच मंजिला भवन का कार्य अंतिम चरण में है. उम्मीद है कि छह महीने बाद ये पूरा हो जाएगा. फिलहाल फिनिसिंग का कार्य चल रहा है. सरना स्थल का सौंदर्यीकरण आदिवासी संस्कृति से जुड़ा हुआ है. सरना स्थल के जल्द निर्माण पर जोर दिया रहा है. पांच मंजिला भवन के अलावा पूरे परिसर में चहारदीवारी बनाया जाएगा और उसमें आकर्षक गेट भी लगाया जाएगा. परिसर की दीवार पर आदिवासी संस्कृति से जुड़ी चित्रकारी के माध्यम से सरना स्थल का इतिहास भी दिखाया जाएगा. बता दें कि 2022 में सरहुल पर पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सिरमटोली सरनास्थल के सौंदर्यीकरण की बात कही थी. इसके लिए सीएम ने पांच मंजिला भवन बनाने के लिए 4 करोड़ 99 लाख का बजट पास किया था. सरहूल के दिन ही हेमंत सोरेन ने पांच मंजिला भवन की नींव भी रखी थी. जिसे 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है. रांची का ऐतिहासिक सरना स्थल सिरमटोली 45 डिसमिल में फैला हुआ है. इस स्थल पर बड़ी संख्या में आदिवासी आते हैं और अपनी मन्नत मांगते हैं. साथ ही सरहुल पर लोग यहां पूजा भी करते हैं. बता दें कि डॉ रामदयाल मुंडा ने आदिवासियों के धार्मिक, सामाजिक व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए 1968 में आदिवासियों को एकजुट और एक मंच पर लाने के लिए सरहुल शोभायात्रा की शुरूआत की थी.

रातू रोड काली मंदिर का 34वां वार्षिकोत्सव मना

रांची। काली मंदिर, शास्त्री चौक रातू रोड का 34वां वार्षिकोत्सव शुक्रवार को श्रद्धाभाव से मनाया गया. इस मौके पर मंदिर में पुष्प श्रृंगार कर गुबारे और रंग-बिरंगी लाइटों से आकर्षक साज-सज्जा की गयी. सुबह दैनिक पूजन-आरती के बाद पुजारी पंडित गणेश जी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच स्थापना पूजन संपन्न कराया. दिनभर दर्शन-पूजन को भक्तों का तांता लगा रहा. शाम सात बजे मां की सामूहिक आरती उतारी गयी. इसके बाद भंडारा शुरू हुआ, जो देर शाम तक चला. बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मां का प्रसाद पाया. संस्थापक शशिकांत तिर्की, फ्रांसिस तिर्की, महादेव टोपो, राजू शर्मा, कुमुद वर्मा, विंदुल वर्मा, विट्टू वर्मा, तुलसी उरांव, सुनील वर्मा, दीपू सिन्हा आदि ने इसके सफल आयोजन में मुख्य योगदान दिया.

प्रतियोगिता बच्चों ने उत्साहपूर्वक जानवर, रिश्ते और प्रकृति पर दिलचस्प कविताएं सुनाई

गुरुनानक स्कूल में कहानी वाचन प्रतियोगिता आयोजित

संवाददाता। रांची

गुरु नानक स्कूल मे शुक्रवार को कक्षा नर्सरी से द्वितीय वर्ग के बच्चों द्वारा अंग्रेजी कविता एवं कहानी वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था. इस प्रतियोगिता में स्कूल के नन्हे नन्हे बच्चों ने उत्साहपूर्वक जानवरों, रिश्ते और प्रकृति पर दिलचस्प कविताएं सुनाई. प्रतियोगिता के दौरान बच्चों ने अपने शुद्ध उच्चारण से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।. बच्चों की कविताओं की शैली, धाराप्रवाहिता, शब्दों के उच्चारण एवं समग्र प्रस्तुति को देखकर विजेताओं का चयन किया गया. कहानियां नैतिक मूल्यों पर आधारित थी. इस अवसर पर ईशविंदर चड्ढा, अमृत कौर, सतमीत कौर व तरवीन कौर ने निर्णायक की भूमिका निभाई. विद्यालय की प्रधानाचार्या डा. कैप्टन सुमित कौर, उप प्रधानाचार्या सोनिया कौर एवं मुख्याध्यापिका हरप्रीत कौर ने बच्चों एवं शिक्षिकाओं का उत्साहवर्धन किया.

सुरेन्द्रनाथ सेंटेनरी स्कूल में शिल्प प्रदर्शनी

रांची । सुरेंद्रनाथ सेंटेनरी स्कूल में शुक्रवार को कला और शिल्प प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. इस आयोजन में अभिभावक शिक्षक ने बढ़ चढ़ के हिस्सा लिया. आयोजित प्रदर्शनी में जूनियर विंग के छात्रों को इस शैक्षणिक वर्ष के दौरान उनके द्वारा तैयार किए गए विविध और सुंदर कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया. कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार की हाथ से तैयार की गई वस्तुएं जैसे वॉल हैंगिंग, बुकमार्क, जूट शिल्प, टोकरियां, पेपर आर्ट, वेस्ट से सर्वश्रेष्ठ और बहुत कुछ प्रदर्शित किया गया. इस मौके पर स्कूल की प्राचार्या समिता सिन्हा ने छात्रों को उनके नवीन विचारों के लिए सराहना की और कहा कि कला और रचनात्मक गतिविधियां छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण पर हमेशा सकारात्मक प्रभाव डालता है.

सीसीएल आरोग्य केंद्र ने लगाया फ्री हेल्थ कैंप

रांची। शुक्रवार को सीसीएल जन आरोग्य केंद्र ने रांची के सुतियाम्बे बस्ती में निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा शिविर का आयोजन किया. इस शिविर में 207 ग्रामीणों की एनीमिया (खून की कमी) की जांच की गयी. जिसमें एनीमिया से पीड़ित 22, उच्च रक्तचाप के 43 और मधुमेह (डायबिटीज) के मरीजों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें चिकित्सीय परामर्श देते हुए निःशुल्क दवाई दी गई. इस अवसर पर सीएमएस (इंचार्ज), सीसीएल डॉ. रत्नेश जैन, सीएमओ डॉ. प्रीती तिग्गा, सीएसआर इंचार्ज डॉ. शशिकांत प्रसाद, डॉ. अनीता होरो, डॉ. रजनी कुजूर, डॉ. शिखा व अन्य पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित थे. सीसीएल अपने हितधारकों सहित क्षेत्र के आसपास के ग्रामीणों के स्वास्थ्य के प्रति जनसेवा के लिए कृतसंकल्पित है.

कैंब्रियन पब्लिक स्कूल में पुरस्कार वितरण समारोह

संवाददाता। रांची

कैंब्रियन पब्लिक स्कूल रोड में शुक्रवार को चिन्मय मिशन द्वारा प्रायोजित गीता पाठ प्रतियोगिता में सफल विद्यार्थियों के बीच पुरस्कार वितरण किया गया. इस प्रतियोगिता को विद्यालय स्तरीय, नगर स्तरीय एवं जिला स्तरीय यह प्रतियोगिता चार वर्गों में विभाजित थी, जिसमें विद्यालय के कुल 1005 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया था. विद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता में कुल 57 छात्रों ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया. नगर स्तरीय प्रतियोगिता में चार छात्रों ने प्रथम, चार छात्रों ने द्वितीय, चार छात्रों ने तृतीय एवं 15 छात्रों ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया. जिला स्तरीय प्रतियोगिता में कक्षा पांचवीं की छात्रा लेख्या गुरुमूर्ति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया.

चंपई सोरेन को ताज

झारखंड के नए मुख्यमंत्री चंपई सोरेन झारखंड आंदोलन की उस विरासत के प्रतिनिधि हैं, जिन्हें शिबू सोरेन ने दशकों के संघर्ष से निर्मित किया है. यह विरासत मुख्यतः झारखंडी संस्कृति, चेतना और सहकार की बुनियाद पर खड़ी है. यह एक ऐसी विरासत है, जिसने झारखंड में 'होड़ मितान' की परंपरा को विकसित किया है. पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इसी विरासत के आधार पर झारखंड का अब तक नेतृत्व किया. चंपई सारेन को इसी मार्ग पर चल कर गठबंधन को कामयाबी दिलानी होगी. अगले दस दिनों में उन्हें बहुमत साबित करने का निर्देश राज्यपाल ने दिया है. वर्तमान आंकड़ों के हिसाब से इस समय इसमें उन्हें दिक्कत नहीं आनी चाहिए. उनके साथ कांग्रेस के आलमगीर आलम और राजद के सत्यानंद भोक्ता को मंत्री पद की शपथ दिलायी गयी. बहुमत साबित करने के बाद ही मंत्री परिषद का विस्तार होने की संभावना है, लेकिन देश में जिस तरह विपक्षी दलों को अपनी एकजुटता बनाए रखने के लिए जूझना पड़ रहा है, ऐसे में चंपई के सोरेन को राजनीतिक तौर पर भी स्वयं को प्रमाणित करना होगा.

हेमंत सोरेन के नेतृत्व में गठबंधन की सरकार ने स्थायित्व के साथ विकास की पटकथा भी तैयार की. खास कर झारखंड के ग्रामीण इलाकों और कमजोर तबकों के लिए अवसर पैदा करने का दावा पूर्ववर्ती सरकार करती रही है. अब जब कि उन्हें मुख्यमंत्री का दायित्व मिला है, उनके समक्ष अनेक चुनौतियां हैं. इनमें सबसे बडी चुनौती तो गठबंधन की एकता को मजबूती प्रदान करना है और इसके साथ ही लोकसभा के चुनाव में गठबंधन की कामयाबी के लिए राह बनाना भी है. एक ऐसे समय में उन्हें गठबंधन सरकार का नेतृत्व करने का अवसर मिला है, जब हेमंत सोरेन जेल में हैं. चंपई सोरेन के पास राजनीतिक अनुभव है और इसके साथ ही संघर्ष की क्षमता भी. इसी कारण से उन्हें टाईगर के नाम से भी पुकारा जाता है, लेकिन अब उन्हें राजनीतिक दावपेंच के साथ विपक्षी दल के हमलों का भी सामना करना होगा तथा उन्हें विकास की एक नई राह भी बनानी होगी. एक पारदर्शी और जनसुलभ सरकार मुहैया कराने की चुनौती अपने आप में महत्वपूर्ण है. गैर भाजपा राज्य सरकारों को देश भर में अनके समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. झारखंड भी उसमें अपवाद नहीं है. ऐसे में एक बेहतर शासन के लिए राजनीतिक अनुभव का उपयोग करते हुए सामाजिक एकता को बनाए रखने की भी जरूरत होती है. चंपई सोरेन कोल्हान से आते हैं. कोल्हान पहले से ही झारखंड मुक्ति मोर्चा का गढ़ बन कर उभरा है. झारखंड आंदोलन के समय भी कोल्हान की अहम भूमिका रही है. इसलिए चंपई सोरेन को उन अधूरे कार्यो को पूरा करने की भी चुनौती है, जो झारखंड के आंदोलनकारी उठाते रहे हैं. मंत्रिमंडल के विस्तार के समय नए चेहरों को अवसर मिलेगा या नहीं, यह तो गठबंधन के दलों के नेताओं को ही तय करना है. उहापोह की स्थिति खत्म हो गयी है. नवगठित सरकार को अब आगे बढ़ने की जरूरत है.

> हेमंत सोरेन के नेतृत्व में गठबंधन की सरकार ने स्थायित्व के साथ विकास की पटकथा भी तैयार की. खास कर झारखंड के ग्रामीण इलाकों और कमजोर तबकों के लिए अवसर पैदा करने का दावा पूर्ववर्ती सरकार करती रही है.

सुभाषित

अग्निशेषमृणशेषं शत्रुशेषं तथैव च।
पुनः पुनः प्रवर्धेत तस्माच्छेषं न कारयेत्॥

यदि कोई आग, ऋण, या शत्रु अल्प मात्रा अथवा न्यूनतम सीमा तक भी अस्तित्व में बचा रहेगा तो बार बार बढ़ेगा. अतः इन्हें थोड़ा सा भी बचा नही रहने देना चाहिए. इन तीनों को सम्पूर्ण रूप से समाप्त ही कर डालना चाहिए.

हेमंत गिरफ्तार, चंपई सरकार

हेमंत के इस्तीफे के साथ–साथ 'इंडिया' दलों ने चंपई सोरेन के नेतृत्व में सरकार गठन का दावा राजभवन में पेश कर दिया था और वे विधायकों की परेड कराने को भी तत्पर थे. खबर यह भी आई कि राज्यपाल अपना शासन यानी राष्ट्रपति शासन लगवाने की सिफारिश कर चुके थे] लेकिन दिल्ली से हरी झंडी नहीं मिली. तब पहली फरवरी की देर रात उन्होंने चंपई सोरेन और कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम को तलब कर सरकार बनाने का न्योता दिया.

• देश-काल

श्याम किशोर चौबे

झारखंड के इतिहास में एक अनोखी बात दर्ज हो गई. 38 घंटे से अधिक समय तक बिना सरकार के रहने के बाद 2 फरवरी को 67 वर्षीय झामुमो नेता चंपई सोरेन इसे 12वीं सरकार के बतौर मिले. 31 जनवरी की देर शाम तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के इस्तीफा और ईडी द्वारा उनकी गिरफ्तारी के बाद यह राज्य सरकार विहीन हो गया था. राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के अनिर्णय के कारण इतने वक्त तक यह राज्य सरकार के बिना ही चला. हेमंत के इस्तीफे के साथ-साथ 'इंडिया' दलों ने चंपई सोरेन के नेतृत्व में सरकार गठन का दावा राजभवन में पेश कर दिया था और वे विधायकों की परेड कराने को भी तत्पर थे. खबर यह भी आई कि राज्यपाल अपना शासन यानी राष्ट्रपति शासन लगवाने की सिफारिश कर चुके थे, लेकिन दिल्ली से हरी झंडी नहीं मिली. तब पहली फरवरी की देर रात उन्होंने चंपई सोरेन और कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम को तलब कर सरकार बनाने का न्योता दिया. फिलहाल 81 सदस्यीय विधानसभा में अकेले इंडिया दलों के 48 विधायक होने के बावजूद राज्यपाल ने नई सरकार के तत्काल गठन में दिलचस्पी क्यों नहीं ली, यह सवाल राज्य का इतिहास पूछता रहेगा.

ज्यादा दिन नहीं हुए, झारखंड के मातृ प्रदेश बिहार में 28 जनवरी को दिल बदलकर विरोधी दल भाजपा के साथ गए नीतीश कुमार को ही तीन घंटे के अंदर नई सरकार बनाने का सुअवसर वहां के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने दे दिया था. उनको नीतीश का ट्रैक रिकार्ड पता ही होगा. राजनीतिक तौर पर पलटू चाचा कहे जाने वाले नीतीश कपड़ों की तरह राजनीतिक संगी-साथी बदलते रहे हैं. इसी कारण पिछले 24 साल में नौ मर्तबा मुख्यमंत्री बनाये जाने का रिकार्ड उनके नाम दर्ज हो गया है. 2020 से जनवरी 2024 के बीच पाला बदल-बदलकर वे तीसरी मर्तबा मुख्यमंत्री बने. लोग यह भी नहीं भूले होंगे कि महाराष्ट्र के तत्कालीन गवर्नर भगत सिंह कोश्यारी ने आनन-फानन में 23 नवंबर 2019 की अल-सुबह भाजपा के देवेंद्र फडणवीस और एनसीपी के अजित पवार को मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री की शपथ दिलाई थी, जबकि वे दो दिन भी न टिक सके. सचमुच राजनीति नंबर गेम है.

इंडिया गठबंधन दलों के नेता हालांकि पहली फरवरी की शाम भी राज्यपाल से मिले थे, लेकिन कोई सकारात्मक संकेत न मिलने के कारण हॉर्स ट्रेडिंग की आशंका से अपने विधायकों को हैदराबाद शिफ्ट कराने की उन्होंने जुगत भिड़ाई. धुंध के कारण उनका विमान टेक ऑफ न कर सका, इसलिए वे 2 फरवरी को हैदराबाद के लिए रवाना हुए.

अब चर्चा हेमंत सोरेन की. ईडी संग 447 दिनों तक चली शह-मात की चाल में 31 जनवरी की रात वे अपने सरकारी आवास में ही बंदी बना लिए गए थे. उनकी अर्जी सुप्रीम कोर्ट ने दो फरवरी को डिसमिस कर दी. हाईकोर्ट जो करे. गिरफ्तारी के पूर्व उन्होंने भावपूर्ण ऑडियो रिकार्डिंग जारी कर कहा कि राजधानी क्षेत्र में बरियातू के जिस करीब साढ़े आठ एकड़ प्लॉट पर कब्जा करने के नाम पर उनको परेशान किया जा रहा है, उससे उनका कोई लेना-देना नहीं है. वह भुइंहरी किस्म की जमीन है, जिसका हस्तांतरण संभव ही नहीं है. दूसरी ओर ईडी का कहना है कि बड़गाईं अंचल के तत्कालीन राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रसाद प्रताप के जरिए हेमंत उक्त प्लॉट हड़पने का प्रयत्न कर रहे थे. वे मूल दस्तावेज में हेराफेरी करवा रहे थे. जमीन घोटाले में 14 अप्रैल 2023 को भानु की गिरफ्तारी के बाद खुलासा हुआ कि वह छह अन्य लोगों से मिलकर अवैध तरीके से जमीन अधिग्रहण और कब्जा दिलाने में सक्रिय था. उनमें हेमंत भी शामिल थे.

राज्य के बे-सरकार होने पर इंडिया और एनडीए ने अपने-अपने विधायकों की बाड़ेबंदी शुरू कर दी. हॉर्स ट्रेडिंग की भी आशंका बन गई. झामुमो विधायक लोबिन हेम्ब्रम राजधानी छोड़ चुके थे, जबकि विकल्पों की तलाश के क्रम में हेमंत की गैरविधायक पत्नी कल्पना सोरेन को मुख्यमंत्री बनाये जाने की चर्चा चली तो राजधानी से दूर बैठीं खुद उनकी भाभी सीता सोरेन उबल पड़ी थीं. हेमंत के अनुज बसंत सोरेन और एक अन्य विधायक चमरा लिंडा भी कहीं नजर नहीं आये. इसके बावजूद महागठबंधन के पास प्रत्यक्षतः बहुमत होने से टूट-फूट की स्थिति उधर ही बन सकती है.

ताजा हालात बता रहे हैं कि राज्य में राजनीतिक स्थिरता का दौर प्रारंभ हो जाने की बंधी उम्मीद पर पानी फिर गया. हाल के वर्षों में बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्यप्रदेश जैसे पुराने राज्यों की स्थिति देखकर तसल्ली होती थी कि झारखंड 'सरकार-सरकार खेलें' का दौर पार कर सुचिंतित विकास की ओर कदम बढ़ा चुका है, लेकिन हर उम्मीद धरातल पर कहां उतरती है?

सवाल उठने लगा है कि हेमंत के बाद क्या अरविंद केजरीवाल निशाना बनेंगे और ईडी नामक ब्रह्मास्त्र का तीक्ष्ण प्रक्षेपण पश्चिम बंगाल की ओर भी होगा? वहां तो ईडी आये दिन डेरा डाले ही रहता है. सवाल ममता बनर्जी को सिंहासन से हिलाने-डुलाने का है. नीतीश कुमार ने जैसे ही विपक्षी एकजुटता की पहल की थी, उनके लोगों पर इस ब्रह्मास्त्र का संधान किया जाने लगा था. कहनेवाले कहते हैं कि इससे भी आजिज आकर वे दक्षिणायन हो गये. क्या वास्तव में ऐसा ही है? यदि नहीं, तो भी असम में हिमंत बिस्वा सरमा, पश्चिम बंगाल में शुवेंदु अधिकारी, मुकुल राय, महाराष्ट्र में अजित पवार, छगन भुजबल आदि-आदि का उदाहरण इतिहास के वर्तमान में दर्ज है ही. इसी बिना पर हेमंत सोरेन को एकदम से क्लिन चिट नहीं दी जा सकती. झारखंड में ईडी का चक्र अभी घूमता ही रहेगा.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

सदाचार का आधार

हममें सभी सद्गुण भय से ही स्थायित्व पाते हैं. भय प्रत्येक जीव की प्राकृतिक संज्ञा है. 'ईश्वर-आस्तिक' को ईश्वर के नाराज़ होने का भय होता है तो 'कर्म-फल-आस्तिक' को बुरे प्रतिफल मिलने का भय रहता है. 'नास्तिक' को बुरा व्यक्तित्व कहलाने का भय रहता है. भय के कारण ही सभी सदाचारी रहना उचित मानते हैं और कदाचारों से दूर रहने का प्रयास करते हैं. आस्तिकों को विशेष रूप से ईश्वर और कर्म-फल के प्रति श्रद्धा व सबूरी का आधार रहता है. अगर आस्तिक को सदाचार के एवज में प्रशंसा और प्रतिफल त्वरित न भी मिले तो वह सब्र कर लेता है और निर्णायक दिन या अगले जन्म तक का भी इन्तजार कर लेता है और आस्था के कारण अपने विश्वास से विचलित नहीं होता. वहां भौतिकवादी नास्तिक, सदाचार के प्रतिफल में विपरीत परिणामों का अनुमान मात्र लगाकर विचलित हो जाता है. अनुकूल परिणाम न आते देखकर निराश हो जाता है. क्योंकि धैर्य का उसके पास कोई औचित्य ही नहीं होता. वह शीघ्र ही सदाचार से पल्ला झाड़ लेता है. वह जरा सी प्रतिकूलता देखते ही अपने अनास्थक मानसिकता पर और भी मजबूत हो जाता है. इस प्रकार सदाचार पर टिके रहने के लिए न तो उसके पास पर्याप्त मनोबल होता है और न ही प्रतिफल का पूर्ण विश्वास. पर्याप्त आधार के बिना भला वह क्यों सब्र करेगा? 'अच्छे का नतीजा अच्छा', या 'भले का परिणाम भला' वाला नीतिबल तो कब का नष्ट हो चुका होता है. नैतिकता पर 'चलने' का आधार समाप्त ही हो जाता है. विश्वास स्वरूप 'पैर' ही न हो तो कदम क्या खाक उठा पाएगा? इसी आशय से मैंने कहा था, "नास्तिकी-सदाचार के तो पैर ही नहीं होते" उसके पास दृढ़ता से खडे रहने का नैतिक बल ही नहीं होता. किस भरोसे खडा रहेगा? भला वह क्यों मोल लेगा भावी के भरोसे, निश्चित कष्ट, प्रतीक्षा और अनावश्यक तनाव? तत्क्षण प्रतिशोध ही उनके लिए न्यायमार्ग होता है और प्रतिशोध किसी भी दृष्टि से सदाचार नहीं है. सदाचरण सदैव, घोर परिश्रम, सहनशीलता और धैर्य की मांग करते हैं. अधिकांश बार उपकार का बदला अपकार से भी मिलता है. कई बार सदाचारियों की गणना कायरों में गिनी जाती है. सामान्यतया तो उसे डरपोक ही मान लिया जाता है. सदाचारी के शत्रुओं की भी संख्या बढ जाती है. उसे पाखण्डी ही समझा जाता है. कभी कभी तो उसे शान्ति के बदले मिलती कीर्ती का भी हनन कर दिया जाता है. इतना सब होने के बाद, अनास्थावान् का सदाचारों पर टिके रहना तलवार की धार पर चलनें के समान होता है. सदाचारों का लाभ तो मिले या न मिले, जीवन को क्यों लोहे के चने चबाने जैसे दुष्कर कार्य में व्यर्थ करना.

कैसे कैसे लोगों के रहमोकरम पर है लोकतंत्र

• लोकतंत्र

विश्वनाथ

आधी सदी से कुछ ज़्यादा ही पुरानी बात है. हरियाणा के पलवल चुनाव क्षेत्र से 1967 में गया लाल नामक उम्मीदवार ने चुनाव जीता था. स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव जीतने के तत्काल बाद उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली. फिर एक दिन के भीतर-भीतर उन्होंने तीन बार पाला बदला– कांग्रेस से जनता पार्टी में, फिर वापस कांग्रेस में और फिर जनता पार्टी में. इसी 'खेल' में जब उन्हें एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके पत्रकारों के समक्ष पेश किया गया तो सम्बन्धित नेता ने कहा था 'गया राम अब आया राम हो गये हैं'. तभी से दल बदलुओं के लिए एक मुहावरा बन गया.आज जिस संदर्भ में यह चर्चित किस्सा याद आ रहा है, उसका सम्बंध 'दल बदल' से तो नहीं, पर 'सरकार-बदल' से ज़रूर है. और इस प्रक्रिया में गया राम को पलटूराम की संज्ञा दी गयी है. बिहार की महागठबंधन सरकार के मुखिया नीतीश कुमार ने फिर पलटी मार कर भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर सरकार बना ली है. डेढ़ साल पहले ही वे अपने दल जदयू के साथी दल भाजपा का दामन छोड़कर लालू प्रसाद यादव की पार्टी के साथ मिले थे, मिलकर सरकार बनायी थी. तब उन्होंने कसम खायी थी कि मर जाऊंगा पर भाजपा के साथ फिर नहीं जाऊंगा. उस कसम का क्या हुआ, वही जानें, पर नीतीश कुमार आज फिर यह कह कर भाजपा के साथ हो गये हैं कि 'अब इधर-उधर नहीं जाना है'. इधर-उधर से उनका क्या मतलब है, यह बात समझना भी आसान नहीं हैं. उनका इतिहास बताता है कि वे कब पलटी खा जाएं, पता नहीं. हां, अब इतना सबको पता है कि 'गया राम' की तरह ही 'पलटू राम' भी भारतीय राजनीति का हिस्सा बन गया है. भारत का जागरूक नागरिक इन पलटू रामों से पूछ रहा है- 'यह बता कि काफिला क्यों लुटा?' और यदि नहीं पूछ रहा है तो उसे पूछना चाहिए यह सवाल. विडम्बना यह भी है कि हमारे नेता, चाहे वे किसी भी रंग के क्यों न हों, इधर-उधर की बात करके मतदाता को भरमाने में महारत हासिल कर चुके हैं. झूठे वादे और दावे उनके लिए किसी भी प्रकार की शर्म का कारण नहीं बनते. मतदाता को भले ही कभी इस बात पर शर्म आ जाये कि उसने दल बदलू या पलटूराम का समर्थन क्यों किया था, पर हमारा नेता इस बात की कोई आवश्यकता नहीं समझता कि वह अपने मतदाता को बताये कि उसने जो कुछ किया है, वह क्यों किया है. विडम्बना यह भी है कि हमारी राजनीति में राजनीतिक शुचिता के लिए शायद ही कहीं कोई स्थान बचा है.जनतंत्र एक ऐसी शासन-व्यवस्था है, जिसमें शासन से यह अपेक्षा की जाती है कि वह घोषित नीतियों और दावों-वादों के अनुरूप कार्य करेगा. हां, चुनावों से पहले ऐसा करने की घोषणाएं ज़रूर की जाती हैं, पर फिर बड़ी आसानी से उन्हें भुला दिया जाता है. मान लिया जाता है कि जनता की याददाश्त बहुत कमज़ोर होती है! जनतंत्र का तकाज़ा है कि जनता अपनी याद्दाश्त मज़बूत बनाये रखे. तभी जनतंत्र सफल हो सकता है, और सार्थक भी. 'जनता की, जनता के लिए और जनता द्वारा' जो सरकार बनती है, उसकी सफलता-सार्थकता का आधार यही है कि जनता अनवरत सज़ग रहे– न केवल अपने नेताओं की कथनी-करनी को लेकर, बल्कि अपने अधिकारों-दायित्वों के प्रति भी. इसीलिए यह सवाल उठता है कि क्या हमें किसी 'गयाराम' या 'पलटूराम' से उसके किये-करे की कैफियत नहीं पूछनी चाहिए? जनतंत्र में राजनीति के खिलाड़ी अपनी घोषित-नीतियों, वादों और दावों के आधार पर चुनाव जीतते-हारते हैं. भले ही हमेशा ऐसा हो नहीं, पर ऐसा माना जाता है कि चुनाव नीतियों के आधार पर ही होते हैं. माना यह भी जाता है कि चुनाव जीतने वाला इन नीतियों के अनुसार अपना आचरण रखेगा. अपनी घोषित नीतियों पर टिका रहेगा. पर ऐसा अक्सर होता नहीं. अक्सर राजनेता अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए जनतंत्र की मूल भावना के साथ छल करते दिखाई देते हैं. दल-बदलुओं का आचरण इसी का उदाहरण है. राजनीतिक स्वार्थ के लिए कुछ भी करने को राजनीति की विवशता कहना-मानना वस्तुतः जनता के साथ विश्वासघात ही है. ऐसा नहीं है कि यह सिर्फ हमारे देश में ही होता है. लेकिन यह कहकर कि दुनिया के अन्य कई जनतांत्रिक देशों में भी यह 'बीमारी' है, हम अपनी बीमारी की गम्भीरता को कम नहीं आंक सकते. इसीलिए हमने लगभग चालीस साल पहले दल-बदल कानून की आवश्यकता को समझा था और 52वें संशोधन के तहत यह कानून बनाया गया था. फिर सन्औ 2003 में 91वें संशोधन के तहत इस कानून को कुछ और ताकतवर बनाया गया. पर बीमारी का मुकम्मल इलाज नहीं हो पाया.

> बिहार की महागठबंधन सरकार के मुखिया नीतीश कुमार ने फिर पलटी मार कर भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर सरकार बना ली है. डेढ़ साल पहले ही वे अपने दल जदयू के साथी दल भाजपा का दामन छोड़कर लालू प्रसाद यादव की पार्टी के साथ मिले थे, मिलकर सरकार बनायी थी. तब उन्होंने कसम खायी थी कि मर जाऊंगा पर भाजपा के साथ फिर नहीं जाऊंगा.

कैसे सुधरेगी स्वास्थ्य सेवाओं की सेहत

• सामयिकी

राजेंद्र शर्मा

अर्थशास्त्र का एक प्रमुख सिद्धांत है मांग और आपूर्ति जिसके अनुसार आपूर्ति की आवश्यकता वहां अनिवार्य हो जाती है जहां मांग हो. कई क्षेत्र और समान ऐसे हैं जिनमें मांग अधिक है पर आपूर्ति कम है. जबकि लगभग समतुल्य क्षेत्र ऐसे भी हैं जहां मांग कम और आपूर्ति अधिक है. ऐसे में देश के राजस्व को न्यायोचित उपयोग हेतु, थोड़े निवेश से आंशिक समतुल्य को पूर्ण समतुल्य बनाया जाए और मांग को पूरा कर दिया जाए. इसके दो मुख्य फायदे होंगे, एक तो कम निवेश में कुशल लोग मिल सकते हैं साथ ही जरूरतमंदों की मदद हो सकेगी, देश के अंतिम नागरिक तक सुविधाएं पहुंचाने में मदद मिलेगी. यह देश की स्वास्थ्य सेवाओं और एमबीबीएस चिकित्सकों के संदर्भ बिलकुल सटीक बैठता है. हाल ही में एक प्रदेश की विधानसभा में एक प्रश्न के उतर में बताया गया कि 2020-21 के बाद से सरकार द्वारा संचालित मेडिकल कॉलेजों से उत्तीर्ण होने वाले 2,653 एमबीबीएस छात्रों में से 70 प्रतिशत या 1,856 ने सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को ज्वाइन ही नहीं किया. सरकार की प्रश्न के उतर में प्रतिक्रिया थी कि इन छात्रों को सब्सिडी वाली चिकित्सा शिक्षा मिलती है और बदले में उन्होंने सरकार द्वारा संचालित स्वास्थ्य सुविधाओं-मुख्य रूप से ग्रामीण या दूरदराज के क्षेत्रों में एक वर्ष तक सेवा करने के लिए एक बांड पर हस्ताक्षर किए होते हैं. स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि बांड प्रणाली यह सुनिश्चित करती है कि सरकार द्वारा संचालित स्वास्थ्य सुविधाओं को स्वास्थ्य पेशेवरों की सुनिश्चित आपूर्ति मिले. करीब पांच साल पहले एमबीबीएस छात्रों को तीन साल की सेवा के लिए डेढ़ लाख रुपये के बांड पर हस्ताक्षर करना पड़ता था. कोविड अवधि के दौरान, सिस्टम में व्यापक बदलाव आया और वर्तमान में छात्रों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा चुनी गई सरकार द्वारा संचालित सुविधा में एक वर्ष के लिए सेवा करनी होती है या बांड राशि के रूप में 10 लाख रुपये का भुगतान करना पड़ता है. आंकड़ों से यह भी संकेत मिलता है कि 1,856 डॉक्टरों में से जो सरकार द्वारा संचालित सुविधाओं में सेवा में शामिल नहीं हुए हैं, उनमें से 70 प्रतिशत या 1,310 को अभी भी बांड राशि का भुगतान करना बाकी है, जो 65.4 करोड़ रुपये है. उपरोक्त स्थिति का सामना सिर्फ किसी एक प्रदेश ही नहीं, बल्कि अन्य प्रदेशों को भी इस स्थिति से गुजरना पड़ रहा है. यह पूरे देश की समस्या है कि चिकित्सा शिक्षा पर भारी भरकम व्यय करने के बाद भी सरकार को कुछ विशेष उपलब्ध होता प्रतीत नहीं हो रहा है. विशेषज्ञों ने कहा कि ऐसे समय में जब सरकार जिला स्तर पर स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने की योजना बना रही है, चिकित्सा अधिकारियों (एमओ), जो आम तौर पर एमबीबीएस पास-आउट होते हैं, की कमी मानव संसाधन की उपलब्धता को प्रभावित कर सकती है. विशेषज्ञों ने कहा कि यह प्रवृत्ति ऐसे कई इलाकों में आबादी को बुनियादी चिकित्सा सुविधाओं को प्राप्त करने के लिए दूर तक यात्रा करने के लिए मजबूर करती है, जिससे बड़े शहरों में अस्पतालों का बोझ बढ़ जाता है. कारण उपरोक्त में से जो भी हो, परंतु यह सरकार द्वारा प्रत्येक व्यक्ति को स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया करवाने के प्रयासों में एक बड़ा अवरोधक है. साथ ही राजस्व की बरबादी भी है. विकसित देशों के संगठन ऑर्गनाइजेशन ऑफ इकनॉमिक कोऑपरेशन एंड डेवलपमेंट (ओईसीडी) द्वारा जारी एक रिपोर्ट बताती है कि दुनिया में सबसे बेहतर डॉक्टर अनुपात ऑस्ट्रिया में हैं, जहां हर हजार लोगों पर 5.5 डॉक्टर हैं. ब्रिटेन में 3.2 और अमेरिका में यह अनुपात 2.6 का है. चीन में भी प्रति हजार व्यक्तियों पर 2.4 डॉक्टर हैं, जबकि भारत में मात्र 0.9. अपर्याप्त चिकित्सकों का एक मुख्य कारण ब्रेन ड्रेन की समस्या भी है. विकसित देशों में जाकर स्वास्थ्य सेवाएं देने में भी भारतीय डॉक्टर्स प्रथम स्थान पर हैं. सबसे अधिक भारत से चिकित्सक विदेशों की ओर रुख कर रहे हैं. इस मामले में पाकिस्तान दूसरे स्थान पर है. सबको स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए सरकारों को दूरगामी और वैकल्पिक परियोजनाओं पर कार्य करना होगा. बीडीएस (बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी) जिसका आरंभिक पाठ्यक्रम एमबीबीएस के समतुल्य होता है, प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में बीडीएस तैयार किए जा रहे हैं. पर उस अनुपात में उनके लिए देश में रोजगार उपलब्ध नहीं हैं. ऐसे में कई बीडीएस अपना व्यवसाय ही बदल लेते हैं और शिक्षण जैसे व्यवसाय में आ जाते हैं.

> करीब पांच साल पहले एमबीबीएस छात्रों को तीन साल की सेवा के लिए डेढ़ लाख रुपये के बांड पर हस्ताक्षर करना पड़ता था. कोविड अवधि के दौरान, सिस्टम में व्यापक बदलाव आया और वर्तमान में छात्रों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा चुनी गई सरकार द्वारा संचालित सुविधा में एक वर्ष के लिए सेवा करनी होती है या बांड राशि के रूप में 10 लाख रुपये का भुगतान करना पड़ता है.

मीडिया में अन्यत्र

चुनाव पूर्व अंतरिम बजट की दिशा

चुनावी साल में केंद्र सरकार को 1 फरवरी को केवल लेखानुदान पेश करना रहता है. सरकार ने प्रमुख नीतिगत प्रस्तावों तथा कर बदलावों को जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया है, जब नई सरकार सत्ता में होगी. समय के साथ लेखानुदान 'अंतरिम बजट'में बदल गया. इस वर्ष के अंतरिम बजट में पारदर्शिता और परंपरा की वापसी अच्छी बात रही. अंतरिम बजट केवल जरूरी चीजों पर केंद्रित रहा. पिछले वर्ष के प्रदर्शन की प्रस्तुति एवं आगामी वर्ष के लिए जरूरी आवंटन, किसी बड़ी रियायत, कल्याणकारी योजना व्यय, कर रियायत आदि के जरिये लोगों को रिझाने आदि की कोशिश नहीं की गई. केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और वित्त मंत्रालय की उनकी टीम की भी सराहना की जानी चाहिए कि उन्होंने बजट के आंकड़ों को पूरी तरह पारदर्शी रखा. इस वर्ष बजट से इतर उधारी वाला हिस्सा खाली रहा जो बीते कुछ वर्षों की तुलना में सुखद स्थिति है. ऐसे में घाटे के आंकड़े विश्वसनीय हैं. शेयर बाजारों की बात करें तो उनके दिन का अंत भी कमोबेश शुरुआत के स्तर पर हुआ. लेखानुदान के मामले में ऐसा होना उचित ही है. राजकोषीय मजबूती को लेकर सरकार की प्राथमिकता को वृहद आंकड़ों में देखा जा सकता है. इस वर्ष राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 5.9 फीसदी रखने के लक्ष्य को बेहतर करते हुए 5.8 फीसदी का लक्ष्य हासिल किया गया. इसमें उच्च गैर कर राजस्व तथा सरकारी बैंकों और रिजर्व बैंक के लाभांश के साथ-साथ पूंजीगत व्यय में कमी का भी योगदान रहा. अगले वर्ष के लिए 5.1 फीसदी का लक्ष्य रखा गया है और राजस्व मोर्चे पर सीमित प्रयासों के साथ इसे हासिल किया जा सकता है. इस घाटे का लक्ष्य हासिल करने के लिए सकल कर राजस्व में केवल 1.1 फीसदी उछाल का अनुमान है, जो इस वर्ष से काफी कम है. इस बजट में जवाबदेही और संयम की जो प्रवृत्ति दिखी है, वह राज्य सरकारों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के रुख में भी नजर आती है. इस वर्ष राजस्व का आधा हिस्सा राज्यों को स्थानांतरित कर दिया गया है. परिणामस्वरूप केंद्र सरकार के कुल शुद्ध कर राजस्व में वैसी तेजी नहीं दिखी, जैसा कि 2023 के बजट में अनुमान लगाया गया था. उस लिहाज से देखा जाए तो वैश्विक परिदृश्य के कुछ पहलू ऐसे हैं जिन पर बजट पर विचार के दौरान पूरी तरह गौर नहीं किया गया और जो आने वाले समय में व्यय को नियंत्रित करने की प्रतिबद्धता पर असर डाल सकते हैं. पहली बात, संभव है कि सब्सिडी को लेकर अंडर प्रॉविजन हो. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

भिड़/भीड़/भीर

भीड़ में से किसी ने भिड़ के छत्ते पर पत्थर फेंक दिया. फिर क्या था? भिड़ों ने भीड़ पर हमला बोल दिया. इन वाक्यों में हमारे सामने दो शब्द हैं- पहला भिड़ और दूसरा भीड़. ये दोनों शब्द हिंदी के देशज शब्द हैं.भिड़ संज्ञा पुल्लिंग है जबकि भीड़ संज्ञा स्त्रीलिंग. दोनों शब्द सुनने में एक जैसे लगते हैं, लेकिन अर्थ के मामले में दोनों के बीच कोई तालमेल नहीं है. हिंदी शब्दसागर के अनुसार भिड़ का अर्थ बर्रे, ततैया. लाल और पीले रंग का उड़नेवाला कीट, जो डंक मारता है और भीषण पीड़ा होती है. इससे जिसका एक बार पाला पड़ जाता है, वह इसका नाम सुनते ही कांप जाता है. जब कोई किसी से भिड़ जाता है, वह भिड़ का क्रिया रूप है. भिड़ जाने का मतलब है टकरा जाना या लड़ जाना. जैसे सोहन मोहन से भिड़ गया. दूसरा शब्द है भीड़. इसका मतलब है एक ही स्थान पर बहुत लोगों का जमाव, जनसमूह, आदमियों का झुंड, मजमा, क्राउड. जैसे इस मेले में बहुत भीड़ होती है. आम तौर पर भीड़ को लोगों के एक समूह के रूप में परिभाषित किया जाता है, जो एक सामान्य उद्देश्य से इकट्ठा होते हैं. भीड़ शब्द कभी-कभी सामान्य रूप से निचले स्तर के लोगों को संदर्भित करता है. शब्द भीड़ को कभी-कभी मनुष्यों या जानवरों के संग्रह के लिए अन्य समूह संज्ञाओं के विपरीत परिभाषित किया जाता है. भीड़ से मिलता-जुलता शब्द है भीर. जब जब भीर पड़ी संतन पर प्रकट भये भगवान. संतन पर भीर पड़ने का मतलब स्पष्ट है संतों पर विपत्ति आना. भीर का एक अर्थ भीड़ भी है.चित्रकूट के घाट पर भइ संतन की भीर, तुलसीदास चंदन घिसे तिलक लेत रघुवीर. इस दोहे में प्रयुक्त भीर शब्द का अर्थ भीड़ ही है. भीर का मतलब है कष्ट, दुःख, तकलीफ, संकट, विपत्ति, आफत. तत्सम शब्द भीरु का तद्भव रूप भीर का मतलब है डरा हुआ, भयभीत, डरपोक, डरनेवाला, कायर, साहसहीन.

हर दिल जो प्यार करेगा, वो गाना गाएगा!

• तीर-तुक्का

सुशील यादव

हर दिल जो प्यार करेगा ...जनाब आपका जवाब गलत ...! आपकी तो यह आदत है कि मुखडा देखते ही तीर निशाने पर लगाने की सोच लेते हो? आज के जमाने में यह जरूरी नहीं कि प्यार करने वालों को गाना, गाना अनिवार्य हो? अब फिल्मी हीर –रांझा, लैला-मजनू, शीरी –फरहाद वाले दिन लद गए. तब किसी डायरेक्टर को रोमैंटिक दो-चार गानों का जुगाड हुआ नहीं कि पूरी फिल्म बनाने की सोच लेते थे. अपने हीरो हीरोइन से बात –बात पर गाना गवा बैठते थे. डाइरेक्टर को, नदी के गाने, 'पनिया भरन' के गाने, सखी-सहेली के गाने, मंदिर जाने के बहाने वाले गाने और सब गानों में उलाहनों, उलझनों को फिल्माने का उस जमाने में एक्सपर्ट होना जरूरी होता था. सब गानों में मीठी याद, याद में कसक, कसक में दर्द, दर्द में पीड़ा, जो जितनी अच्छी तरह से समेट ले वही बड़ा डायरेक्टर...उस जमाने में यह भी एक नजारा था. पूरे फ़िल्मी एपीसोड में बाप से ज्यादा कोई दूसरा तंग-बेहाल नहीं रहता था. बेचारा बाप अपनी इज्जत, पगडी और प्रतिष्ठा के नाम पर बेटे को, बेटी को 'प्यार' से दूर रखने की कोशिशें करता था. आखिर में उसे झुकना है, यह दर्शक टिकट लेने के पहले भी जानते थे. जनाने क्लास में सुबकियों का दौर चलता था, बड़ा जालिम बाप है, यह बुआ को तो काट कर फेंक देना चाहिए. बहुत दुष्ट है, जैसे कमेंट्स लाखों बार सुने गए होंगे. हीरो या हिरोइन तब के हालात में सिसकियों भरा विरह गीत गा लेती थीं, जो बिनाका गीत माला में सुपरहिट हो कर दो-तीन सालों तक बजा करता था. जनाब हमने भी प्यार-व्यार किया है. जिंदगी भर गाना गाने का सिचुएशन तलाशते रह गए. गाने की स्क्रिप्ट नहीं मिली. खुद की बनाई 'चार लाइन' के 'बोल-धुन' नहीं जमे. अकेले भी गुनगुनाने की हिम्मत नहीं हुई. कभी उसको चेताया कि इस मौके पर हमें कुछ गाने का जी कर रहा है, तो वह कहती कोई फिल्मी गाना वह भी सुर में गा सको तो सुना दो, वरना टाइम क्यों खराब करते हो? हमारे सिनेमा वाले, जाने कैसे सत्तर-अस्सी सालों से दिल की आवाज को लगातार बिना रोक-टोक फिल्माए जा रहे हैं? हाल के दिनों में प्यार की अभिव्यक्ति में मुन्नी बदनाम हो रही है, चमेली पउव्वा चढा रही है, कोई झंडू बाम रगड रही है तो कोई उ..ला..ला करके मस्तिया रही है. किसी की एंट्री में घंटी बज रही है तो कोई लुंगी खिंचाई में लगा दीखता है. इजहारे मोहब्बत का यह आलम कहां जा कर रुकेगा, पता नहीं?

कथाओं की तलाश में पुनः धार्मिक ग्रंथों तक पहुंचता सिनेमा

सभ्यता के आरंभ से ही धर्म की मौजूदगी हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा रही है. आलम यह है कि हम कोशिश करें, न करें धर्म से अछूते नहीं रह सकते. स्वभाविक है कि अपने आराध्य को साकार देखने की इच्छा हमें धार्मिक फिल्मों या धारावाहिकों की ओर आकर्षित करती रही है.

हस्ताक्षर

विनोद अनुपम
वरिष्ठ फिल्म स्तंभकार

भारत में बनने वाली पहली फीचर फिल्म थी, "राजा हरिश्चन्द्र". महात्मा गांधी ने अपने जीवन में एक ही फिल्म देखी थी, "रामराज्य". अपने समय की सबसे महंगी फिल्म 5 करोड़ में बनी 'शोले' को टक्कर दी थी 5 लाख से बनी एक छोटी सी फिल्म जय संतोषी मां ने. और हां, हिंदी सिनेमा की सबसे बड़ी दुर्घटना भी 'आदिपुरुष' ही थी. यह सब कोई संयोग नहीं. वास्तव में सभ्यता के विकास से ही हमारे सामाजिक जीवन में धर्म एक नियामक शक्ति रहा है. धर्म का अधिकार हमारे जीवन पर हमसे पहले ही हो जाता है, और हमारे बाद तक कायम रहता है. हम कोशिश करें, न करें धर्म से अछूते नहीं रह सकते. स्वभाविक है कि अपने आराध्य को साकार देखने की इच्छा हमें धार्मिक फिल्मों या धारावाहिकों की ओर आकर्षित करती रही है.

मन बसी छवि ही अहम

फिल्म की शुरुआत से भी पहले "रामलीला" की परंपरा हमारे इसी आराध्य को साकार देखने की इच्छा का प्रतिफल ही तो रहा होगा. क्या आश्चर्य कि सोनी टीवी ने वर्ष की शुरुआत एक नए धारावाहिक "श्रीमद रामायण" से की. कहा जा सकता है कि इतने तकनीकी कौशल और वीएफएक्स के प्रयोग से त्रेता युग को इतनी भव्यता से साकार करने की कोशिश टेलीविजन पर पहली बार की गई है. गौरतलब है कि 'आदिपुरुष' में भी वीएफएक्स के प्रयोग से ही रामकथा कहने की कोशिश की गई थी, लेकिन वह मजाक बन कर रह गई. वास्तव में धार्मिक कथाएं आस्था से जुड़ी होती है, लोग वही देखना सुनना चाहते जो कथा, जो छवि, उनके मन में बसी है, जो वे जानते हैं. 'रामायण' आज भी इसीलिए लोकप्रिय है कि वह वही दिखाती है, जो हम जानते रहे हैं. आस्था के सामने प्रयोग नहीं चलते, जैसी कोशिश "आदिपुरुष" ने की. "श्रीमद रामायण" की प्रस्तुति में आधुनिकता के साथ कथा में आस्था का निर्वहन के प्रति सावधानी देखी जा सकती है. निर्देशक ने हरेक फ्रेम को राजा रवि वर्मा की पेंटिंग की तरह नयनाभिराम बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है. संवाद, कलाकारों के चयन से लेकर वस्त्रविन्यास तक में परंपरा और मान्यताओं का मान रखने की कोशिश की गई है. रामकथा की परंपरागत कहन शैली से हट कर किसी उपन्यास की तरह निर्देशक राम, सीता, रावण सब की कथाएं जिस तरह एक साथ लेकर चलते हैं, रामकथा की एक बेहतर प्रस्तुति के प्रति आश्वस्त हुआ जा सकता है.

नीतेश की रामायण फिल्म

यह भी एक विडंबना है कि टेलीविजन पर जहां नियमित रुप से धार्मिक आख्यान आते रहे हैं, सिनेमा अपने आरंभिक दिनों की परंपरा से दूर होता चला गया, कुछ इस तरह कि कई दशकों तक धार्मिक फिल्मों के नाम पर सन्नाटा रहा. ऐसे में 'दंगल' जैसी महत्वपूर्ण फिल्म से पहचान बना चुके नीतेश तिवारी का 'रामायण' पर ट्राइलाजी बनाने की घोषणा सिनेमा के लिए एक नई शुरुआत की उम्मीद देती है, फरवरी से जिसके शूटिंग की तारीखें घोषित हो चुकी हैं. इसे भारत की सबसे मंहगी फिल्म बताया जा रहा है, उम्मीद कर सकते हैं रणबीर कपूर, साई पल्लवी, सन्नी देओल और यश जैसे नामचीन सितारों को रामायण के पात्रों के रुप में नीतेश स्वीकार्य बनाने में सफल होंगे.

वास्तव में धार्मिक ग्रंथों में कथाओं का विराट संसार सिमटा है, हिंदी सिनेमा के इतिहास में सर्वाधिक सफल फिल्में लिखने वाले सचिन भौमिक कहते थे, अधिकांश हिंदी फिल्मों की कहानियों के मूल में रामायण के अंश ही रहे हैं. कथा की तलाश में भटकता सिनेमा इस अमूल्य निधि की पहचान कर एक व्यापक दर्शक वर्ग को एक बार फिर से अपने करीब ला सकती है, जिन्हें जोड़ने की कोशिश आरंभिक दिनों में दादा साहब फाल्के ने 100 से भी अधिक धार्मिक कथाओं पर फिल्म बना कर की थी.

नाकाम मोहब्बत की इतनी सी कहानी है / दिन रात जुदाई में अश्कों की रवानी है... सुनहरे पर्दे पर प्यार के कई रंग परोसने वाले बॉलीवुड के सितारों की खुद की जिंदगानी में भी ऐसे अफसानों की कमी नहीं. कुछ के प्यार जहां मंजिल तक पहुंच गए तो नाकाम मोहब्बत के भी अनगिनत किस्से हैं. फरवरी माह में जब इश्क परवान पर चढ़े उससे पहले बात उनकी जो इस राह में दूर तक नहीं चल सके...

ऐ मोहब्बत तेरे अंजाम पे रोना आया

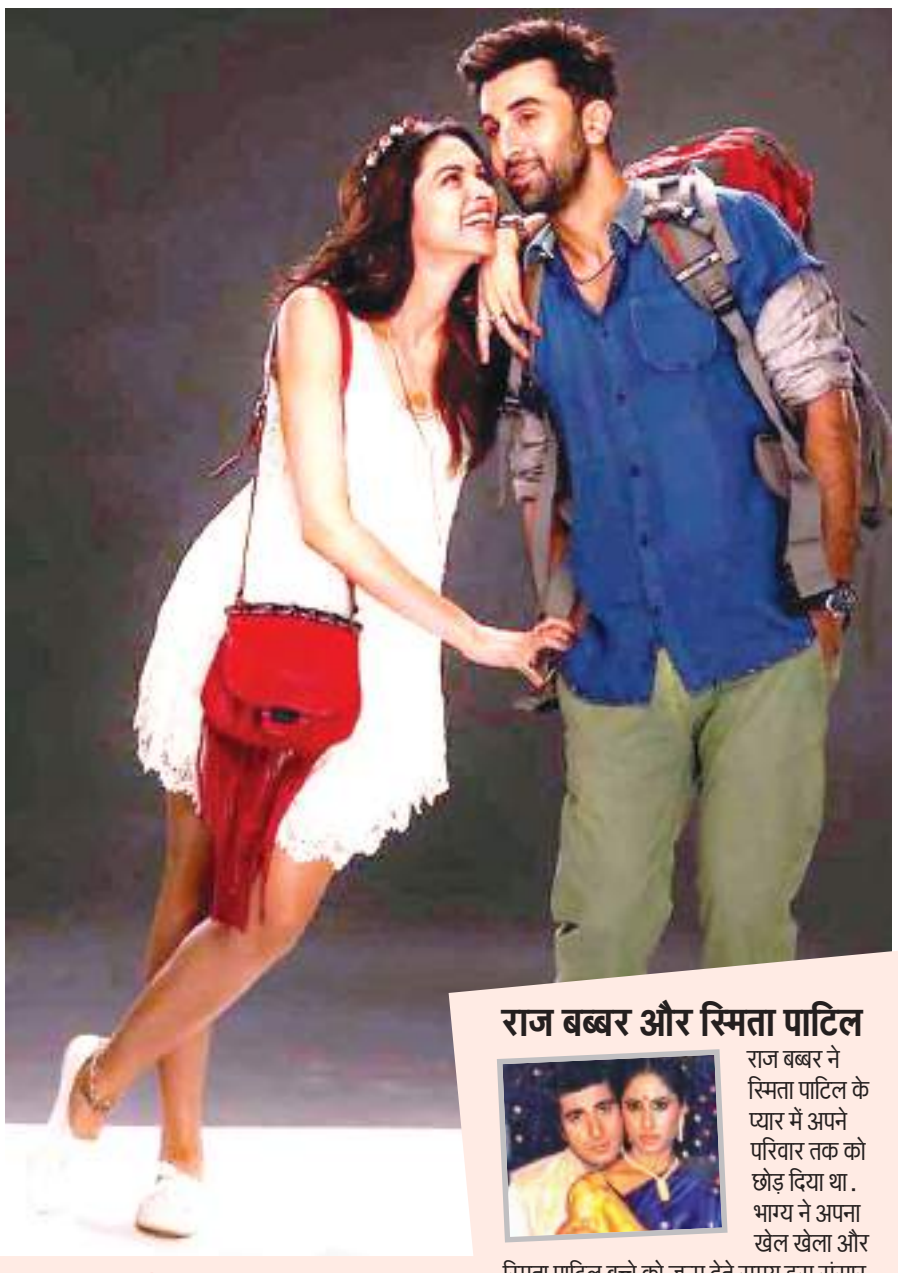

रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण

एक जमाना था जब रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण बॉलीवुड की जोड़ी हॉट जोड़ी के रूप में पहचान रखती थी. लिव-इन-रिलेशन, पार्टी-रेस्त्रां से विदेशों में छुट्टियां मनाते भी ये साथ नजर आते. दीपिका रणबीर कपूर के प्यार में इस कदर डूब चुकी थीं कि उन्होंने उनके नाम का टैटू तक बनवा लिया था. उम्मीद की जा रही थी कि दोनों जल्द शादी करेंगे पर यह लव स्टोरी अपने अंजाम तक नहीं पहुंच पाई और दोनों का ब्रेकअप हो गया. इस मोहब्बत की नाकामी में रणबीर की बेवफाई असर कर गई. रिपोर्ट्स की मानें तो रणबीर ने दीपिका को चीट किया था, वहीं दीपिका ने रणबीर को रंगे हाथों पकड़ा था.

करीना कपूर और शाहिद कपूर

फिल्म फिदा से इनकी लव स्टोरी शुरू हुई जो "छुप छुप के" से परवान चढ़ी. दोनों जब वी मेट और मिलेंगे मिलेंगे में भी साथ नजर आए. दोनों के फैन्स को शिद्दत से इंतजार था कि ये दोनों कब प्यार को शादी में तब्दील करेंगे. लेकिन दोनों के ब्रेकअप की खबर सामने आई. हाल ही एक इंटरव्यू में करीना कपूर ने शाहिद कपूर के साथ अपने रिश्तों पर खुलकर बात की. कहा कि हमारा रिश्ता वैसा था ही नहीं. रोमांस पार्ट शुरू करने के लिए ये बहुत जल्दी था. उस वक्त हम दोनों अपने काम में बिजी थे कि इन सब बातों की तरफ ध्यान देना मुश्किल था. हम लोग उस वक्त फ्रेंड्स से बस थोड़े ही ज्यादा थे.

करिश्मा कपूर और अभिषेक बच्चन

पांच साल डेट करने के बाद करिश्मा कपूर और अभिषेक बच्चन का रिश्ता सगाई तक पहुंचा. फिर अचानक ये रिश्ता टूट गया. दोनों पक्ष में से किसी ने इस बात का खुलासा नहीं किया कि आखिर क्यों दोनों का रिश्ता टूटा. वर्षों बाद फिल्म मेकर सुनील दर्शन जिनकी फिल्म में दोनों साथ थे, ने कहा कि शूटिंग के दौरान ही मैंने अनुभव किया कि अभिषेक-करिशमा एक दूसरे के लिए नहीं बने हैं. वे मेड फॉर ईच अदर टाइप नहीं थे. हमेशा झगड़ते थे. शायद कुछ लोग ऐसे ही होते हैं. मैं हमेशा हैरान रहता था, सोचता था क्या ये सच में एक दूसके के लिए बने हैं. अभिषेक स्वीट हैं और करिश्मा भी अच्छी हैं. पर शायद किस्मत ने उन दोनों के लिए कुछ और ही सोचा हुआ था.

सलमान खान और ऐश्वर्या राय

बॉलीवुड के नाकाम मोहब्बत की सूची में सलमान-ऐश्वर्या की दास्तां भी दर्ज है. 1999 में फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' के सेट से शुरू इश्क जल्द ही परवान चढ़ गई. लेकिन ये रिश्ते चल नहीं पाया और साल 2001 में दोनों का ब्रेकअप हो गया. ये ब्रेकअप काफी दर्द से भरा था. कहा जाता था कि सलमान ऐश्वर्या को लेकर कुछ ज्यादा ही पजेसिव थे. अक्सर ऐश्वर्या की फिल्मों के शूट्स तक में पहुंच जाया करते थे और उनकी हर चीज में दखल देते थे. ऐसे में ऐश्वर्या ने इस रिश्ते को खत्म कर दिया और बाद में अभिषेक बच्चन से शादी कर ली.

अक्षय कुमार और शिल्पा शेट्टी

खिलाड़ी अक्षय कुमार और शिल्पा शेट्टी एक दौर में एक-दूसरे से बहुत मोहब्बत किया करते थे पर इनका प्यार भी शादी के मुकाम पर पहुंचने से पहले ही बिखर गया. दरअसल शिल्पा की सहेली ट्विंकल की तरफ अक्षय का झुकना शिल्पा का दिल तोड़ गया. बाद के एक इंटरव्यू में शिल्पा ने माना कि यह जिंदगी का सबसे कठिन दौर था.

दिलीप कुमार और मधुबाला

मधुबाला और दिलीप कुमार का प्रेम खुली किताब की तरह था. दिलीप ने एक इंटरव्यू में कहा- 'लोगों को लगता है कि मधुबाला के पिता अताउल्ला खान उनकी शादी मुझसे होने नहीं देना चाहते थे, ऐसा नहीं था. अताउल्ला खान चाहते थे कि दिलीप कुमार और मधुबाला अपने करियर के अंत तक हाथों में हाथ डाले सिर्फ उन्हीं की प्रोडक्शन तले बने फिल्मों में काम करें जिससे मैंने इंकार कर दिया. अताउल्ला खान, मधुबाला और मेरे बीच इस विषय में काफी बात भी हुई, मधुबाला ने इसके विषय में कुछ नहीं कहा और मेरी परेशानी के बारे में नहीं सोचा. इसका नतीजा अच्छा नहीं हुआ.

महेश भट्ट और परवीन बाबी

महेश भट्ट और परवीन बाबी के बीच भी प्यार इस कदर परवान चढ़ा था कि महेश भट्ट ने अपनी पत्नी को छोड़कर परवीन के साथ रहना शुरू कर दिया था. बाद में परवीन बाबी की खराब सेहत की वजह से बात बिगड़ती चली गई और रिश्ता टूट गया.

राज बब्बर और स्मिता पाटिल

राज बब्बर ने स्मिता पाटिल के प्यार में अपने परिवार तक को छोड़ दिया था. भाग्य ने अपना खेल खेला और स्मिता पाटिल बच्चे को जन्म देते समय इस संसार से विदा हो गईं. स्मिता पाटिल के जाने से राज बब्बर बुरी तरह टूट गए थे.

नाना पाटेकर और मनीषा कोईराला

मनीषा कोइराला और शादीशुदा नाना पाटेकर के अफेयर की भी खूब चर्चा हुई. कहा जाता है कि मनीषा चाहती थीं कि नाना पाटेकर पत्नी को तलाक दे दें, मगर ऐसा हुआ नहीं. ऐसे में इनकी लव स्टोरी ने दम तोड़ दिया था.

ये भी अधूरे प्यार की दास्तां

संजय दत्त-माधुरी दीक्षित

बॉलीवुड के गलियारे में माधुरी दीक्षित और संजय दत्त की प्रेम कहानी भी खूब चर्चे में रही, हालांकि उन्होंने कभी भी अपने रिश्ते पर मुहर नहीं लगाई. जब संजय दत्त गिरफ्तार हो गए, तो दोनों ने आधिकारिक रूप से यह जरूर कह दिया कि उन दोनों के बीच कुछ भी नहीं था.

गोविंदा और नीलम

गोविंदा और नीलम भी फिल्मों में रोमांस करते करते कब असल जिंदगी में एक-दूसरे के हो गए, पता नहीं चला. लेकिन गोविंदा की मां को यह रिश्ता पसंद नहीं था और गोविंदा की शादी सुनीता से हो गई.

देव आनंद और जीनत अमान

देवानंद ने अपनी आत्मकथा 'रोमांसिंग विद लाइफ' में जिक्र किया है कि किस तरीके से वे जीनत अमान के प्यार में पड़ गए थे. कहा जाता है कि फिल्म 'इश्क इश्क-इश्क' के प्रीमियर के दौरान राज कपूर ने जीनत अमान को किस कर लिया था, जिससे देवानंद बड़े आहत हुए थे. इसके बाद जीनत अमान ने राज कपूर की फिल्म 'सत्यम शिवम सुंदरम' भी साइन कर ली थी, जिसके बाद देव आनंद ने जीनत अमान के साथ अपना रिश्ता ही तोड़ दिया था.

देव आनंद और सुरैया

देवानंद और सुरैया एक-दूसरे के प्यार में पड़ गए थे. जब शादी की बात आई, तो सुरैया अपने परिवार के खिलाफ जाकर देवानंद के साथ खड़े होने की हिम्मत नहीं जुटा पाईं.

12 दिन में तोड़ दी थी शादी

पूनम पांडे का सर्वाइकल कैंसर से 32 साल की उम्र में शुक्रवार को निधन हो गया. सोशल मीडिया पर 12 लाख फॉलोअर्स के साथ अक्सर निजी जिंदगी की झलकियां शेयर करते रहने वाली पूनम ने हाल ही इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें वह गोवा में क्रूज पार्टी में नजर आई थीं. ब्लैक और व्हाइट आउटफिट में पूनम एकदम फिट एंड फाइन दिखाई दे रही थीं. ऐसे में उनके अचानक निधन की खबर से फैंस हैरान हैं. आइए पूनम के बारे में जाने कुछ कहे-अनकहे किस्से...

मॉडलिंग से करियर की शुरुआत

कानपुर की पूनम पांडे 18 साल की उम्र में मॉडलिंग की दुनिया में आईं और देखते ही देखते वे कैलेंडर गर्ल्स की मॉडल बन गईं.

नशा से लॉकअप तक

2013 में फिल्म 'नशा' से पूनम पांडे ने अपना बॉलीवुड डेब्यू किया. 'द जर्नी ऑफ कर्मा', 'मालिनी एंड कंपनी' 'दिल बोले हडिप्पा' जैसे कई फिल्मों में काम किया. लेकिन ये फिल्में असफल रहीं. 'मेरी आशिकी तुमसे ही', 'नादानियां' जैसे कई टीवी शोज के अलावा वे टीवी के कई रियलिटी शोज में भी नजर आ चुकी हैं. आखिरी बार उन्हें कंगना रनौत के शो 'लॉकअप' पर देखा गया था.

क्रिकेट वर्ल्ड कप के दौरान मिली शोहरत

पूनम तब सुर्खियों में तब आईं, जब उन्होंने 2011 क्रिकेट विश्व कप जीतने पर भारतीय क्रिकेट टीम के लिए कपड़े उतारने का वादा किया. कपड़े तो नहीं उतारे लेकिन बाद में एक्ट्रेस ने अपने मोबाइल ऐप पर एक वीडियो अपलोड किया, जहां वह रात में वानखेड़े स्टेडियम में अपने कपड़े उतारती हुई दिखीं.

दो हफ्ते भी पति को झेल नहीं पाई

2020 में बॉयफ्रेंड सैम बॉम्बे संग शादी की. लेकिन 12 दिन बाद ही दोनों का रिश्ता टूट गया. पूनम ने सैम पर संगीन आरोप लगाए, जिसके बाद गोवा पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था.

मां की पिटाई

उन्हीं दिनों एक इंटरव्यू में पूनम ने खुद खुलासा किया था कि भारत के वर्ल्ड कप जीतने के बाद उनके घर पर जमकर ड्रामा हुआ था. उन्होंने बताया था, 'मेरे घर पे ड्रामा चालू. मेरी मां मार रही है, मेरे डैड परेशान हैं कि ये क्या किया तूने.' दरअसल आज से 13-14 साल पहले किसी युवती का भारत की जीत पर कपड़े उतारने का वादा करना एक बोल्ड बयान था, जिसके बाद पहली बार पूनम पांडे को अखबार और न्यूज चैनल में जगह मिली.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

डेविस कप : 60 साल बाद पाकिस्तान में ऐतिहासिक मुकाबले के लिए भारत तैयार

- डेविस कप के इतिहास में पाक के सामने अपाराजेय है भारत
- भारत ने अब तक खेले गए सभी सात मुकाबले में दर्ज की है जीत

पाकिस्तान के खिलाफ भारत का पलड़ा भारी

भाषा । इस्लामाबाद

अपने शीर्ष एकल खिलाड़ियों के बिना भी 60 साल बाद पाकिस्तान आई भारतीय डेविस कप टेनिस टीम का पलड़ा भारी सुरक्षा के बीच खेले जा रहे विश्व ग्रुप वन के इस ऐतिहासिक मुकाबले में भारी रहेगा. भारतीय टीम डेविस कप के इतिहास में कभी पाकिस्तान से नहीं हारी है और सभी सातों मुकाबले जीते हैं. पाकिस्तान अपने सबसे बड़े सितारों ऐसाम उल हक कुरैशी और अकील खान के साथ उतरा है जो ग्रासकोर्ट पर खेलते हुए भारत को चुनौती दे सकते हैं. पाकिस्तान ग्रासकोर्ट पर ही भारत को चुनौती दे सकेगा क्योंकि यही सतह उनके शीर्ष खिलाड़ियों को रास आती है. इस्लामाबाद के टेनिस कोर्ट अब तेज हैं जिन पर धीमी उछाल रहती है और इसी वजह से युगल विशेषज्ञ एन श्रीराम बालाजी को पहले दिन एकल मुकाबला खेलने के लिये कहा गया है. वह टीम के सर्वश्रेष्ठ एकल खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन के साथ इस वर्ग में चुनौती पेश करेंगे. भारत के पास निकी पूनाचा का भी विकल्प था लेकिन वह बालाजी से लंबे हैं और धीमी उछाल वाले ग्रासकोर्ट पर लंबे खिलाड़ियों को परेशानी होती है. उन्हें गेंद उठाने के लिये काफी झुकना पड़ता है जिससे उनकी लय बिगड़ती है. लिएंडर पेस ने भारत में डेविस कप खेलने आने वाले यूरोपीय खिलाड़ियों के खिलाफ इस रणनीति का बखूबी इस्तेमाल किया. बालाजी के पास अनुभव भी है जिससे वह पाकिस्तान का उसकी सरजमीं पर सामना करने का दबाव झेल सकते हैं. उन्होंने हाल ही में ऑस्ट्रेलियाई ओपन खेला और यहां आने से पहले दिल्ली में एक सप्ताह के शिविर में भाग लिया.

भारत-पाकिस्तान के मुकाबले

तीन फरवरी

- **पहला एकल :** रामकुमार रामनाथन बनाम ऐसाम उल हक कुरैशी
- **दूसरा एकल :** अकील खान बनाम श्रीराम बालाजी

चार फरवरी

- **युगल :** बरकतुल्लाह और मुजम्मिल मुर्तजा बनाम युकी भांबरी और साकेत माइनेनी
- **पहला उलट एकल :** रामकुमार रामनाथन बनाम अकील खान
- **दूसरा उलट एकल :** ऐसाम उल हक कुरैशी बनाम श्रीराम बालाजी

यहां घूमने नहीं, अच्छा टेनिस खेलने आये हैं : कप्तान जीशान अली

भारत के डेविस कप टीम के कप्तान जीशान अली को शुक्रवार को कई अटपटे और हैरानी भरे सवालों का सामना करना पड़ा जिसमें 'क्रिकेट सहित अन्य भारतीय टीमें पाकिस्तान का दौरा क्यों नहीं करतीं' और 'पाकिस्तान में शॉपिंग (खरीदारी और सैर-सपाटा) के अनुभव' के बारे में पूछना शामिल रहा. लगभग 60 साल बाद डेविड का मुकाबले के लिए पाकिस्तान गयी भारतीय टीम दरअसल अब तक अपने होटल से बाहर कड़ी सुरक्षा में सिर्फ इस्लामाबाद खेल परिसर में अभ्यास के लिए ही आयी है. जीशान ने हालांकि रणनीतिक तरीके से इन सवालों का जवाब दिया. उन्होंने उम्मीद जताई कि टीम को संक्षिप्त दौरे पर कहीं बाहर जाने का मौका मिलेगा. उन्होंने हालांकि इस दौरे पर टीम के मकसद के बारे में ज्यादा करते हुए कहा कि टीम यहां अच्छा टेनिस खेलने आयी है. 'शॉपिंग' के बारे में पूछे जाने पर जीशान ने कहा कि हम कहीं बाहर नहीं गए हैं. मुझे उम्मीद है कि कुछ समय के लिए बाहर जाने की व्यवस्था की जा सकती है. भारतीय कोच एवं कप्तान की भूमिका निभा रहे इस पूर्व खिलाड़ी ने कहा कि खेल के लिहाज से हमारा यहां आना इस क्षेत्र में टेनिस के लिए बहुत अच्छा होगा. अगर अधिक बच्चे इस खेल को अपनाएंगे तो इससे टेनिस को फायदा होगा और यही हमारा मुख्य इरादा है.

ब्रीफ खबरें

शमार को अंतरराष्ट्रीय रिटेनर अनुबंध मिला

सिडनी । वेस्टइंडीज की आस्ट्रेलिया पर जीत में शानदार भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज शमार जोसफ के अनुबंध को अपग्रेड करके 'अंतरराष्ट्रीय रिटेनर' का कर दिया गया. अब वह क्रिकेट वेस्टइंडीज से उसी तरह के रिटेनर अनुबंध से जुड़ गये हैं जैसे क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और अन्य क्रिकेट खेलने वाले देश अपने खिलाड़ियों से केंद्रीय अनुबंध करते हैं. इस तरह का अनुबंध नियमित रूप से अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले खिलाड़ियों को मिलता है. जोसफ को पहले फ्रेंचाइजी अनुबंध मिला हुआ था और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो मैच की टेस्ट शृंखला से पहले उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला था.

गोल्फ : अवनी प्रशांत पांचवें स्थान पर

पटाया । भारत की अवनी प्रशांत शुक्रवार को यहां महिला अमेच्योर एशिया-पैसिफिक गोल्फ चैंपियनशिप के दूसरे दौर में तीन-अंडर 69 का कार्ड खेलने के बाद तालिका में शीर्ष पांच में बनी हुई है. अवनी ने पहले छह होल में तीन बर्डी के साथ शानदार शुरुआत की, लेकिन वह इस लय को जारी नहीं रख सकी और अगले 12 होल में एक और बर्डी के मुकाबले एक बोगी कर बैठी. दो दौर के बाद उनका कुल स्कोर सात अंडर है. वह चीन की याहुई (69) के साथ संयुक्त पांचवें स्थान पर हैं. अवनी तालिका में शीर्ष पर काबिज ताइवान की चुन-वेई वू से पांच शॉट पीछे है.

मर्सीडीज छोड़कर फेरारी से जुड़ेंगे लुईस हैमिल्टन

लंदन । लुईस हैमिल्टन ने इस सत्र के आखिर में मर्सीडीज छोड़कर फेरारी में जाने का फैसला लेकर मोटरस्पोर्ट्स जगत को हैरान कर दिया है. हैमिल्टन ने अगस्त के आखिर में मर्सीडीज के साथ करार दो साल के लिये बढ़ाया था लेकिन नये करार में उन्होंने 'रिलीज' का प्रावधान रखा था जिससे वह 2025 में फेरारी से जुड़ सकेंगे. उन्होंने टीम द्वारा जारी एक बयान में कहा कि इस टीम के साथ 11 साल बेहतरीन रहे हैं. मुझे इस पर गर्व है. मैं जब 13 साल का था, तभी से मर्सीडीज मेरे जीवन का हिस्सा है. मैं यहीं बड़ा हुआ और इसे छोड़ने का फैसला काफी कठिन था.

दूसरा टेस्ट : स्टंप तक भारतीय टीम ने छह विकेट पर 336 रन बनाए

यशस्वी भव:

भाषा । विशाखापत्तनम

युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की आत्मविश्वास से भरी नाबाद 179 रन की पारी की बदौलत भारत ने शुक्रवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन स्टंप तक छह विकेट पर 336 रन बना लिये. जायसवाल (257 गेंद) ने अपनी मजबूत शुरूआत को बड़े शतक में तब्दील किया जिससे निकट भविष्य में उन्होंने शीर्ष क्रम में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया. वहीं अन्य भारतीय खिलाड़ी बल्लेबाजी के मुफीद परिस्थितियों का फायदा नहीं उठा सके. बायें हाथ के 22 वर्षीय बल्लेबाज जायसवाल ने सुबह 89 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया और फिर 62 गेंद खेलकर अपना दूसरा टेस्ट शतक जमाया. इससे 10वीं टेस्ट पारी में उनके नाम दो शतक और इतने ही अर्धशतक हो गये हैं. जायसवाल ने पिछले साल कैरेबियाई सरजमीं पर अपने टेस्ट पदार्पण में 171 रन बनाये थे. जायसवाल ने अभी तक अपनी पारी में 17 चौके और पांच छक्के जड़ दिये हैं. स्टंप तक आर अश्विन पांच रन बनाकर दूसरे छोर पर उनका साथ निभा रहे थे. भारत ने अंतिम सत्र में तीन विकेटगंवाकर 111 रन जोड़े जिसमें अक्षर पटेल (51 गेंद में 27 रन) और केएस भरत (23 गेंद में 17 रन) शामिल थे. इंग्लैंड की ओर से पदार्पण कर रहे शोएब बशीर और रेहान अहमद ने दो दो विकेट झटके. जायसवाल ने दूसरे सत्र में आकर्षक स्ट्रोक्स खेलकर पारी का रूख ही बदल दिया जिसमें भारत ने 32 ओवर में 122 रन जुटाये. श्रेयस अय्यर (59 गेंद में 27 रन) दोपहर के सत्र में आउट होने वाले एकमात्र बल्लेबाज रहे. जायसवाल की पारी की सबसे खास बात उनकी सहजता से मैदानी शॉट और हवा में शॉट लगाना रही. बायें हाथ के स्पिनर टॉम हार्टले पर लांग आन में छक्का लगाकर अपने शतक तक पहुंचने से उनका बेखौफ रवैया साफ दिखाई दिया. उन्होंने जश्न मनाने के लिए अपने हाथ उठाये और दर्शकों और टीम के साथियों ने भी तालियां बजाकर खुशी जतायी. जायसवाल ने अपनी पारी के शुरू में स्पिनरों के खिलाफ काफी कट शॉट खेले लेकिन दूसरे सत्र में उन्होंने ड्राइव और उठाकर लगाये गये शॉट से रन बनाये.

> मैं सत्र दर सत्र खेलना चाहता था. जब वे अच्छी गेंदबाजी कर रहे थे तो मैं उस स्पैल को खत्म होने देना चाहता था, लेकिन मैं ढीली गेंदों को भी रन में बदलकर अंत तक खेलते रहना चाहता था
> - यशस्वी जायसवाल

179 रन बनाकर नाबाद हैं यशस्वी जायसवाल

17 चौके व 5 छक्के जड़े यशस्वी ने अब तक अपनी पारी में

पाटीदार, कुलदीप और मुकेश को मिला मौका

भारतीय टीम में केएल राहुल, रविंद्र जडेजा और मोहम्मद सिराज की जगह रजत पाटीदार, कुलदीप यादव और मुकेश कुमार को उतारा गया. हैदराबाद में अपने विकेट गंवाने के दोषी रोहित और जायसवाल ने धीमी शुरूआत की. पहले 16 ओवर में सिर्फ 40 रन बने. इंग्लैंड ने टीम में एकमात्र तेज गेंदबाज एंडरसन और आफ स्पिनर जो रूट से शुरूआत कराई. एंडरसन ने पहले पांच ओवर में छह ही रन दिये.

पदार्पण मैच में पाटीदार ने बनाए प्रभावशाली 32 रन

पदार्पण कर रहे रजत पाटीदार ने प्रभालशाली पारी खेली. पटीदार ने 72 गेंद में 32 रन बनाए. पाटीदार लेग स्पिनर रेहान अहमद की गेंद को डिफेंड करने की कोशिश की लेकिन बोल्ड हो गये. पांच मैच की शृंखला में 1-0 से पिछड़ रही भारतीय टीम दूसरे दिन इस स्कोर को कम से कम 500 रन तक पहुंचाना चाहेगी ताकि इंग्लैंड के बल्लेबाजों को ऐसी पिच पर दबाव में ला सके जिस पर तीसरे दिन से 'वैरिएबल' उछाल आने की उम्मीद है. शुरूआती दिन कुछेक गेंद नीची रही, वर्ना हालात बल्लेबाजों के मुफीद थे.

किफायती रहे अनुभवी एंडरसन

अनुभवी जेम्स एंडरसन पिछले साल जुलाई के बाद से अपना पहला मैच खेल रहे हैं. वह इंग्लैंड के लिए काफी प्रभावी और किफायती रहे जिन्होंने 17 ओवर में तीन मेडन से 30 रन देकर एक विकेट लिया. इंग्लैंड के कम अनुभवी स्पिन आक्रमण में पदार्पण कर रहे शोएब बशीर, टॉम हार्टले, रेहान अहमद और जो रूट पिच से ज्यादा फायदा नहीं उठा सके. बशीर ने स्पिनरों में अच्छा प्रदर्शन किया, वह अपनी लंबी कद काठी की वजह से ज्यादा उछाल हासिल कर सके. बशीर को पहले सत्र में रोहित का विकेट मिला और दिन के अंत में उन्होंने अक्षर पटेल को आउट किया.

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज की टीम को आठ विकेट से हराया

डेब्यू कर रहे बार्टलेट ने की शानदार गेंदबाजी

भाषा । मेलबर्न

तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट ने अपने पहले वनडे मैच में 17 रन देकर चार विकेट चटकाए जिससे ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की शृंखला के शुरुआती वनडे में शुक्रवार को यहां 69 गेंद शेष रहते हुए वेस्टइंडीज को आठ विकेट से शिकस्त दी. एक दिन पहले कोविड-19 जांच में मामूली रूप से संक्रमित पाए गये जोश इंग्लिस ने 43 गेंदों में 65 रनों की आक्रामक पारी खेली. पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर वेस्टइंडीज की टीम 48.4 ओवरों में 231 रन पर आउट हो गई. बार्टलेट ने अपने शुरुआती स्पैल में तीन विकेट झटके जिससे वेस्टइंडीज ने 59 रन तक चार विकेट गंवा दिया.ऑस्ट्रेलिया के लिए यह पदार्पण मैच में किसी गेंदबाज का दूसरा सबसे अच्छा एकदिवसीय आंकड़ा है. इंग्लिस की आक्रामक पारी के बाद कप्तान स्टीव स्मिथ (नाबाद 79) और कैमरून ग्रीन (नाबाद 77) के शानदार नाबाद अर्धशतकों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 38.3 ओवर में दो विकेट पर 232 रन का स्कोर बना लिया. बार्टलेट ने पदार्पण कर रहे एक अन्य तेज गेंदबाज लांस मॉरिस के साथ एमसीजी की तेज गेंदबाजों की मददगार पिच पर शानदार गेंदबाजी की. यह 1997 (गाबा में एंडी बिकेल और एंथोनी स्टुअर्ट) के बाद पहला मौका है जब ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण का आगाज दो नये तेज गेंदबाजों ने किया. बार्टलेट ने अपनी तीसरी गेंद पर ही जस्टिन ग्रीव्स के ऑफ स्टंप को उखाड़ दिया। उन्होंने इसके बाद एलिक एथेनाज और कप्तान शाई होप को पवेलियन की राह दिखाई जिससे वेस्टइंडीज का स्कोर तीन विकेट पर 37 रन हो गया. केसी कार्टी (88) और रोस्टन चेस (59) ने इसके बाद पांचवें विकेट के लिए शतकीय साझेदारी कर टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया. कार्टी हालांकि सीन एबोट के शानदार थ्रो पर रन आउट होने के कारण शतक पूरा करने से चूक गये.

एसजीएफआई खो-खो प्रतियोगिता

झारखंड ने रोमांचक मुकाबले में पश्चिम बंगाल को हराया

- बालक वर्ग में झारखंड ने पश्चिम बंगाल को 20-19 से हराया
- बालिका वर्ग में में गुजरात से हारी झारखंड की टीम

खेल संवाददाता । रांची

झारखंड की मेजबानी में आयोजित एसजीएफआई अंडर-14 खो-खो प्रतियोगिता में झारखंड ने रोमांचक मुकाबले में पश्चिम बंगाल को हराया. खेलगांव में खेले जा रहे 67वीं राष्ट्रीय स्कूल खेल प्रतियोगिता के तीसरे दिन पश्चिम बंगाल और झारखंड के बीच हुए बालक वर्ग खो-खो मुकाबले में कांटे की टक्कर हुई. जिसमें झारखंड की टीम ने रोमांचक मुकाबले में पश्चिम बंगाल को 1 अंक से पराजित किया. झारखंड ने इस मुकाबले को 20-19 से जीता. वहीं बालिका वर्ग में झारखंड की टीम को गुजरात के हाथों हार का सामना करना पड़ा. गुजरात की टीम ने झार को चार अंकों से पराजित किया.

बयां किया दर्द

क्रिकेट करियर के शुरुआती दिन थे काफी कठिन, घुटता था दम

धौनी से तुलना चुभती है, लेकिन उनके जैसा कोई नहीं: पंत

भाषा । नयी दिल्ली

महेंद्र सिंह धौनी लंबे समय से ऋषभ पंत के मार्गदर्शक रहे हैं लेकिन एक ऐसा भी समय था जब भारत के पूर्व कप्तान से लगातार तुलना से वह इतने दबाव में आ जाते थे कि उनका 'दम घुटने' लगता था. दिसंबर 2022 में भयावह कार हादसे में चोटिल हुए पंत अभी भी पूरी तरह फिट नहीं हैं. धौनी ही ऐसा शख्स हैं जिनसे वह जीवन की हर बात साझा करते हैं. उन्होंने स्वीकार किया कि करियर के शुरूआती दिनों में धौनी से तुलना उनके लिये काफी कठिन थी. पंत ने 'स्टार स्पोर्ट्स' की एक सीरिज में कहा कि मुझे बहुत बुरा लगता था. मैं 20-21 साल का था और कमरे में जाकर रोता था. इतना तनाव होता था कि मैं सांस नहीं ले पाता था. इतना दबाव था कि लगता था कि अब क्या करूं. मोहाली में मैंने स्टंपिंग का एक मौका गंवाया तो दर्शक धौनी धौनी चिल्लाने लगे. पंत ने कहा कि एम एस के साथ मेरे संबंध को मैं समझा नहीं सकता. ऐसा कोई होता है जिससे आप सब कुछ साझा कर सकते हैं. मैंने एमएस के साथ हर चीज पर बात की है. मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है. उन्होंने कहा कि मैं उनसे ऐसी चीजों पर भी बात करता हूं जो किसी और के साथ नहीं कर पाता. मेरा उनसे इस तरह का संबंध है.

धौनी से तुलना करना मेरे साथ अन्याय

- पंत ने कहा- कमरे में जाकर रोता था
- तनाव के कारण सांस नहीं ले पाता था

पंत ने कहा कि मुझे समझ ही नहीं आता था कि उनके साथ तुलना क्यों होती है. मैं टीम में आया ही था और लोग विकल्प की बात करने लगे थे. एक युवा से ऐसे सवाल क्यों किये जा रहे थे. यह तुलना क्यों हो रही थी. ऐसा होना नहीं चाहिये था. एक ने पांच मैच खेले हैं और दूसरे ने 500. उनका इतना लंबा सफर रहा है तो यह तुलना बेमानी थी. पंत ने कहा कि वह युवराज सिंह जैसे सीनियर के भी हमेशा ऋणी रहेंगे जिन्होंने टीम में आने पर उन्हें सहज महसूस कराया. उन्होंने कहा कि मैं बहुत छोटा था और टीम में कई सीनियर खिलाड़ी थे. युवराज सिंह, एम एस , सभी सीनियर थे. इसमें समय लगा लेकिन उन्होंने कभी सीनियर होने का अहसास नहीं कराया. उन्होंने मेरा स्वागत गर्मजोशी से किया और सभी नये खिलाड़ियों का करते हैं.

अस्मिता चालिहा सेमीफाइनल में

थाईलैंड मास्टर्स

- अस्मिता ने इंडोनेशिया की नुरूमी को हराया
- 21-14, 19-21, 21-13 से अस्मिता ने दर्ज की जीत

भाषा । बैंकॉक

भारत की अस्मिता चालिहा ने शुक्रवार को यहां शानदार प्रदर्शन के बूते इंडोनेशिया की ईस्टर नुरूमी वार्डोयो को सीधे गेम में हराकर थाईलैंड मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल सेमीफाइनल में प्रवेश किया. मिथुन मंजूनाथ के पुरुष एकल क्वार्टरफाइनल में तथा त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद के महिला युगल के अंतिम चरण में हारने के बाद 24 वर्षीय चालिहा ही सुपर 300 टूर्नामेंट में एकमात्र भारतीय बची हैं. दुनिया की 61वें नंबर की खिलाड़ी चालिहा ने क्वालीफायर से मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया था. उन्होंने 57 मिनट तक चले मुकाबले में 44वीं रैंकिंग की वार्डोयो को 21-14 19-21 21-13 से पराजित किया. अब वह सेमीफाइनल में चौथी वरीय थाईलैंड की सुपानिडा काटेथोंग और चीनी ताइपे की वेन चि सु के बीच होने वाले मैच की विजेता से भिड़ेंगी. त्रिसा और गायत्री की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी को एक घंटे सात मिनट तक चले अंतिम आठ के मैच में इंडोनेशिया की फेब्रियाना द्वीपुजी कुसुमा और अमालिया काहाया प्राटिवी की चौथी वरीय जोड़ी से 12-21 21-17 21-23 से हार मिली.

पुरुष एकल में राष्ट्रीय चैंपियन और दुनिया के 63वें नंबर के खिलाड़ी मंजूनाथ को 43 मिनट तक चले क्वार्टरफाइनल में नीदरलैंड के मार्क कालिजोऊ से 19-21 15-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी.

ब्रीफ खबरें

पैसों के बल पर चुनाव जीतते हैं अजीत शर्मा : गोपाल मंडल

भागलपुर। हमेशा अपने विवादित बयानों से सुर्खियों में रहनेवाले जदयू के गोपालपुर विधायक गोपाल मंडल ने शुक्रवार को कहा कि मैं 2024 का लोकसभा चुनाव तीन लाख वोट से जीतूंगा और सांसद की कुर्सी पर विराजमान होऊंगा. उन्होंने भागलपुर के कांग्रेस विधायक अजीत शर्मा पर पैसे के बल पर चुनाव जीतने का आरोप लगाया और कहा कि मेरे सामने कांग्रेस का कोई वजूद नहीं है. 2024 के लोकसभा चुनाव में मेरी जीत पक्की और मैं ये करके दिखाउंगा.

अपराधियों ने किशोर की चाकू गोद कर हत्या की

कैमूर। कैमूर जिले में अपराधियों ने किशोर को फोन कर बुलाया और फिर चाकू घोंपकर उसकी हत्या कर दी. इस घटना के बाद से लोगों में दहशत का माहौल हो गया है. मिली जानकारी के अनुसार, मामला सोनहन थाना क्षेत्र के खैरा गांव का है. जहां खैरा गांव के एक किशोर की चाकू मार कर हत्या कर दी गई है. वहीं, उसका शव एक दिन बाद गांव के ही एक मकान से मिला है. शव मिलने के बाद से परिजनों में कोहराम मचा गया है. मृतक की पहचान खैरा गांव निवासी राम कुमार के 14 वर्षीय पुत्र सुजीत राम के रूप में की गई है. वहीं, घटना की सूचना मिलते ही भभुआ जिला परिषद सदस्य विकास सिंह उर्फ लल्लू पटेल खैरा गांव पहुंचे.

युवक की हत्या कर चौराहे पर रखा शव

पटना। मुजफ्फरपुर जिले के तुर्की ओपी थाना क्षेत्र के बडा सुमेरा गांव में अज्ञात अपराधियों ने एक युवक की हत्या कर दी. साथ ही उसके शव को सुमेरा चौक पर रख दिया. उसकी पहचान सुमेरा गांव के निवासी नागेश्वर शाह के 26 वर्षीय पुत्र रंजन कुमार के रूप में हुई. घटना की सूचना मिलते ही तुर्की ओपी थाना अध्यक्ष रवि प्रकाश दलबल के साथ मौके पर पहुंचे. घटनास्थल पर डॉग स्क्वायड की टीम जांच-पड़ताल कर रही है. हालांकि, हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है.

जीतनराम मांझी का प्रेशर पॉलिटिक्स, बोले-

महागठबंधन ने मुझे सीएम बनने का दिया था ऑफर

संवाददाता। पटना

पूर्व मुख्यमंत्री पूर्व सीएम जीतन राम मांझी ने मंत्रिमंडल को लेकर शुक्रवार को बड़ा बयान दिया. उन्होंने कहा कि कम से कम एक मंत्रिमंडल और मिलना चाहिए. निर्दलीय को मनचाहा मंत्रिमंडल का विभाग मिल रहा है. 'हम' पार्टी से अनिल कुमार सिंह को मंत्री बनाया जाए. इस मुद्दे को लेकर मैंने अमित शाह, नीतीश

कुमार और नित्यानंद राय सहित अन्य नेताओं बात की है. मुझे महागठबंधन की तरफ से सीएम का ऑफर दिया गया था, लेकिन मैंने उसे ठुकरा दिया. मुझे दो मंत्रालय नहीं मिला तो यह मेरे साथ अन्याय होगा. मांझी ने कहा पैसा और पद से नहीं तौला जा सकता है इसलिए मैं एनडीए के साथ हूं. 44 सालों से राजनीति में हूं अब तक सुबह में शपथ होती थी और शाम में मंत्रिमंडल का बंटवारा हो जाता था, लेकिन अब तक नहीं होना इससे मुझे भी लगता है कहीं न कहीं कुछ है. वहीं, जहां तक मंत्रिमंडल विस्तार की बात है तो इसमें दो से तीन घटक दल है. जदयू की तरफ से कोई बात नहीं है लेकिन बीजेपी के तरफ से कोई बात हो सकती है. पांच फरवरी तक मंत्रिमंडल का विस्तार हो सकता है.

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी बोले-

जल्द होगा मंत्रालय का बंटवारा

पटना। बिहार में नई सरकार बन गई है लेकिन अभी तक विभागों का बंटवारा नहीं हो सका है. विपक्ष के नेता अब एनडीए पर हमला कर रहे हैं कि विभागों को लेकर पेंच फंसा है. अब शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि जल्द मंत्रालय का बंटवारा हो जाएगा. नीतीश कुमार को करना है. एक सवाल के जवाब में कहा कि आगे के दिनों में कैबिनेट का विस्तार भी होगा. राजद कह रही है कि पांच दिन हो गए विभागों का बंटवारा नहीं हो सका है. इस पर सम्राट चौधरी ने कहा, राजद का जो इतिहास जानते हैं उनको पता होना चाहिए कि वो तो 1995 में 12 मंत्रालय में ही डेढ़ साल तक सरकार चलाते रहे. अभी तो हमलोग 9 मंत्री हैं. दो-दो उपमुख्यमंत्री हैं. आगे भी जल्द ही विस्तार होगा. बता दें कि जगदेव प्रसाद की जयंती पर उन्हें नमन करने के बाद चौधरी पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे. अरविंद केजरीवाल को समन भेजे जाने पर चौधरी ने जवाब देते हुए कहा कि भ्रष्टाचारी नहीं बच सकते हैं ये गारंटी है. नरेंद्र मोदी की सरकार की स्पष्ट तौर पर गारंटी है कि जो भ्रष्टाचार करेगा उसको जेल जाना पड़ेगा. वहीं, ज्ञानवापी में पूजा शुरू होने पर उन्होंने कहा कि अच्छी बात है. भगवान की पूजा शुरू हो गई है. बता दें कि 2022 में जब नीतीश कुमार ने फिर यू-टर्न लिया तो उन्होंने तेजस्वी यादव और 31 मंत्रियों के साथ 9 अगस्त 2022 को शपथ ली थी और उसी दिन विभागों का बंटवारा भी कर दिया था. सूत्रों का कहना है कि नीतीश कुमार बीजेपी को वे विभाग देना चाहते हैं, जो पहले राजद और कांग्रेस के पास थे, लेकिन बीजेपी गृह और सामान्य प्रशासन चाहती है. ऐसे में राजद इसी को लेकर कह रही है कि विभागों के बंटवारे में पेंच फंसा हुआ है.

सड़क दुर्घटना के पीड़ितों के लिए शुरू हुआ न्यायाधिकरण

सात प्रमंडलों में मोटरवाहन दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण का गठन

विशेष संवाददाता। पटना

बिहार में सड़क हादसा पीड़ितों एवं मृतकों के आश्रितों को मुआवजा के त्वरित भुगतान के लिये राज्य में सात मोटरवाहन दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण का गठन किया गया है. परिवहन सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. अग्रवाल ने कहा कि प्रमंडलीय डर पर गठित न्यायाधिकरण द्वारा सड़क हादसा पीड़ितों एवं मृतकों के आश्रितों को मुआवजा भुगतान हेतु त्वरित मामलों का निबटारा किया जायेगा. सड़क दुर्घटना पीड़ितों एवं दुर्घटना के फलस्वरुप मृतकों को ससमय मुआवजा मिल सके और इसके लिए कहीं दौड़-भाग नहीं करना पड़े इसके लिए राज्य में बिहार मोटरवाहन दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण का गठन किया है. शुक्रवार को परिवहन परिसर, फुलवारी शरीफ में एक दिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यशाला सह प्रशिक्षणक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन परिवहन सचिव संजय अग्रवाल और सभी न्यायाधिकरण के अध्यक्षों ने संयुक्त रुप से किया. पटना के अलावा गया, सारण, मुजफ्फरपुर एवं दरभंगा प्रमंडल के लिए एक-एक तथा भागलपुर एवं मुंगेर प्रमंडल (मुख्यालय भागलपुर) के लिए संयुक्त रुप से एक तथा पूर्णिया एवं सहरसा प्रमंडल (मुख्यालय पूर्णिया) के लिए संयुक्त रुप से एक दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण का गठन किया गया है. न्यायाधिकरण के अध्यक्ष पद पर पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश को नियुक्त किया गया है, जबकि अपर जिला परिवहन पदाधिकारी न्यायाधिकरण के सचिव बनाये गये हैं.

समस्तीपुर में राजद नेता की संदिग्ध मौत

समस्तीपुर। समस्तीपुर जिले के मुसरीघरारी थाने के हरपुर एलौथ गांव के पास राजद नेता रंजीत राय की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई. जबकि उनके मित्र सुनील कुमार का उपचार निजी अस्पताल में चल रहा है. घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है. बताया गया है कि रंजीत राय और सुनील सड़क किनारे घायल स्थिति में मिले थे. मौके पर एक बाइक भी मिली है. हालांकि रंजीत राय के शरीर पर कहीं जख्म का निशान नहीं है. उधर, घटना की सूचना मिलते ही सदर अस्पताल में बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई. पुलिस भी मौके पर पहुंचकर छानबीन कर रही है. मृतक रंजीत मुसरीघरारी के बथुआ बुजुर्ग गांव के रहने वाले थे. सुनील कुमार मोहनपुर गांव के रहने वाले हैं.

भ्रष्टाचारियों का कुनबा बना 'घमंडिया' गठबंधन : प्रभाकर

विशेष संवाददाता। पटना

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर कुमार मिश्र ने कहा कि 'घमंडिया'गठबंधन भ्रष्टाचारियों का कुनबा है. बिहार, झारखंड, दिल्ली और बंगाल तक जहां नजर डालें, 'घमंडिया' गठबंधन के नेताओं की पहली पहचान भ्रष्टाचारी के रूप में है. मिश्र ने शुक्रवार को कहा कि बिहार की बात तो और निराली है, जहां एक नहीं बल्कि 'घमंडिया' गठबंधन के एक दल का पूरा परिवार ही भ्रष्टाचार में आकंठ डूबा है. बाप-बेटे से लेकर मां और बहन तक सभी ईडी के रडार पर हैं. आज पिता से पूछताछ होती है, तो कल पुत्र से. वहीं, झारखंड में भी बिहार से मिलती-जुलती है. जमीन घोटाले में 'घमंडिया' गठबंधन के एक दल नेता और राज्य के 'अभूतपूर्व' मुख्यमंत्री को जेल जाना पड़ा और इशारों पर नाचने वाले एक नेता को मुख्यमंत्री के पद पर बैठा दिया. लेकिन, इससे झारखंड मुक्ति मोर्चा के भ्रष्ट इस भ्रष्ट नेता को मुक्ति नहीं मिलने वाली. सुप्रीम कोर्ट ने भ्रष्टाचार के मामले में हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को वैध ठहरा दिया है.

मिश्र ने कहा कि वहीं, दिल्ली के मुख्यमंत्री के साथ पूरी दिल्ली सरकार ही भ्रष्टाचार की दलदल में गोते लगा रही है. बंगाल में भ्रष्टाचार पर मचा बवाल पूरा देश देख चुका है, जहां टीएमसी के गुंडे जांच एजेंसियों के अधिकारियों पर भी जानलेवा हमला कर देते हैं.

उपेंद्र कुशवाहा ने नीतीश से की मुलाकात

संवाददाता। पटना

एनडीए में वापसी पर दी बधाई

राष्ट्रीय लोक जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा शुक्रवार को अचानक मुख्यमंत्री आवास पहुंचे. कुशवाहा ने मुख्यमंत्री आवास जाकर नीतीश कुमार से मुलाकात की है. एनडीए की सरकार बनने के बाद कुशवाहा और नीतीश की ये पहली मुलाकात है. मुख्यमंत्री से हुई मुलाकात के बारे में कुशवाहा ने सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी दी है. पार्टी के नेताओं का भी कहना है कि यह औपचारिक मुलाकात थी. नीतीश कुमार के एनडीए में आने और फिर से मुख्यमंत्री बनने के बाद बधाई देने गए थे.बता दें कि बिहार में लोकसभा की 40 सीटों पर चुनाव होना है और अभी तक एनडीए में सीट का बंटवारा नहीं हुआ है. नीतीश के एनडीए में आने के बाद कुशवाहा की नजर भी जहानाबाद और काराकाट सीट पर है. कुशवाहा जदयू से निकलने के बाद लगातार नीतीश कुमार पर इस बात को लेकर हमला कर रहे थे कि 2025 में तेजस्वी के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव लड़ने की घोषणा कर जदयू को राजद के हवाले कर दिया है.

पटना जंक्शन के पार्सल यार्ड में लगी आग

पटना। पटना जंक्शन के पार्सल यार्ड परिसर में आग लग गयी. इसकी सूचना फायर ब्रिगेड की टीम को दी गयी. सूचना पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया. हालांकि कुछ देर के लिए यह पर दहशत फैल गयी. बताया जाता है कि पटना जंक्शन के पार्सल यार्ड से अचानक आग की लपटें निकलने लगी. मौजूद कर्मियों ने सामानों को सुरक्षित बाहर निकालना शुरू कर दिया. हालांकि मौके पर पहुंची दमकल की तीन गाड़ियों ने जल्द ही आग पर काबू पा लिया. पार्सल यार्ड के मुख्य पर्यवेक्षक सुभाष चंद्र सिंह ने कहा कि एक बड़ी घटना होने से टल गई है.

मायकेवालों ने ससुरालवालों पर लगाया आरोप

वैशाली :नवविवाहिता का शव संदिग्ध हालत में कमरे में मिला

संवाददाता। वैशाली

वैशाली जिले के महुआ थाना क्षेत्र के कन्हौली बाजार में नवविवाहिता का शव संदिग्ध हालत में कमरे में मिला है. महिला की पहचान रेणू कुमारी (24) के रूप में हुई है. वह समस्तीपुर के पूसा थाना क्षेत्र के महमदा गांव की थी. आठ महीने पहले उसकी शादी कन्हौली गांव निवासी विपुल पासवान के बेटे नीरज के साथ हुई थी. लड़की के मायकेवालों ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है. मायकेवालों का कहना है कि रेणू का पति और उसके ससुराल वाले उसके साथ मारपीट करते थे. रेणू ने अपने मायकेवालों से कई बार इसकी शिकायत भी की थी. जानकारी के अनुसार, स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी महिला के मायके वालों को फोन पर दी थी. सूचना मिलते ही सभी उसके ससुराल पहुंचे तो देखा कि उसका शव कमरे में पड़ा है. इसके बाद परिजनों की सूचना पर महुआ थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और आगे की कार्रवाई जुट गयी है.

बीपीएससी टीआरई का सप्लीमेंट्री रिजल्ट जारी

पटना। बिहार लोक सेवा आयोग ने शिक्षक भर्ती के दूसरे चरण की परीक्षा का सप्लीमेंट्री रिजल्ट जारी कर दिया है. इसमें 739 शिक्षक अभ्यर्थियों को सफलता मिली है. यह रिजल्ट पिछड़ा-अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के अंतर्गत आने वाले स्कूल में रिक्त हुए पद पर जारी किए गए हैं. इतना ही नहीं बीपीएससी ने हेडमास्टर के चार पदों पर भी रिजल्ट जारी कर दिया है. वहीं, छठी से आठवीं कक्षा में गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, हिन्दी और अंग्रेजी विषय का रिजल्ट जारी किया गया है. अभ्यर्थियों आयोग की वेबसाइट पर जाकर अपना रिजल्ट देख सकते हैं.

कारोबार

बिजलीघरों की आपूर्ति पांच प्रतिशत बढ़ी

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लि. ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-जनवरी अवधि में ताप बिजलीघरों को 50.9 करोड़ टन कोयले की आपूर्ति की. यह सालाना आधार पर 4.7 प्रतिशत अधिक है. कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने वित्त वर्ष 2022-23 की अप्रैल-जनवरी अवधि में ताप विद्युत संयंत्रों को 48.6 करोड़ टन की आपूर्ति की थी. सीआईएल की बढ़ी हुई आपूर्ति ने घरेलू कोयला आधारित बिजली संयंत्रों में भंडारण को जनवरी में 3.62 करोड़ टन के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचा दिया.

महिंद्रा ने अमरज्योति बरुआ को वित्त अधिकारी बनाया

मुंबई। महिंद्रा समूह ने अमरज्योति बरुआ को अपना समूह मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) नियुक्त किया है. कंपनी ने शुक्रवार को बयान में यह घोषणा करते हुए कहा कि वे इस साल 17 मई से कार्यभार संभालेंगे. बयान के अनुसार, बरुआ मनोज भट्ट का स्थान लेंगे, जिन्हें महिंद्रा हॉलीडेज एंड रिजॉर्ट्स इंडिया लिमिटेड (एमएचआरआईएल) के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कवीन्द्र सिंह के स्थान पर नियुक्त किया गया है.

राशि पेरिफेरल्स 295-311 रु. प्रति शेयर तय

नयी दिल्ली। सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उत्पादों के वितरण कारोबार से जुड़ी कंपनी राशि पेरिफेरल्स ने अपने 600 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 295-311 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है. कंपनी के बयान के अनुसार, आईपीओ सात से नौ फरवरी तक खुलेगा. बड़े (एंकर) निवेशक छह फरवरी को शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे. यह आईपीओ पूरी तरह से नए शेयरों पेशकश पर आधारित है और इसमें कोई बिक्री प्रस्ताव (ओएफएस) शामिल नहीं है. आईपीओ से मिली राशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने, कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा.

को-फाउंडर और सीईओ बायजू रवींद्रन को कंपनी से बाहर करने की मांग

बढ़ती जा रही हैं बायजू की मुश्किलें

भाषा । नयी दिल्ली

बढ़ा संकट

- बायजू की वैल्यू गिरकर 25 करोड़ डॉलर रह गई
- निवेशकों ने आम बैठक बुलाने की मांग की है

एक दशक पहले जब एडटेक कंपनी बायजू जब आयी थी तो इसकी काफी चर्चा हुई थी. कुछ ही समय में एडटेक क्षेत्र में कंपनी शीर्ष पर पहुंच गई. लेकिन हाल के कुछ महीनों में इसकी साख गिरनी शुरू हो गई. आज बायजू की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं. दो साल में इसकी वैल्यू 22 अरब डॉलर से गिरकर 25 करोड़ डॉलर रह गई है. इस बीच कंपनी के बड़े निवेशकों ने कंपनी के को-फाउंडर और सीईओ बायजू रवींद्रन को कंपनी से बाहर करने की मांग की है. उन्होंने बायजू की पेरेंट कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड को एक नोटिस भेजकर असाधारण आम बैठक बुलाने की मांग की है. उनका कहना है कि इसमें कंपनी के बोर्ड को नए सिरे से गठित करने और कंपनी की लीडरशिप में बदलाव पर चर्चा होनी चाहिए. अभी बायजू के बोर्ड में बायजू रवींद्रन, उनकी भाई रीजू रवींद्रन और पत्नी दिव्या गोकुलनाथ शामिल हैं.

इस बीच अमेरिका में बायजू की एक यूनिट ने अमेरिका में बैंकरप्सी प्रॉसीडिंग्स के लिए आवेदन किया है. बायजू की अल्फा यूनिट की एसेट्स 50 करोड़ से एक अरब डॉलर के बीच है. बायजू के निवेशकों में जनरल अटलांटिक, पीक-15 पार्टनर्स, सोफिना, चैन जुकरबर्ग इनिशिएटिव, आउल और सैंड्स शामिल हैं. बायजू में इनकी कुल मिलाकर करीब 30 प्रतिशत हिस्सेदारी है. उनका कहना है कि बायजू के शेयरधारकों के एक ग्रुप ने जुलाई और दिसंबर में भी बोर्ड की बैठक बुलाने का अनुरोध भी किया था, लेकिन इसे नजरअंदाज कर दिया गया. इन निवेशकों ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि हम कंपनी की मौजूदा हालत को देखते हुए उसके भविष्य को लेकर काफी चिंतित हैं. कंपनी की मौजूदा लीडरशिप और बोर्ड कंपनी को संभालने में नाकाम रहा है. बायजू लंबे समय से गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रही है और इसकी स्थिति लगातार विकट होती जा रही है. सूत्रों के मुताबिक, बायजू को बचाने के लिए रवींद्रन को बेंगलुरु स्थित दो घर और एक निर्माणाधीन विला गिरवी रखना पड़ा है. वह व्यक्तिगत स्तर पर 40 करोड़ डॉलर का कर्ज ले चुके हैं. इसके लिए उन्होंने कंपनी में अपने सारे शेयर दांव पर लगा दिए हैं. अब उनके पास कैश नहीं बचा है. फाइनेंशियल ईयर 2022 में बायजू की पेरेंट कंपनी को 8,245 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था जबकि कंपनी ने अब तक फाइनेंशियल ईयर 2023 का लेखाजोखा घोषित नहीं किया है. हाल में खबर आई थी कि मनिपाल एजुकेशन एंड मेडिकल ग्रुप के चेयरमैन रंजन पई आकाश इंस्टीट्यूट में सबसे बड़े शेयरहोल्डर बन गए हैं. बायजू की पेरेंट कंपनी थिंक एंड लर्न ने 2021 में आकाश इंस्टीट्यूट को 95 करोड़ डॉलर में खरीदा था.

सरकार खुदरा बाजार में 29 रुपये प्रति किलो पर बेचेगी 'भारत चावल'

नयी दिल्ली। सरकार आम आदमी को राहत देने के लिए अगले सप्ताह से खुदरा बाजार में 'भारत चावल' 29 रुपये प्रति किलोग्राम पर बेचेगी. साथ ही व्यापारियों को चावल के भंडारण का खुलासा करने का निर्देश दिया गया है. सरकार ने कीमतों को नियंत्रित करने के अपने प्रयासों के तहत ये कदम उठाए हैं. केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि विभिन्न किस्मों के निर्यात पर पाबंदियों के बावजूद पिछले एक साल में चावल की खुदरा और थोक कीमतों में करीब 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. उन्होंने कहा कि कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने दो सहकारी समितियों भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नाफेड) और भारतीय राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ (एनसीसीएफ) के साथ-साथ केन्द्रीय भंडार के जरिए खुदरा बाजार में रियायत वाले 'भारत चावल' को 29 रुपये प्रति किलोग्राम पर बेचने का फैसला किया है. ई-वाणिज्य मंच भी 'भारत राइस' बेचेंगे. उन्होंने कहा कि अगले सप्ताह से 'भारत राइस' के पांच किलोग्राम और 10 किलोग्राम के 'पैकेट' उपलब्ध होंगे. चोपड़ा ने कहा कि पहले चरण में सरकार ने खुदरा बाजार में बिक्री के लिए पांच लाख टन चावल आवंटित किया है.

कैट ने पेटीएम पर बंदिशों का किया समर्थन

कहा-ग्राहकों की सुरक्षा जरूरी

एजेंसी। नई दिल्ली

कारोबारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) द्वारा ऑनलाइन पेमेंट सर्विसेज मुहैया कराने वाले ''पेटीएम पेमेंट बैंक'' पर लगाई गई पाबंदियों का समर्थन किया है. कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि इस मामले में व्यापारियों और पेटीएम ग्राहकों को सचेत होकर आरबीआई की पाबंदियों के प्रभाव को समझना जरूरी है. उन्होंने कहा कि देश में डिजिटल पेमेंट करने वाले उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आरबीआई की ऐसी निगरानी जरूरी है. खंडेलवाल ने कहा कि वर्तमान में फिनटेक सेक्टर में जिस प्रकार से बड़ी कंपनियां, नियमों एवं कानूनों को धता बता रही हैं, उनका उल्लंघन कर रही हैं, ऐसे में केंद्रीय बैंक का यह आदेश बाजार की अखंडता को मजबूत करता है. रिजर्व बैंक द्वारा पेटीएम पर लगाई गई पाबंदियां, व्यापारियों एवं ग्राहकों के हित में हैं. उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक का सख्त निगरानी वाला कदम, देश में सभी के द्वारा नियम और विनियमों का पालन करने की आवश्यकता पर बल देता है.

कच्चा तेल 80 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में उतार-चढ़ाव जारी है. ब्रेंट क्रूड का मूल्य घटकर 80 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 75 डॉलर प्रति बैरल के करीब आ गया है. तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है. इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 89.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है.

लौटी तेजी वैश्विक बाजारों में मजबूती के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंफोसिस में आई तेजी

शेयर बाजारों में तेजी लौटी, निफ्टी ने नया शिखर छुआ

एजेंसी। मुंबई

खास बातें

- निफ्टी भी 21,697 .45 अंक पर हुआ बंद
- तेल एवं गैस में सर्वाधिक 4 .22 प्रतिशत की तेजी रही

वैश्विक बाजारों में मजबूती के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंफोसिस और टीसीएस में लिवाली आने से शुक्रवार को स्थानीय शेयर बाजारों में तेजी लौट आई. सेंसेक्स 440 अंक चढ़ गया जबकि निफ्टी कारोबार के दौरान अपने नए शिखर को छूने में सफल रहा. बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स 440.33 अंक यानी 0.61 प्रतिशत चढ़कर 72,085.63 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान एक समय यह 1,444.1 अंक यानी दो प्रतिशत तक उछल गया था. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी 156.35 अंक यानी 0.72 प्रतिशत बढ़कर 21,853.80 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान निफ्टी एक समय 429.35 अंक तक चढ़कर 22,126.80 अंक के नये शिखर पर पहुंच गया था. सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से पावर ग्रिड, एनटीपीसी, टाटा स्टील, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), जेएसडब्ल्यू स्टील, विप्रो, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज और बजाज फाइनेंस प्रमुख रूप से लाभ में रहीं. दूसरी तरफ एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, लार्सन एंड टुब्रो और आईटीसी के शेयरों में गिरावट का रुख रहा. इस तरह बाजार में तेजी लौट आई. एक दिन पहले बजट पेश किए जाने के बाद सेंसेक्स 106.81 अंक गिरकर 71,645.30 अंक पर आ गया था. निफ्टी भी 28.25 अंक कमजोर होकर 21,697.45 अंक पर रहा था. जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, रूढ़िवादी अंतरिम बजट का बाजार पर कोई भी नकारात्मक असर नहीं रहा और बाजार ने अपनी तेजी जारी रखी. राजकोषीय घाटे के लक्ष्य में बड़ी गिरावट से बॉन्ड प्रतिफल में कमी आने जा रही है जो निवेश बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन का काम करेगा. अधिक शेयरों का प्रतिनिधित्व करने वाले बीएसई मिडकैप सूचकांक में 0.80 प्रतिशत की तेजी रही जबकि स्मालकैप सूचकांक में 0.49 प्रतिशत की बढ़त रही. खंडवार सूचकांकों में से तेल एवं गैस में सर्वाधिक 4.22 प्रतिशत की तेजी रही. ऊर्जा खंड में भी 3.44 प्रतिशत और धातु खंड में 2.95 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई. साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स में इस हफ्ते 1,384.96 अंक यानी 1.95 प्रतिशत की उछाल रही जबकि निफ्टी 501.2 अंक चढ़ गया.

औसत मासिक जीएसटी संग्रह एफएक्स 25 में 11 प्रतिशत बढ़ेगा

एजेंसी। नयी दिल्ली

सरकार को उम्मीद है कि अगले वित्त वर्ष में औसत मासिक जीएसटी संग्रह 11 प्रतिशत बढ़कर 1.85 लाख करोड़ रुपये हो जाएगा. राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को यह अनुमान जताया. बजट के बाद मल्होत्रा ने पीटीआई के साथ साक्षात्कार में यह भी कहा कि स्टार्टअप के लिए एक बड़ा एलान किया गया है. 10 में से तीन साल के लिए कर लाभ प्राप्त करने के लिए उनके स्थापना की तारीख की समय सीमा और एक साल बढ़ाकर 31 मार्च, 2025 कर दी गई है. उन्होंने यह भी कहा कि मोबाइल कलपुर्जों पर सीमा शुल्क घटाकर 10 प्रतिशत करने का मकसद कर ढांचे को सरल बनाना, वर्गीकरण विवादों को कम करना तथा मोबाइल विनिर्माण में निवेश को और बढ़ावा देना है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने 2024-25 के अंतरिम बजट भाषण में कहा था कि जीएसटी करदाता आधार के साथ-साथ मासिक राजस्व इसके लागू होने के बाद से दोगुना हो गया है. चालू वित्त वर्ष के दौरान माल व सेवा कर (जीएसटी) संग्रह तीन महीने में 1.70 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचा.

दिल्ली में आप-भाजपा का प्रदर्शन

शुक्रवार को नयी दिल्ली में आम आदमी पार्टी के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन के दौरान भाजपा समर्थकों ने नारे लगाए.

नयी दिल्ली में शुक्रवार को बीजेपी के विरोध-प्रदर्शन के दौरान पुलिस कर्मियों ने आप समर्थकों को रोका.

प्रधानमंत्री ओडिशा और असम का करेंगे दौरा

कई परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन और शिलान्यास

भाषा । नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार और रविवार को ओडिशा और असम का दौरा करेंगे और इस दौरान करोड़ों रुपये की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे. प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने शुक्रवार को एक बयान में यह जानकारी दी. उसके मुताबिक, प्रधानमंत्री तीन फरवरी को ओडिशा के संबलपुर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान 68,000 करोड़ रुपये से अधिक की कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे.

पीएम सीएलईए-सीएएसजीसी 2024 का करेंगे उद्घाटन

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को राजधानी स्थित विज्ञान भवन में कॉमनवेल्थ लीगल एजुकेशन एसोसिएशन (सीएलईए)-कॉमनवेल्थ अटॉर्नी और सॉलिसिटर जनरल कांफ्रेंस (सीएएसजीसी) 2024 का उद्घाटन करेंगे. प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में शुक्रवार को यह जानकारी दी. उसके मुताबिक, इस अवसर पर प्रधानमंत्री उपस्थित जनसमूह को संबोधित भी करेंगे. इस सम्मेलन का विषय 'न्याय वितरण में सीमा-पार चुनौतियां है.

ब्रीफ खबरें

भारतीय-अमेरिकी छात्र की मौत

न्यूयॉर्क । अमेरिकी पुलिस ओहायो में एक भारतीय-अमेरिकी छात्र की मौत के मामले की जांच कर रही है जो देश में इस प्रकार का एक महीने में चौथा मामला है. न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने बृहस्पतिवार को कहा कि सिनसिनाटी स्थित 'लिंडनर स्कूल ऑफ बिजनेस' के छात्र श्रेयस रेड्डी बेनिगेरी की मौत के मामले में किसी भी तरह की गड़बड़ी का फिलहाल कोई संदेह नहीं है.

विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से कई लोगों की मौत

क्लियरवाटर (अमेरिका) । फ्लोरिडा में एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से विमान सवार और एक घर में मौजूद कुछ लोगों की मौत हो गई. दमकल विभाग में यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि विमान 'बीचक्राफ्ट बोनान्ज़ा वी35' के चालक ने दुर्घटना से पहले उसमें कुछ खामी आने की जानकारी दी थी. क्लियरवॉटर दमकल प्रमुख स्कॉट एहलर्स ने बताया कि विमान पहले एक घर से टकराया जिसकी वजह से आग लग गई.

जवान व आतंकवादी में मुठभेड़, दो की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए एक खुफिया अभियान के दौरान दो वांछित आतंकवादी मारे गए. सेना ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. सेना की मीडिया प्रकोष्ठ इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर बृहस्पतिवार रात में डेरा इस्माइल खान जिले में अभियान चलाया गया.

उत्तर कोरिया ने किया मिसाइल का परीक्षण

सियोल । दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा कि उत्तर कोरिया ने अपने पश्चिमी तट के निकट जलक्षेत्र में शुक्रवार को कई क्रूज मिसाइलें दागी हैं. उत्तर कोरिया ने यह कदम अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान के साथ बढ़ते तनाव के बीच उठाया है और वह लगातार हथियारों का परीक्षण कर रहा है. किम जोंग उन का कहना है कि इस प्रकार की परियोजना देश को युद्ध के लिए तैयार करने के वास्ते जरूरी है. बता दें कि इस वर्ष उत्तर कोरिया के क्रूज मिसाइल परीक्षणों का चौथा दौर है.

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की याचिका पर स्टे नहीं दिया

व्यास तहखाने में पूजा-पाठ पर रोक से किया इनकार

भाषा । वाराणसी

वाराणसी स्थित ज्ञानवापी परिसर के व्यास तहखाने में पूजा-पाठ जारी रहेंगे. इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की याचिका पर पूजा पर रोक लगाने को लेकर स्टे नहीं दिया. मस्जिद कमेटी ने अपनी याचिका में पूजा-पाठ पर अंतरिम स्थगन की मांग की थी, लेकिन अदालत ने इसे स्वीकार नहीं किया. इस क्रम में हाईकोर्ट ने एडवोकेट जनरल को आदेश दिया कि लॉ एंड ऑर्डर मेंटेन रखा जाये.

मस्जिद समिति से 6 फरवरी तक अपील में संशोधन करने का आदेश : इस मामले में अगली सुनवाई की तिथि 6 फरवरी तय की गयी है. कोर्ट ने मस्जिद समिति से 6 फरवरी तक अपनी अपील में संशोधन करने का आदेश दिया. बता दें कि इससे पूर्व कल गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने व्यास तहखाने में पूजा-पाठ रोकने से जुड़ी याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया था.साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष को हाईकोर्ट जाने का सुझाव दिया था.

31 जनवरी को पूजा की अनुमति देने का आदेश पारित हुआ : सुनवाई के क्रम में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि हम यह देखेंगे कि रिसीवर की नियुक्ति में जल्दबाजी का मतलब क्या है. मुस्लिम पक्ष के वकील ने कोर्ट को जानकारी दी थी कि हिंदू पक्ष के आवेदन पर वाराणसी कोर्ट ने 17 जनवरी को रिसीवर (वाराणसी डीएम) नियुक्त करने की अनुमति प्रदान की गयी. 31 जनवरी को पूजा की अनुमति देने का आदेश पारित किया गया.

विरोध प्रदर्शन करते मुस्लिम पक्ष के लोग

17 जनवरी के आदेश को चुनौती नहीं दी गयी

इस पर कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष से सवाल किया कि 17 जनवरी के आदेश को चुनौती आपके द्वारा नहीं दी गयी. 31 जनवरी के आदेश को जब तक चुनौती नहीं दी जायेगी तब तक यह अपील सुनवाई योग्य नहीं हो सकती. इसके बाद कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष को अपनी अपील में संशोधन करने को कहा. हिंदू पक्ष की ओर से अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन और अधिवक्ता प्रभाष पांडेय ने तथा मुस्लिम पक्ष की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता एसएफए नकवी और पुनीत गुप्ता ने पैरवी की.

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के रहमानी बोले

लोगों का अदालतों पर भरोसा घटा

वाराणसी । वाराणसी की जिला अदालत ने बुधवार को ज्ञानवापी परिसर में स्थित व्यास जी के तहखाने में पूजा-पाठ करने का अधिकार दिया जिस पर मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने फैसले पर ही सवाल खड़े करते हुए इसकी आलोचना की है. मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सैफुल्लाह रहमानी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हमारी अदालतें ऐसी राहत पर चल रही हैं जहां से लोगों का भरोसा उनसे टूट रहा है. ऐसा कई कानूनी जानकार भी मानते हैं. उन्होंने कहा, 'कल जो वाक्या पेश आया वो निराशा पैदा करने वाला है. वहां मस्जिद है. 20 करोड़ मुसलमानों को और इंसाफ पसंद तमाम शहरियों को इस फैसले से बहुत धक्का पहुंचा है.

धरने पर बैठीं सीएम ममता बनर्जी

केंद्र से बकाया भुगतान की रखी मांग

भाषा । कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र से विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं के लिए राज्य के बकाए के भुगतान की मांग को लेकर शुक्रवार को कोलकाता में धरना प्रदर्शन शुरू किया. बनर्जी ने अपनी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के साथ शहर के मध्य स्थित मैदान इलाके में बीआर आंबेडकर की प्रतिमा के सामने प्रदर्शन शुरू किया. अधिकारियों ने कहा कि मंच के बगल में एक तंबू लगाया गया है ताकि बनर्जी प्रशासन संबंधी जरूरी काम कर सकें. मुख्यमंत्री का दावा है कि केंद्र सरकार के पास विभिन्न

कल्याणकारी योजनाओं के लिए राज्य का हजारों करोड़ रुपये बकाया है.

उन्होंने आंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद धरना प्रदर्शन शुरू किया. इससे पहले, तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने पार्टी विधायकों, सांसदों, मंत्रियों और मनरेगा कार्यकर्ताओं के एक समूह के साथ नयी दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया था और यहां राजभवन के बाहर पांच दिन तक धरना दिया था. बनर्जी के नेतृत्व में पिछले वर्ष मार्च में भी इसी तरह का दो दिवसीय धरना दिया गया है.

मुंबई : गैस रिसाव से लगी आग, 9 झुलसे

भाषा । मुंबई

मुंबई के चेंबूर इलाके में रसोई गैस के रिसाव के बाद लगी आग में नौ लोग झुलस गए जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है. अग्निशमन अधिकारियों ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार रात करीब पौने 12 बजे चेंबूर पूर्व में सिद्धार्थ कॉलोनी की एक चॉल में रसोई गैस का रिसाव हो गया. अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद एक दमकल गाड़ी, एक जेटी और एम्बुलेंस को घटनास्थल पर भेजा गया. आग पर 10 से 15 मिनट में काबू पा लिया गया. उन्होंने बताया कि इस हादसे में 17 साल के एक लड़के समेत नौ लोग झुलस गए. घायलों को शहर के चार अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है.

बम रखे जाने की धमकी के बाद पुलिस सतर्क, जांच शुरू

भाषा । मुंबई

मुंबई पुलिस ने इस संदेश के बाद जांच शुरू कर दी है जिसमें दावा किया गया है कि शहर में बम लगाए गए हैं और उनमें विस्फोट किया जाएगा. अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि इस सूचना के बाद पुलिस अलर्ट पर है. वर्ली स्थित यातायात नियंत्रण कक्ष को गुरुवार देर रात करीब साढ़े बारह बजे एक संदेश मिला, जिसमें दावा किया गया कि मुंबई में विस्फोट होंगे क्योंकि देश की वित्तीय राजधानी में छह स्थानों पर बम रखे गए हैं. उन्होंने कहा कि

मुंबई पुलिस की अपराध शाखा और महाराष्ट्र एटीएस (आतंकवाद निरोधी दस्ता) को धमकी भरे संदेश के बारे में सतर्क कर दिया गया है और भेजने वाले का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है. अधिकारी ने बताया कि भारतीय दंड संहिता की प्रासंगिक धारा के तहत मामला दर्ज किया गया है.

जम्मू-कश्मीर : 400 से अधिक वाहन फंसे

भाषा । श्रीनगर

केंद्रशासित प्रदेश का महत्वपूर्ण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग विभिन्न स्थानों पर भूस्खलन के कारण शुक्रवार को दूसरे दिन भी यातायात के लिए बंद रहा. अधिकारी भूस्खलन के मलबे को हटाने और कश्मीर को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाले राजमार्ग पर यातायात बहाल करने की कोशिश में लगे हैं. अधिकारियों ने बताया कि राजमार्ग पर विभिन्न स्थानों पर 400 से अधिक वाहन फंसे हुए हैं. उन्होंने बताया कि राजमार्ग पर शेरबीबी, मागेरकोटे, मेहद कैफेटेरिया और दलवास सहित कई स्थानों पर भूस्खलन के बाद बृहस्पतिवार को 270 किलोमीटर लंबी सड़क यातायात के लिए बंद कर दी गई थी.

केन्या में भीषण गैस विस्फोट 3 लोगों की मौत, 200 घायल

भाषा । नैरोबी (केन्या)

केन्या की राजधानी नैरोबी में शुक्रवार सुबह गैस सिलेंडर ले जा रहे एक ट्रक में विस्फोट होने से कई मकान एवं गोदाम जल गए तथा इसके कारण कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और 200 से अधिक लोग घायल हो गए. प्राधिकारियों ने मृतक संख्या बढ़ने की आशंका जताई है. सरकार के प्रवक्ता इसाक मावौरा ने बताया कि अधिकतर लोग देर रात उस समय अपने घरों के ही अंदर थे, जब उनमें आग लगी. प्रवक्ता ने बताया कि अज्ञात पंजीकरण संख्या वाले और गैस सिलेंडर ले जा रहे एक ट्रक में विस्फोट हो गया, जिससे भीषण आग लग गई. एक उड़ता हुआ गैस सिलेंडर 'ओरिएंटल गोदाम' से टकराया, जिससे कपड़ों का यह गोदाम जलकर खाक हो गया. नैरोबी के पास एम्बाकासी के मराडी इलाके में रात करीब साढ़े 11 बजे लगी आग से कई अन्य वाहन और कारोबारी इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं. केन्या रेड क्रॉस ने बताया कि इस घटना में तीन लोगों की मौत हो गई.

भारतीय वायुसेना पर साइबर हमले की कोशिश

नयी दिल्ली। कुछ अनजान साइबर हमलावरों ने हाल ही में भारतीय वायुसेना के इंटर्नल कंप्यूटर सिस्टम को हैक करने का प्रयास किया. मकसद था वायुसेना के सेंसिटिव डेटा को चुरा सकें. लेकिन ऐसा हो नहीं पाया. हैकर्स कौन थे, इसका पता नहीं चल पाया है. लेकिन उनका तरीका पता चल गया. हैकर्स ने गूगल की प्रोग्रामिंग लैंग्वेज की मदद से बनाए गए ओपन-सोर्स मालवेयर से यह साइबर अटैक किया था. हालांकि, वायुसेना की जरूरी सूचनाएं चोरी नहीं कर पाए. न ही कोई डेटा गायब हुआ.

जगद्गुरू रामभद्राचार्य की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

भाषा । आगरा

तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरू रामभद्राचार्य महाराज को शुक्रवार सुबह सीने में दर्द की शिकायत करने के बाद आगरा के पुष्पांजलि अस्पताल में भर्ती कराया गया. अस्पताल के अधिकारी ने यह जानकारी दी. फिलहाल उन्हें वायुमार्ग से देहरादून ले जाने की तैयारी की जा रही है. मुख्यमंत्री योगी ने रामभद्राचार्य के उत्तराधिकारी को फोन करके उनका हालचाल जाना. जगद्गुरु की तबीयत बिगड़ने की सूचना मिलने पर बड़ी संख्या में उनके अनुयायी हॉस्पिटल पहुंचे. यहां दिल्ली गेट स्थित पुष्पांजलि अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी डॉ. राकेश शर्मा ने बताया कि सीने में दर्द की शिकायत करने के बाद उनको यहां लाया गया, उनकी जांच की जा रही है. उन्होंने बताया कि डॉ. नवनीत शर्मा उनका इलाज कर रहे हैं, कुछ जांच हो चुकी हैं जबकि कुछ जांचों की रिपोर्ट आनी बाकी है. उन्होंने कहा कि शुरूआत जांच में छाती में संक्रमण की बात सामने आई है.

कॅरियर-काउंसिलिंग

डिप्लोमा इन फैशन डिजाइनिंग में बना सकते हैं अपना कॅरियर

एजुकेशन रिपोर्टर / रजनीश प्रसाद

12 से 18 महीने की अवधि के बीच, फैशन डिजाइनिंग में डिप्लोमा एक स्किल-आधारित इंडस्ट्री-ओरिएंटेड कोर्स है, जहां डिजाइन और विकास की बारीकियों से लेकर ब्रांड को शुरू करने और बनाए रखने तक सभी पर व्यापक रूप से चर्चा की जाती है. मेहनत और रचनात्मकता को फैशन इंडस्ट्री का खून माना जाता है. फैशन विचार, संस्कृति अध्ययन, पैटर्न, परिधान डिजाइन और संबंधित विषय पाठ्यक्रम के मुख्य भाग हैं. इसके अलावा, मार्केटिंग, रिटेलिंग, कम्युनिकेशन, प्रोडक्ट डेवलपमेंट, सोशल मीडिया से भी निपटा जाता है. यह कोर्स किसी व्यक्ति को फैशन इंडस्ट्री में निपुण होने के लिए सभी आवश्यक ज्ञान प्रदान करता है. आइए इन फैशन डिजाइनिंग विषयों के बारे में और विस्तार से जानें

फैशन

भारतीय या पश्चिमी कंटेंपररी के संबंध में फैशन और वेशभूषा के इतिहास का ज्ञान होना एक आवश्यक कौशल है. यह सदियों से छात्रों को शैलियों तथा पैटर्न पर नजर रखने में मदद करता है. यह अतीत में प्रसिद्ध कार्यों को उजागर करके छात्रों के रचनात्मक स्पेक्ट्रम को भी बढ़ाता है.

डिजिटल डिजाइन

डिजिटल डिजाइन का तात्पर्य विशेष रूप से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर डिजाइन के निर्माण से है. इस विषय में छात्रों को लोकप्रिय डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बुनियादी डिजाइनिंग और स्केचिंग तकनीकों से परिचित कराया जाता है. ये प्लेटफॉर्म हाथ से स्केचिंग की सभी बाधाओं को दूर करके छात्रों को उनके क्रिएटिव साइड को पूरी तरह से तलाशने में मदद करते हैं.

डिजाइन कार्यशालाएं

फैशन डिजाइनिंग में डिप्लोमा में, छात्रों को डिजाइन थीसिस और डिजाइन कार्यशालाओं जैसी रिसरचिंग एक्टिविटीज के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाता है. इन कार्यशालाओं में वास्तविक उत्पादन स्थल के समान उपकरण और मशीनरी हैं, जिससे आवश्यक कौशल का अनुवाद आसान हो जाता है. व्यक्तिगत विचार निर्माण और उस ज्ञान को व्यावहारिक परिस्थितियों में लागू करना कुछ ऐसा है जो इस विषय में विकसित होता है.

डिजाइन और रंग की बुनियादी बातें

यह पोशाक और कुछ नहीं बल्कि रंगों और डिजाइनों का खेल है. एलिमेंट्स ऑफ कलर थ्योरी, डिजाइन प्रिंसपल्स फैशन इंडस्ट्री पर कैसे लागू होते हैं, जैसे विषयों को डिजाइन और रंग बुनियादी बातों के तहत बहुत विस्तार से खोजा गया है. छात्रों को विभिन्न डिजाइनिंग प्रोजेक्ट्स में भाग लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है ताकि वे डिजाइन और रंग की बारीकियों को बेहतर तरीके से समझ सकें.

पैटर्न और पैटर्न निर्माण

यह विषय छात्रों को डिजाइन पैटर्न बनाने के साथ-साथ पोशाक और व्यक्ति के अनुसार सटीक डिजाइन बनाने का ज्ञान प्रदान करता है. मापने की तकनीक, ऊपरी और निचले शरीर के पैटर्न के बीच का अंतर आदि कुछ इस विषय में कवर किए गए हैं.

12वीं के बाद फैशन डिजाइनिंग में डिप्लोमा

- फैशन टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा
- फैशन डिजाइन में डिप्लोमा
- अपैरल डिजाइन में डिप्लोमा
- ज्वेलरी डिजाइन में डिप्लोमा
- फैशन फोटोग्राफी में डिप्लोमा
- रिटेल मर्चेंडाइजिंग में डिप्लोमा
- लैदर डिजाइन में डिप्लोमा
- टेक्सटाइल डिजाइन में डिप्लोमा
- विजुअल मर्चेंडाइजिंग में डिप्लोमा

भारत में फैशन डिजाइनिंग कॉलेजों में सर्वश्रेष्ठ डिप्लोमा

- वोग इंस्टीट्यूट ऑफ आर्ट एंड डिजाइन
- डिजाइन के लिसा स्कूल
- जेडी इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, हैदराबाद
- जेडी इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, मुंबई
- डिजाइन के डॉट स्कूल
- इंटर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन डिजाइन अंधेरी मुंबई
- ले मार्क स्कूल ऑफ आर्ट मुंबई
- इमेज इंस्टीट्यूट ऑफ मल्टीमीडिया आर्ट्स एंड ग्राफिक इफेक्ट्स वडापलानी
- रैफल्स डिजाइन इंटरनेशनल
- आरट्रम स्कूल ऑफ डिजाइन, हैदराबाद

फैशन डिजाइनिंग में कॅरियर

- फैशन डिजाइनर
- रिटेल मैनेजर
- ब्रांड मैनेजर
- स्टाइलिस्ट
- फैशन ब्लॉगर
- प्रोडक्ट डेवलपर
- फैशन एंटरप्रेन्योर
- एक्सेसरी डिजाइनर
- टेलर
- फैशन इलस्ट्रेटर
- मॉडल
- फ्रीलांसर

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)